दिव्य दिनकर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अकं : 244 पटना (बिहार) शनिवार ,05 जुलाई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत-पाक तनाव के बीच बिहार आ रही पाकिस्तानी हॉकी टीम

संवाददाता द्वारा

नालंदाः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पुरुष हॉकी एशिया कप का आयोजन इस बार बिहार के राजगीर खेल परिसर में 29 अगस्त से 7 सितंबर तक किया जाएगा। टूनार्मेंट में भारत, पाकिस्तान, जापान, चीन, मलेशिया और दक्षिण कोरिया जैसी प्रमुख एशियाई टीमें भाग लेंगी। इसके अलावा दो अन्य टीमें क्वालीफाइंग टूनार्मेंट के माध्यम से चुनी जाएंगी। पाकिस्तान की टीम की भागीदारी को लेकर अब तक असमंजस बना हुआ था। भारत-पाक संबंधों में चल रहे तनाव के चलते इस पर अनिश्चितता बनी हुई थी। पाक से आ रही टीम :हालांकि अब विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान को टूनार्मेंट में भाग लेने की आधिकारिक अनुमति दे दी है। इसके साथ ही पाकिस्तान की जूनियर टीम भी भारत में आयोजित होने वाले आगामी टूनार्मेंटों में भाग ले सकेगी। खेल अकादमी के सहायक निदेशक मिथिलेश कुमार ने जानकारी देते हुए कहा, ह्हहॉकी एक ओलंपिक खेल है और एशिया कप जैसे बड़े आयोजन में सभी योग्य देशों को भाग लेने का अवसर मिलना चाहिए। अब जब पाकिस्तान को आधिकारिक अनुमति मिल चुकी है, तो टूनार्मेंट पूरी भव्यता के साथ संपन्न होगा। नालंदा में होगा मैच :इस टूनार्मेंट की खास बात यह है कि इसका विजेता 2026 में होने वाले हॉकी विश्व कप में सीधे प्रवेश प्राप्त करेगा। ऐसे में सभी देशों के बीच जबरदस्त मुकाबले की उम्मीद की जा रही है। दक्षिण कोरिया की टीम इस बार डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर मैदान में उतरेगी। राजगीर में इस तरह का अंतरराष्ट्रीय आयोजन पहली बार हो रहा है। इसके लिए खेल परिसर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सुरक्षा से लेकर दर्शकों की सुविधाओं तक की समुचित व्यवस्था की जा रही है। स्थानीय प्रशासन और आयोजन समिति ने संयुक्त रूप से बैठक कर सभी पहलुओं पर रणनीति तैयार कर ली है। नालंदा की पहचान :इस आयोजन से नालंदा और पूरे बिहार की पहचान अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर और भी मजबूत होगी। ध्यान रहे कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर का ऐलान हुआ था। हालांकि, भारत का कहना था कि वो अभी भी अपना ऑपरेशन आतंकवाद के खिलाफ जारी रखे हुए है। इतना ही नहीं पाकिस्तान और भारत के बीच अभी भी तनाव की स्थिति बनी हुई है। इस बीच में पाकिस्तानी टीम का बिहार आना चर्चा का विषय बना हुआ है।

बिहार में पुलिस बल के 50 प्रतिशत पद रिक्त', डीजीपी विनय कुमार ने शराब तस्करी की चुनौतियों पर की गंभीर चर्चा

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार पुलिस महानिदेशक (DGP) विनय कुमार ने एक अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में बहुत सारी बातों का खुलासा किया है। उन्होंने शराब तस्करी, ड्रग्स तस्करी और साइबर अपराध से लेकर बिहार पुलिस की चुनौतियों पर खुलकर बातचीत की है। उन्होंने बिहार पुलिस में खाली पड़े पदों को लेकर भी बातचीत की है। उनसे जब पूछा गया कि दिसंबर, 2024 से आप इस पद पर हैं, आपकी मुख्य चुनौतियां क्या है। उससे निपटने के लिए आप कैसा प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने 'इंडियन एक्सप्रेस' से बताया कि सबसे पहले, हमने मामलों के निपटारे पर ध्यान केंद्रित किया। अब, बिहार के 40 पुलिस जिलों में से प्रत्येक पहले की तुलना में लगभग 50% अधिक मामलों का निपटारा कर रहा है। हमने पुलिसिंग के दो स्तंभों के रूप में त्वरित जांच और त्वरित सुनवाई पर जोर दिया है। बहाली का प्रयास :उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत, जांच के लिए समय सीमा का दायरा बढ़ाया गया है... जनशक्ति की कमी के कारण हमारी अपनी सीमाएं हैं - जबकि 2.47 लाख कर्मियों की स्वीकृत पुलिस शक्ति है, इसमें से लगभग 50% खाली हैं। लेकिन हाल ही में, हमने 21,391 कांस्टेबलों की भर्ती की है, और इस साल के अंत तक 19,000 और कांस्टेबलों की भर्ती हो जानी चाहिए। साथ ही, हम अपने 11,000 वाहनों के लिए 4,300 कांस्टेबल-ड्राइवर पदों के लिए भी विज्ञापन दे रहे हैं। 4,000 से अधिक सब-इंस्पेक्टर भी नियुक्त किए जाएंगे। हम कई तरीकों से इस कार्य के बराबर बनने की कोशिश कर रहे हैं। अपराध का तरीका बदला :उन्होंने बातचीत में पिछले 30 वर्षों में अपराध के बदलते स्वरूप - डकैती से लेकर साइबर अपराध तक से निपटने के तरीकों पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि यह बिलकुल सच है कि पिछले 30-35 सालों में अपराध की रूपरेखा में काफी बदलाव आया है। 2005 तक डकैती की इतनी घटनाएं होती थीं कि साउथ बिहार एक्सप्रेस और पलामू एक्सप्रेस ट्रेनों को डकैती एक्सप्रेस कहा जाता था... 1990 के दशक में फिरौती के लिए अपहरण, जिसे हम 'केआर'

कहते थे, एक और बड़ी चुनौती थी। कभी-कभी कोई बड़ी अपहरण की घटना हो जाती थी... लेकिन बिहार में, हमें यह कहना होगा कि हमें किसी भी आरोपी को बचाने के लिए किसी (राजनीतिक) दबाव का सामना नहीं करना पड़ा। आखिरकार, कोई भी सरकार बदनाम नहीं होना चाहती। डीजीपी विनय कुमार ने नए अपराधों के बारे में कहा कि सबसे बड़ी चुनौती साइबर अपराध है, खास तौर पर सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों से जुड़ी 'डिजिटल गिरफ्तारी' के मामले। जामताड़ा मॉडल अपराध 2014 के बाद की घटना है (जामताड़ा झारखंड का एक शहर है जिसे साइबर अपराध के केंद्र के रूप में जाना जाता है), जिसमें यूपीआई का उपयोग शुरू हो गया है। हालांकि, यह केवल बिहार की समस्या नहीं है, बल्कि यह अखिल भारतीय और अंतरराष्ट्रीय समस्या है। हम इस बात पर काम कर रहे हैं कि उनकी बहुस्तरीय कार्यप्रणाली का मुकाबला कैसे किया जाए, जिसमें पहचान की चोरी से लेकर बैंक खातों में हेराफेरी तक सब कुछ शामिल है। उन्होंने कहा कि अब बिहार के हर जिले में एक साइबर पुलिस स्टेशन है। हम आर्थिक अपराध इकाई के तहत एक समर्पित साइबर इकाई भी बना रहे हैं। इसके अलावा, हम संदिग्ध साइबर गिरोहों के सोशल मीडिया पोस्ट पर भी नजर रख रहे हैं। शराबबंदी पर बातचीत :शराबबंदी को लागू करने में आ रही दिक्कतों और तस्करी पर बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक सामाजिक कानून है। इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है - दंगों के मामले 2016 तक प्रति वर्ष 14,000 से घटकर अब 3,000 से भी कम हो गए हैं। घरेलू हिंसा में कमी आई है। हालांकि, यह सच है कि बिहार की सीमा से लगे इलाकों में अवैध कारोबार को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, वे एक के बाद एक नए-नए हथकंडे अपनाते रहते हैं।

मंत्री जीवेश मिश्रा से जुड़ा नकली दवा मामला क्या है? रोहिणी ने बताया 'मौत का सौदागर

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार की नीतीश सरकार में बीजेपी कोटे से मंत्री जीवेश कुमार विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। नकली दवा से जुड़े मामले में राजस्थान की कोर्ट ने उन्हें दोषी पाया। 15 साल पुराने इस मामले में राजस्थान की राजसमंद कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराया। हालांकि, बाद में जुमार्ना भरने पर कोर्ट ने उन्हें छोड़ दिया। इस घटना के बाद विपक्ष ने मंत्री जीवेश मिश्रा के इस्तीफे की मांग की है। साथ ही, उनके खिलाफ जांच की मांग भी उठाई है। नकली दवा मामले में सियासी संग्राम :कांग्रेस ने मंत्री जीवेश मिश्रा का इस्तीफा मांगा है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कहा कि बीजेपी को उन्हें तुरंत पार्टी से निकालना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नकली दवाओं के नेटवर्क और कनेक्शन की जांच होनी चाहिए। राठौड़ ने कहा, 'भाजपा को भी इन्हें तुरंत पार्टी से निष्कासित करना चाहिए। इनके नकली दवाओं के नेटवर्क और कनेक्शन की जांच होनी चाहिए।' मंत्री जीवेश को बर्खास्त करने की मांग :पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जीवेश मिश्रा को बर्खास्त करने की मांग की है। सांसद ने आरोप लगाया कि मंत्री नकली दवा माफिया हैं। उन्होंने कहा कि वे नकली दवाएं बेचकर लोगों की जान से खिलवाड़ करते हैं। पप्पू यादव ने दरभंगा जिले के जाले की जनता से जीवेश मिश्रा को सबक सिखाने की अपील की है। जीवेश मिश्रा जाले से बीजेपी विधायक हैं और नीतीश सरकार में मंत्री हैं। रोहिणी ने बताया- मौत का सौदागर :आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्या ने भी नीतीश सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि यह

लाचार, अचेत और समझौता परस्त मुख्यमंत्री की सरकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार में अनैतिक कामों में लिप्त लोगों का जमावड़ा है। रोहिणी ने कहा, 'यह लाचार, अचेत और समझौता परस्त मुख्यमंत्री की सरकार है। नकली दवा का कारोबारी भी मंत्री की कुर्सी पर बरकरार है।' नकली दवा से जुड़ा मामला क्या है? :ये मामला सितंबर 2010 का है। राजस्थान के देवगढ़ में कंसारा ड्रग्स डिस्ट्रीब्यूटर्स कंपनी में दवाओं के सैंपल लिए गए थे। जांच में सिप्रोलिन-500 टेबलेट मिलावटी पाई गई। पता चला कि कंसारा ड्रग्स को ये दवा ऑल्टो हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड समेत दो कंपनियों ने सप्लाई की थी। उस समय जीवेश मिश्रा इस कंपनी के निदेशक थे। राजसमंद कोर्ट ने 4 जून 2025 को जीवेश मिश्रा समेत 9 लोगों को दोषी माना था। 1 जुलाई को कोर्ट ने उन्हें 7000 रुपये का जुमार्ना भरने और सदाचार बनाए रखने की शर्त पर छोड़ दिया।

बिहार का चक्काजाम एलान से पहले तेजस्वी यादव पहुंचे चुनाव आयोग, पुनरीक्षण पर मांगे जवाब

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटना :बिहार में INDIA गठबंधन के नेताओं ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में चुनाव आयोग से मुलाकात कर बिहार विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 से जुड़ी कई गंभीर आशंकाएं और आपत्तियाँ दर्ज कीं। मुलाकात के दौरान गठबंधन के नेताओं ने निर्वाचन आयोग से यह स्पष्ट करने की मांग की कि क्या वह केवल 11 दस्तावेजों के आधार पर ही मतदाता सूची में नाम जोड़ने या सत्यापन की प्रक्रिया चला सकता है? तेजस्वी यादव ने आयोग से पूछा कि यदि संविधान और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में इस बाबत कोई स्पष्ट निर्देश नहीं है, तो यह 11 दस्तावेजों की सूची किस प्रक्रिया से बनी और क्या यह न्यायसंगत है? उन्होंने कहा कि आधार कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड जैसे अन्य सरकारी दस्तावेजों को अमान्य ठहराना गरीबों, श्रमिकों और प्रवासी नागरिकों के अधिकारों का हनन है। उन्होंने

जोर देकर कहा कि अनुच्छेद 326 केवल आयु और नागरिकता के आधार पर वयस्क मताधिकार की बात करता है, लेकिन दस्तावेजों को लेकर कोई सीमित सूची नहीं दी गई है। ऐसे में आयोग किस संवैधानिक या विधिक आधार पर सिर्फ 11 दस्तावेजों को ही मान्य मानता है?

तेजस्वी यादव द्वारा उठाए गए प्रमुख सवाल निर्वाचन आयोग को केवल 11 दस्तावेजों की स्वीकृति का विशेषाधिकार किस आधार पर? सरकार द्वारा जारी अन्य दस्तावेज अस्वीकार क्यों? आधार कार्ड, जो सरकार द्वारा ही जारी है, को खुद सरकार क्यों नकार रही है? यदि कोई विधिक प्रावधान नहीं है, तो यह सूची कैसे बनी और किसके आदेश से लागू हुई? बिहार के 4 करोड़ प्रवासी नागरिकों को 18 दिन में सत्यापन की क्या कोई व्यवहारिक योजना है? रंगीन फोटो, सफेद पृष्ठभूमि और दस्तावेजों की फोटोकॉपी की बाध्यता गरीब मतदाता के लिए आर्थिक बोझ क्यों बन रही है? निर्वाचन आयोग क्यों नहीं जारी करता डैशबोर्ड के माध्यम से रोजाना की सत्यापन और अस्वीकृति रिपोर्ट? तेजस्वी यादव ने चेताया कि यदि निर्वाचन आयोग ने अपनी प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती और वंचित तबकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अन्य वैध दस्तावेजों को भी स्वीकार नहीं किया गया, तो जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। गठबंधन दलों ने एक स्वर में कहा कि निर्वाचन आयोग संविधान के अधीन एक स्वतंत्र संस्था है, लेकिन वह कानून के ऊपर नहीं हो सकती। दस्तावेजों की सूची यदि आंतरिक गाइडलाइन या प्रशासनिक आदेश से बनाई गई है, तो उसे लोकतंत्र पर प्रभाव डालने की इतनी व्यापक शक्ति नहीं दी जा सकती।

बिहार में मानसून की 40% कम बारिश, किसान परेशान

संवाददाता द्वारा

पटना : पटना के पुनपुन स्थित गंज के रहने वाले किसान राजेंद्र रविदास मायूस हैं. कहते हैं, "जून का महीना बीत गया, जुलाई शुरू हो गया है लेकिन मानसून की बारिश नहीं होने के कारण खेती करने के लिए बोरिंग से पटवन करना पर रहा है. स्थिति ऐसी है कि बोरिंग से पानी खेतों में पटवाते हैं लेकिन दो दिनों के बाद खेत फिर से सूख जाती है. उपजाऊ जमीन है खेती से ही परिवार चलता है लेकिन मानसून की बेरुखी के कारण इस बार परेशानी बढ़ गई है." ₹पानी के जलस्तर नीचे होने के कारण कई बोरिंग ठीक ढंग से काम नहीं कर रहा है. जिस बोरिंग का लेयर ज्यादा है वही बोरिंग ठीक ढंग से कम कर रहा है. 400 बीघा के हिसाब से पटवन के लिए खर्च करना पड़ रहा है. यदि आगे भी इसी तरीके से बारिश कम हुई तो खेती पर प्रभाव पड़ेगा.₹- राजेंद्र रविदास, किसान खेतों में पानी की समस्या : पुनपुन के ब्रह्मपुर के रहने वाले मुन्ना कुमार का 15 लोगों का परिवार है. आय का मुख्य साधन खेती ही है. जुलाई के पहले हफ्ते में बारिश कम होने के कारण उन्हें अपने खेत को तैयार करने के लिए दूर से बोरिंग के जरिए पानी खेत तक लाना पड़ रहा है. मुन्ना का कहना है कि पूरे परिवार का भरण पोषण खेती की पर ही निर्भर है, अपना खेत नहीं है दूसरे का खेत ठेका पर लिए हुए हैं और खेती करते हैं. "इस बात को लेकर मन में डर है कि यदि इसी तरीके से बारिश कम हुई तो बोरिंग से कितना पानी पटवा पाएंगे. पानी पटवाते हैं और तीन से चार दिन में फिर खेत सूख जाता है. धान का बिचड़ा की तैयारी हो रही है. यदि बारिश कम हुई तो पटवन के पीछे खर्च और बढ़ जाएगा.- मुन्ना कुमार, किसान

बिहार में औसत से कम बारिश : दरअसल, जुलाई का महीना आ गया है लेकिन मानसून की जितनी बारिश होनी चाहिए उतनी बारिश नहीं हुई है. मानसून की बेरुखी का सबसे ज्यादा असर खेती करने वाले किसानों के ऊपर होना शुरू हो गया है. मौसम विभाग की माने तो बिहार में अब तक सामान्य से 40% कम मानसून की बारिश हुई है. यही कारण है कि जिस महीने में किसानों के चेहरे पर मुस्कान होती है आज परेशानी दिख रही है. यदि मानसून की बेरुखी ऐसी ही रही तो संभव है कि बिहार में सूखे की स्थिति न उत्पन्न हो जाए. बिहार में रूठा मानसून..! : बिहार में अब तक मानसून की बारिश का आकलन किया जाए तो इस बार औसत से 40% कम बारिश अभी तक हुई है. मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मौसम वैज्ञानिक आनंद शंकर ने ईटीवी भारत से बातचीत में बताया कि 16 से 17 जून को बिहार में मानसून ने प्रवेश किया था. अभी तक 201 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए थी लेकिन अभी तक मात्र 123.5 मिली मीटर बारिश हुई है. औसत यदि देखा जाए तो मानसून की बारिश औसत से लगभग 40% कम बारिश हुई है.

"तीन से 10 जुलाई वाले सप्ताह भी बिहार के अधिकांश जिलों में मानसून की बारिश सामान्य से कम होगी. 11 जुलाई से लेकर 17 जुलाई तक मौसम में कुछ सुधार होगा और उम्मीद है कि उस अवधि में ठीक-ठाक बारिश हो सकती है. इस सप्ताह के मुकाबले अगले सप्ताह कुछ मानसून की बारिश में तेजी देखने को मिलेगी.- आनंद शंकर, मौसम वैज्ञानिक, भारत मौसम विज्ञान केंद्र, पटना 3 जिलों में अच्छी बारिश : मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक आनंद शंकर ने बताया कि अभी तक जो पूरे राज्य से आंकड़े उपलब्ध हुए हैं उसमें साउथ बिहार के तीन जिलों में अधिक बारिश हुई है. औरंगाबाद, नवादा एवं गया में मानसून की अच्छी बारिश देखने को मिली है. इन तीन जिलों में औसत से 20% अधिक बारिश दर्ज की गई है. 7 जिलों में सामान्य बारिश : आनंद शंकर ने बताया कि बिहार के सात जिलों में इस बार सामान्य रूप से बारिश हुई. साउथ बिहार के लिए जिन जिलों में सामान्य बारिश हुई है उसमें कैमूर, रोहतास, बक्सर, नालंदा, लखीसराय, जमुई और बांका है. बिहार के 14 जिलों में अभी तक सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है. इसमें भोजपुर, गोपालगंज, पटना, जहानाबाद, पश्चिम चंपारण, वैशाली, शेखपुरा, सिवान, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, मुंगेर और भागलपुर शामिल है. सामान्य से बहुत कम बारिश : आनंद शंकर ने बताया कि बिहार के 13 जिले ऐसे हैं जहां मानसून की बारिश औसत से बहुत कम दर्ज की गई है. जिन जिलों में औसत से बहुत कम बारिश दर्ज की गई है उसमें पूर्वी चंपारण, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा और खगड़िया शामिल है. "कम बारिश होने का असर खेती पर पड़ता है. अभी जो स्थिति बनी है उसमें सामान्य से कम वर्षा होगी. रुक-रुक कर कहीं पर बारिश होगी कहीं पर मध्यम बारिश भी दर्ज की जाएगी. उम्मीद है कि जैसे-जैसे मानसून का समय आगे बढ़ेगा, आने वाले दिनों में औसत स्तर तक मानसून की बारिश दर्ज हो सकती है.- आनंद शंकर, मौसम वैज्ञानिक

बिहार सरकार का डीजल अनुदान योजना : बता दें कि बिहार में बारिश कम होने या सूखे की स्थिति उत्पन्न होने पर बिहार सरकार किसानों को सिंचाई की सुविधा के लिए डीजल अनुदान योजना की शुरूआत की थी. इस योजना के जरिये बिहार के किसानों को फसलों में पानी की कमी को पूरा करने दे लिए डीजल की खरीदारी पर अनुदान दिया जाता है.

बिहार में खरीफ फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को 75 रुपए प्रति लीटर दर से, या प्रति एकड़ 750 रुपए की सब्सिडी डायरेक्ट किसानों के खाते में दी जाती है. किसानों को अधिकतम 8 एकड़ के लिए सब्सिडी दी जाती है. इसके साथ ही किसानों को धान का बिचड़ा एवं जूट फसल की अधिकतम 2 सिंचाई के लिए 1500 रुपए प्रति एकड़ दिया जाता है. राज्य में खाद्यान्न उत्पादन का

सीएम नीतीश कुमार का डबल इंस्पेक्शन डेः बापू टावर से पटना घाट रोड तक एक्टिव दिखे मुख्यमंत्री

संवाददाता द्वारा

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को सुबह से ही एक्टिव मोड में नजर आए. उन्होंने दिन की शुरूआत गर्दनीबाग स्थित बापू टावर के निरीक्षण से की. यहां उन्होंने छठे तल पर नवनिर्मित प्रशासनिक कार्यालय का उद्घाटन किया और पूरे टावर का दौरा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली. नीतीश का डबल इंस्पेक्शन डे : निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने टावर के ग्राउंड फ्लोर पर बनाए गए ओरियंटेशन हॉल, तीसरे और पांचवें तल की दीघाओं का निरीक्षण किया. उन्होंने वहां मौजूद स्कूली बच्चों से मुलाकात की और उन्हें बापू के जीवन से जुड़ी प्रेरक घटनाओं को जानने और समझने की सलाह दी. मुख्यमंत्री ने कहा,"बापू टावर को देखिए, यह बहुत अच्छा बना है. महात्मा गांधी के जीवन और आदर्शों को समझना जरूरी है." इन जगहों के निर्माण का लिया जायजाः इसके बाद मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ अंतर्गत पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक बनने वाले संपर्क पथ के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया. उन्होंने अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और तय समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए. 52 करोड़ की लागत से बन रहा संपर्क पथ : यह संपर्क पथ 1.5 किलोमीटर लंबा होगा और इसकी अनुमानित लागत 52.54 करोड़ है. सड़क निर्माण राज्य सरकार और रेलवे के बीच भूमि के परस्पर आदान-प्रदान के आधार पर हो रहा है. यह पथ पटना साहिब रेलवे स्टेशन से शुरू होकर पटना घाट होते हुए जेपी गंगा पथ से जुड़ेगा. नई सड़क से पटना सिटी को बड़ी राहतः इस सड़क के निर्माण से पटना सिटी के लोगों को जेपी गंगा पथ के माध्यम से शहर के विभिन्न हिस्सों तक बेहतर और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी. प्रस्तावित पथ में अशोक राजपथ पर एक फ्लाईओवर का भी

कोरोना वैक्सीन ने बचाई लाखों लोगों की जान : एम्स

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना के टीकों और दिल का दौरा पड़ने के बीच कोई संबंध नहीं है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) ने इस प्रकार की अटकलों को खारिज करते हुए आज कहा कि कोरोना के टीकों ने लाखों लोगों की जान बचाई है। गुरुवार को एम्स में पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. करण मदान ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोवैक्सीन एवं कोविशील्ड कोरोना के प्रभावी टीके थे और उन्होंने मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महामारी के दौरान, जीवन बचाने के लिए टीके ही एकमात्र उपाय हैं। टीकों का इस्तेमाल बड़ी संख्या में लोगों पर किया गया और उन्होंने अत्यधिक मृत्यु दर को रोकने में प्रभावी भूमिका निभाई। अब तक इस्तेमाल किए गए टीकों की समीक्षा के लिए अचानक हृदय संबंधी मौतों पर एक अध्ययन किया गया था, लेकिन अचानक हृदयाघात से होने वाली मौतों का इन टीकों के साथ कोई स्पष्ट संबंध नहीं पाया गया। वहीं, एम्स के संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय राय ने कहा कि देश में जनवरी 2021 में वैक्सीनेशन की शुरुआत हुई। अब तक दुनियाभर में 13 अरब से ज्यादा डोज दी जा चुकी हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 12 वैक्सीन को मंजूरी दी है।

दिल्ली में जल और सीवरेज परियोजनाओं को दी गई नई रफ्तार : प्रवेश साहिब सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि राजधानी में जल और सीवरेज परियोजनाओं को मंजूरी देकर नई रफ्तार दी गई। दिल्ली सचिवालय में गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड ने अपनी हालिया बोर्ड बैठक में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ये योजनाएं न केवल लाखों लोगों को सीधे लाभ पहुंचाएंगी बल्कि यमुना नदी में प्रदूषण को कम करेंगी, जल वितरण को समान बनाएंगी और वर्षों से लंबित पुनर्वास कार्यों को गति देंगी। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि साफ पानी और प्रभावी सीवरेज व्यवस्था सिर्फ पाइपलाइन नहीं, लोगों के जीवन की गरिमा और हक से जुड़ा मसला है। हम वर्षों से अटकी योजनाओं को फिर से जमीन पर ला रहे हैं ताकि हर नागरिक को उसका हक मिल सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और भूमि विकास एजेंसियों की जल/सीवरेज योजनाओं को मंजूरी देने एवं क्रियान्वयन की पूरी जिम्मेदारी अब दिल्ली जल बोर्ड की है। एक अहम नीतिगत सुधार के तहत अब दिल्ली जल बोर्ड को डीडीए और अन्य भूमि विकास एजेंसियों की जल और सीवरेज योजनाओं को सीधे स्वीकृत करने और उन्हें क्रियान्वित करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने बताया कि 2019 से पहले यह प्रक्रिया चीफ इंजीनियर (प्लानिंग) स्तर पर पूरी हो जाती थी, जिससे कार्य शीघ्र पूरे होते थे।

खंडेलवाल ने अधिकारियों के साथ चावड़ी बाजार, सीताराम बाजार एवं माता सुंदरी गुरुद्वारा क्षेत्र का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चावड़ी बाजार, सीताराम बाजार एवं माता सुंदरी गुरुद्वारा क्षेत्र का निरीक्षण दौरा किया। सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने अपने निरीक्षण के दौरान दिल्?ली नगर निगम अधिकारियों को चावड़ी बाजार से कुछ स्थाई अतिक्रमण हटाने के साथ ही जलबोर्ड एवं लोकनिर्माण विभाग अधिकारियों को सड़कों पर धसते सीवर एवं गड्ढे ठीक करने और पुलिस को अवैध पार्किंग एवं रिक्शा कंट्रोल करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने हौजकाजी चौक से अवैध स्कूटर पार्किंग को हटाने के निर्देशो भी दिल्ली पुलिस को दिया और सीताराम बाजार की सड़के ठीक कर रेहड़ी-पटरी वाले दुकानदारों जो स्थानीय निवासी भी हैं, उनको व्यवस्थित करने को कहा। सांसद खंडेलवाल ने दिल्ली नगर निगम की शहरी क्षेत्र उपायुक्त से माता सुंदरी रोड़ पर खासकर दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पीछे से लोकनायक अस्पताल के गेट के पास से और गुरुद्वारा साहब के आसपास के कबाड़ियों के अवैध कब्जों को हटवाने की योजना बनाने को कहा।

आआपा पार्षदो ने सफाई व्यवस्था को लेकर महापौर के कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग के नेतृत्व में गुरुवार को सिविक सेंटर में आआपा पार्षदों की बैठक हुई। बैठक के बाद आआपा पार्षद ने दिल्ली में सफाई व्यवस्था को लेकर महापौर राजा इकबाल सिंह के कार्यालय के बाहर कचरा रखकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने महापौर से इस्तीफा देने की मांग की। इस दौरान अंकुश नारंग ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम सफाई व्यवस्था पर ध्यान नही दे रही है। इसलिए आआपा पार्षद महापौर राजा इकबाल सिंह के इस्तीफे की मांग करते है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की चार इंजन की सरकार है। फिर पूरी दिल्ली कूड़े का मैदान बनी हुई है। हर जोन में सफाई व्यवस्था चरमरा चुकी है। दिल्ली की जनता बढ़ रही बीमारियों से परेशान है।

दिल्ली-जयपुर के बीच नया ग्रीनफील्ड स्पर तैयार, यात्रा समय में कटौती : नितिन गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे और जयपुर को जोड़ने वाला 66.9 किलोमीटर लंबा, 4-लेन वाला ग्रीनफील्ड बांदीकुई स्पर बनकर तैयार हो गया है। यह जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है। उनके मुताबिक, इस परियोजना पर 2,016 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह नया स्पर दिल्ली और जयपुर के बीच सीधी और नियंत्रित कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे यात्रियों को अब लंबी और ईंधन खर्च करने वाली यात्राओं से छुटकारा मिलेगा। नितिन गडकरी के अनुसार, इस नए स्पर से दिल्ली-जयपुर के बीच यात्रा का समय 3 घंटे 45 मिनट से घटकर

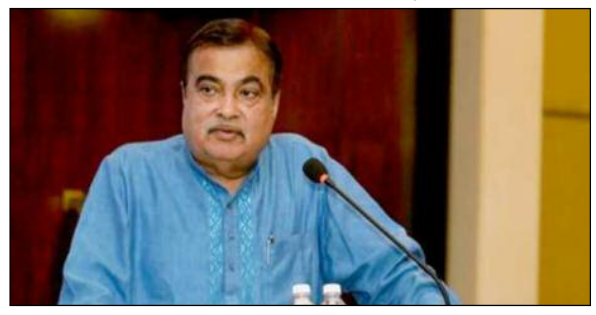

केवल 3 घंटे रह जाएगा। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा होगी, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-48 और एनएच-21) पर ट्रैफिक जाम की समस्या भी कम होगी। नितिन गडकरी के मुताबिक, यह परियोजना क्षेत्र में गतिशीलता को बेहतर बनाएगी और सड़क यात्रा को और सुगम करेगी। इस स्पर के बनने से जयपुर के पर्यटन स्थलों, जैसे आमेर किला और जंतर मंतर, तक पहुंच आसान होगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, यह क्षेत्रीय आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस परियोजना से लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी, वाहनों की टूट-फूट कम होगी और स्थानीय किसानों, खासकर फल-सब्जी उत्पादकों को दिल्ली के बड़े बाजार तक आसानी से पहुंचने का मौका मिलेगा। इससे उनकी आय बढ़ेगी और नए व्यापारिक अवसर खुलेंगे। यह परियोजना सरकार की बुनियादी ढांचा विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डीयू ने छात्रों को तीसरे वर्ष के बाद डिग्री लेकर पाठ्यक्रम छोड़ने का दिया विकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पढ़ रहे विद्यार्थियों को तीसरे वर्ष के बाद पाठ्यक्रम से बाहर निकलने का विकल्प दिया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से जारी सूचना के अनुसार, जिन विद्यार्थियों ने तीन वर्ष यानी छह सत्र पूरे कर लिए हैं, वे अब स्नातक की तीन वर्षीय उपाधि प्राप्त कर सकते हैं और आगे की पढ़ाई छोड़ सकते हैं। यह सुविधा बहु-विषयक पाठ्यक्रमों में सामान्य डिग्री तथा एकल विषय पर आधारित पाठ्यक्रमों में विशेष डिग्री (ऑनर्स) के रूप में दी जाएगी। इस विकल्प का लाभ उठाने के इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय के छात्र पोर्टल पर जाकर अपनी इच्छा ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अनुरोध किया है कि वे इस निर्णय

को लेने से पहले अपने शैक्षणिक और भविष्य के लक्ष्यों पर गंभीरता से विचार करें तथा अपने अध्यापकों और मार्गदर्शकों से सलाह लें। यह व्यवस्था नई शिक्षा नीति 2020 के उस उद्देश्य के अनुरूप है, जिसमें उच्च शिक्षा में कई प्रवेश और निकास बिंदुओं की सुविधा दी गई है, जिससे विद्यार्थियों को अपने शिक्षण पथ पर अधिक स्वतंत्रता मिल सके।

पाकिस्तान को यूएनएससी की अध्यक्षता मिलना हमारी विदेश नीति की विफलता : रणदीप सुरजेवाला

एजेंसी

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनसीसी) की अध्यक्षता मिलने पर सवाल उठाए। उन्होंने इसे भारतीय विदेश नीति की विफलता बताया और कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह दे रहा है इसके बावजूद किसी भी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया। रणदीप सुरजेवाला ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आतंकवादी देश पाकिस्तान को अब वैश्विक सुरक्षा का दलाल बना दिया गया है। शैतान अब कुर्सी पर बैठा है, क्योंकि कल शाम से पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता कर रहा है। यह मोदी सरकार की विश्वसनीयता की बड़ी हानि और कूटनीतिक विफलता है, जिसने हमारे राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। वैश्विक मंचों पर तस्वीरें खिंचवाने और विश्व भ्रमण से केवल शर्मिंदगी मिली है। कांग्रेस ने कहा कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है,

जिसका आतंकवादियों को पनाह देने, आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत में आतंकवाद एक्सपोर्ट करने का इतिहास रहा है। उसे मंगलवार 1 जुलाई 2025 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल ली है। मोदी सरकार ने इस बारे में क्या किया? यह सब पहलगाम आतंकी हमले के कुछ सप्ताह बाद हुआ, जो स्पष्ट रूप से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित और संचालित था। यह मोदी सरकार और उनके विदेश मंत्री एस. जयशंकर की विदेश नीति पर झूठे दावों के बावजूद हुआ, जो वैश्विक मंच पर इसे रोकने में पूरी तरह विफल रहे। उन्होंने कहा, यह सब तब हुआ, जब आज भी पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह दे रहा है, उनकी रक्षा कर रहा है, जिनमें अब मृत आतंकवादी ओसामा बिन लादेन, अब्दुल रऊफ, मौलाना मसूद अजहर, हाफिज सईद, दाऊद इब्राहिम और कई अन्य शामिल हैं। कांग्रेस नेता ने आतंकी संगठनों का जिक्र करते हुए कहा, पाकिस्तान भारत विरोधी आतंकी समूहों जैसे जैश-ए-मोहम्मद, जमात-उद-दावा, तहरीक-ए-आजादी जम्मू-कश्मीर, अल जिहाद फोर्स, जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स लिबरेशन फ्रंट, तहरीक-ए-हुर्रियत कश्मीर को संरक्षण और सहायता दे रहा है।

इग्नू ने प्रो. जी. राम रेड्डी पर स्मृति व्याख्यान का किया आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने अपने संस्थापक कुलपति प्रो. जी. राम रेड्डी की स्मृति में 30वां स्मृति व्याख्यान आयोजित कर उनके शिक्षा क्षेत्र में अमूल्य योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह अवसर केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में उनके दृष्टिकोण की प्रासंगिकता पर पुनः विचार का मंच बना। कार्यक्रम में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण- शिक्षा, कौशल और डिजिटल परिवर्तन विषय पर अपने विचार रखे। बेरी ने कहा कि आज जब दुनिया तीव्र डिजिटल बदलावों और तकनीकी नवाचारों से गुजर रही है, भारत को ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी जो युवाओं, महिलाओं और असंगठित क्षेत्र के कामगारों को निरंतर सीखने और खुद को ढालने का अवसर दे।

भारत का जनसांख्यिकीय लाभ एक बड़ी शक्ति है, पर उसे सशक्त करने के लिए उत्पादकता, समावेशन और नवाचार साथ चलने चाहिए। उन्होंने प्रो. रेड्डी को शिक्षा के लोकतांत्रीकरण का अग्रदूत बताते हुए कहा कि उन्होंने भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक बाधाओं को तोड़ते हुए शिक्षा को हर व्यक्ति की पहुंच में लाने का कार्य किया। उनकी सोच आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जब हम भविष्य के भारत की परिकल्पना कर रहे हैं। इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कंजिलाल ने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. रेड्डी की दूरदर्शी सोच को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे इग्नू आज ऑनलाइन शिक्षण, बहुभाषी वीडियो व्याख्यान और तकनीक आधारित पहुंच के माध्यम से देशभर के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रो. रेड्डी का उद्देश्य शिक्षा की बाधाओं को तोड़ना था और आज हम उसी मिशन को नई तकनीक के माध्यम से आगे बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम के आरंभ में आयोजन समिति के अध्यक्ष और इग्नू के अंतरराष्ट्रीय प्रभाग के निदेशक प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो. रेड्डी के योगदान को याद किया।

बेहतर सैन्य प्रशिक्षण, नवाचार व ऑनलाइन प्रणाली को सराहेगी भारतीय सेना

एजेंसी

नई दिल्ली। सैन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सैनिक प्रशिक्षण संस्थानों, सैन्य यूनिट्स एवं सेना से जुड़े अधिकारियों व जवानों को सम्मानित किया जाएगा। प्रदर्शन के आधार पर ऐसे सैनिकों, अधिकारियों, संस्थानों व यूनिट्स का चयन होगा, जिन्होंने बेहतरीन योगदान दिया है। यह सम्मान आर्मी ट्रेनिंग कमांड की वार्षिक इन्वेस्टिचर सेरेमनी में दिया जाएगा। यह सेरेमनी 3 जुलाई को आयोजित की जाएगी। यह विशेष समारोह सैन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रशिक्षण संस्थानों, इकाइयों एवं व्यक्तियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। प्रतिष्ठित एआरटीआरएसी इन्वेस्टिचर सेरेमनी 3 जुलाई को शिमला में आयोजित होगी। इस वर्ष के समारोह की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी), आर्मी ट्रेनिंग कमांड द्वारा की जाएगी। सेना के मुताबिक, समारोह के दौरान पांच प्रतिष्ठानों को प्रशिक्षण, नवाचार

और सैन्य नेतृत्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित आर्मी कमांडर यूनिट सिटेशन से सम्मानित किया जाएगा। बेहतर वित्तीय प्रबंधन के लिए तीन संस्थानों को फाइनेंशियल एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही, भौतिक माध्यम की तुलना में ऑनलाइन प्रणाली को प्रोत्साहित करने के लिए तीन प्रतिष्ठानों को ई-ऑफिस एक्सीलेंस अवॉर्ड भी दिए जाएंगे। व्यक्तिगत श्रेणी में, तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नौ नवप्रवर्तकों को उनकी तकनीकी खोजों के लिए सम्मानित किया जाएगा। सेना का कहना है कि इससे संचालन और संगठनात्मक दक्षता में सुधार होगा। इसके अतिरिक्त, सैन्य कमांडर विशिष्ट सेवा और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को 'ऑन द स्पॉट' प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करेंगे। सेना के मुताबिक, इन्वेस्टिचर सेरेमनी आर्मी ट्रेनिंग कमांड की एक गौरवशाली परंपरा है, जो भारतीय सेना में उत्कृष्टता और दृढ़ता की संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सम्मानित किए जाने वाले पुरस्कारों में आर्मी कमांडर यूनिट सिटेशन, वित्तीय उत्कृष्टता पुरस्कार तथा ई-ऑफिस को बढ़ावा देने के लिए विशेष पुरस्कार शामिल हैं।

इस अवसर पर भारतीय सेना के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों एवं यूनिट्स के कमांडेंट्स, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी एवं पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। यह समारोह न केवल उत्कृष्टता को सम्मानित करता है, बल्कि सेना में उत्कृष्ट प्रशिक्षण परंपराओं को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

टेलीविजन रेटिंग एजेंसियों के लिए नीति दिशा-निर्देशों में संशोधन का रखा प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। टेलीविज़न रेटिंग पॉइंट्स (टीआरपी) का सही-सही आकलन करने के उद्देश्य से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय टेलीविजन रेटिंग एजेंसियों के लिए नीति दिशा-निर्देशों में संशोधन करने जा रहा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दो जुलाई को इस संबंध में मसौदा जारी किया। इस मसौदे में मीडिया घरानों के लिए कुछ प्रतिबंधात्मक प्रावधानों को हटाया गया है, ताकि देश में टेलीविजन दर्शकों की माप पारिस्थितिकी तंत्र को लोकतांत्रिक और आधुनिक बनाने के लिए मौजूदा एआरसी के अलावा और अधिक कंपनियों को अनुमति दी जा सके। मंत्रालय ने मसौदा जारी होने के 30 दिनों के भीतर हितधारकों और आम जनता से सुझाव आमंत्रित किए हैं। उल्लेखनीय है कि टेलीविजन रेटिंग एजेंसियों के लिए नीति दिशा-निर्देश 2014 में जारी किए गए थे। मंत्रालय ने बताया कि भारत में वर्तमान में लगभग 23 करोड़ घरों में टेलीविज़न हैं। जबकि वर्तमान में केवल 58,000 लोगों के घरों को ही दर्शकों के डेटा को कैप्चर करने के लिए उपयोग किया जाता है, जो कुल टीवी वाले घरों का केवल 0.025 प्रतिशत है। यह अपेक्षाकृत सीमित नमूना है। इसके अलावा, स्मार्ट टीवी, स्ट्रीमिंग डिवाइस और मोबाइल एप्लिकेशन जैसे उभरते प्लेटफार्मों पर दर्शकों की संख्या को पर्याप्त रूप से कैप्चर नहीं किया जा रहा है। मौजूदा टीआरपी सिस्टम से जुड़ी समस्याएं ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल फिलहाल टीवी रेटिंग देने वाली एकमात्र एजेंसी है।यह कनेक्टेड टीवी डिवाइस व्यूअरशिप को ट्रैक नहीं करती, जबकि यह एक बड़ा ट्रेंड है। मौजूदा नीतियों में प्रवेश संबंधी बाधाएं थीं, जो नए कंपनियों को टीवी रेटिंग क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकती थीं।

नेशनल हेराल्ड केस : सोनिया-राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, ईडी का दावा - 2000 करोड़ की संपत्ति हथियाने की हुई थी साजिश

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा दावा किया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने बताया कि कांग्रेस नेशनल हेराल्ड की करीब 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पना चाहती थी। ईडी की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट में कहा, नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कंट्रोल करने के लिए यंग इंडियन लिमिटेड बनाने की साजिश रची गई थी, जिसमें कांग्रेस संसदीय पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्षी नेता राहुल गांधी प्रमुख हिस्सेदार हैं। इसका लक्ष्य पार्टी नेतृत्व को व्यक्तिगत लाभ पहुंचाना था। एएसजी राजू ने दावा किया कि कांग्रेस के कई सीनियर नेता एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को किए गए ÷फर्जी लेनदेन÷ में शामिल थे। ईडी के मुताबिक, कांग्रेस के बड़े नेताओं के निर्देश पर कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से किराए का भुगतान किया था। इन लेन-देन के साथ फर्जी किराया रसीदें तैयार की गई थीं। ईडी ने दावा किया कि साजिश थी कि यंग इंडिया के माध्यम से 2,000 करोड़ की संपत्ति कब्जे में लेकर 90 करोड़ का कर्ज लिया जाए। ईडी ने ये भी

बताया कि कांग्रेस कमेटी ने सार्वजनिक टेंडर निकाले बिना एजीएल की संपत्ति यंग इंडिया को 50 लाख रुपये में बेच दी, जबकि एजीएल की संपत्ति 2,000 करोड़ की थी। यंग इंडिया के पास इसे चुकाने के लिए पैसे नहीं थे, जिसके बाद यह मामला कोलकाता में शेल कंपनियों तक पहुंचा। एक करोड़ रुपए का लोन यंग इंडिया को दिया गया, जबकि इसकी बैलेंस शीट नेगेटिव थी। एएसजी राजू ने कोर्ट को बताया कि ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि यंग इंडिया पर राहुल गांधी और सोनिया गांधी का नियंत्रण था। दोनों ने मिलकर 76 प्रतिशत शेयर अपने पास रखे थे। वास्तव में ये कंपनियां उनके नियंत्रण में थीं और इनके संचालन के लिए वो जिम्मेदार थे।

कोरोना वैक्सीन और युवा लोगों में अचानक हार्ट अटैक को लेकर उठ रहे सवाल पर बोले विशेषज्ञ, कहा- इनके बीच कोई संबंध नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन और युवा लोगों की अचानक हार्ट अटैक से हो रही मौतों को लेकर उठ रहे सवाल को विशेषज्ञों ने खारिज कर दिया। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के पूर्व महानिदेशक डॉ बलराम भार्गव ने कहा कि कोरोना वैक्सीनेशन और युवा लोगों में अचानक हृदय संबंधी मृत्यु के बीच कोई संबंध नहीं। आईसीएमआर के हाल ही में किए गए एक अध्ययन से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है। उन्होंने कहा कि 18 से 45 वर्ष के लोगों में हार्ट अटैक से हो रही मौतों में 50 प्रतिशत से अधिक युवा धूम्रपान करने वाले होते हैं या फिर शराब पीने की लत होती हैं। कोई मधुमेह रोग से ग्रसित होते हैं या उनमें उच्च कोलेस्ट्रॉल का स्तर होता है। निचले और मध्यम स्तर के लोगों में तम्बाकू चबाने की भी रिपोर्ट है, जिससे धमनियों में कसाव, वसा जमाव और थक्का बनने की समस्या होती है, जो कोरोनरी धमनियों को अवरुद्ध कर सकता है और दिल के दौरे का कारण बन सकता है।मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि इन दिनों एक और बड़ा जोखिम है। भारी जिमिंग और बॉडीबिल्डिंग के लिए स्टेरॉयड, हार्मोन और हर्बल सप्लीमेंट जैसे असत्यापित पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है। जिम जाना अच्छा है, लेकिन ऐसे पदार्थों का सेवन करते हुए अचानक तीव्र कसरत शुरू करना खतरनाक है। युवाओं को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को अपना वजन, रक्तचाप, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर के बारे में ध्यान रखना चाहिए। यदि वे सीमा के भीतर न हों तो उन्हें सुधारने के लिए कदम उठाने चाहिए। हानिकारक आदतों से बचना चाहिए। वहीं, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि कोरोना टीकों का परीक्षण व्यवस्थित प्रयोगशाला अध्ययनों, पशु विषाक्तता अध्ययनों और नैदानिक अध्ययनों के बाद किया गया था ।

कोलकाता गैंगरेप को 'छोटी घटना' बताकर टीएमसी नेता ने किया बेटियों का अपमानः तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली । कोलकाता गैंगरेप मामले पर टीएमसी नेताओं द्वारा लगातार विवादित बयान दिया जा रहा है और यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के बाद मानस भुनिया ने कोलकाता गैंगरेप को 'छोटी घटना' बताया। टीएमसी नेता के इस बयान पर भाजपा ने पश्चिम बंगाल सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि ममता सरकार के एक मंत्री ने बंगाल की बेटियों का अपमान किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने से बातचीत में कहा, बंगाल में बेटियों के खिलाफ अपराध लगातार हो रहे हैं और ऐसे जघन्य कृत्य को 'छोटी घटना' बताकर ममता सरकार के एक मंत्री ने बंगाल और भारत की बेटियों का अपमान किया है। इस तरह के बयान से ममता सरकार की बेटियों की सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता सबके सामने आ गई है। अपराधी पर पहले से चार एफआईआर दर्ज थे, इसके बावजूद उसे कॉलेज में नौकरी दी गई। ये सोची समझी साजिश है। ममता सरकार अपराधियों की संरक्षक बन गई है। इस मामले में आरोपी के

अलावा कॉलेज के प्रबंधक की भी जांच होनी चाहिए। बंगाल की जनता इस लूटेरी और अपराधी सरकार को कठोर सजा देगी।' कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे के 'आरएसएस' पर टिप्पणी को लेकर तरुण चुघ ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के नेता तानाशाही सोच से गहराई से प्रभावित हैं। इसलिए वे प्रतिबंध, आपातकाल, देश को जेल में बदलने, नेताओं को गिरफ्तार करने, संविधान को दबाने, लोकतंत्र पर हमला करने और संस्थाओं का अपमान करने की बात करते हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस में एक नया फैशन शुरू किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'आरएसएस जैसे राष्ट्रवादी और समाज को जोड़ने वाले संगठन पर प्रतिबंध की बात करना कांग्रेस की राष्ट्रविरोधी और सनातन विरोधी मानसिकता का प्रमाण है। आरएसएस ने समाज को जोड़ा है और वे समाज में सेवा का पर्याय बने हैं। गांधी परिवार और कांग्रेस की चार पीढ़ियों ने हमेशा भारत की सनातन ताकत को कुचलने का प्रयास किया है। उन्होंने आरएसएस को रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए, लेकिन संघ प्रखर राष्ट्रवाद, देशभक्ति और सेवा कार्यों के कारण एक नायक के रूप में स्थापित है। तरुण चुघ ने केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रोत्साहन योजना युवाओं के लिए आशा की नई किरण बनी है। ये केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि भारत के आत्मनिर्भर भविष्य की बुनियाद है। पीएम मोदी ने युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का ऐतिहासिक काम किया है।

भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन 25 जुलाई से करेगी 'श्रीरामायण यात्रा' की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। भगवान श्रीराम के भक्तों के लिए एक बार फिर सौभाग्य का अवसर आया है। भारतीय रेल ने एक बार फिर 'भारत गौरव डीलक्स वातानुकूलित पर्यटक रेलगाड़ी' के माध्यम से 'श्रीरामायण यात्रा' को प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। यह विशेष तीर्थ यात्रा 25 जुलाई को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर 17 दिनों की अवधि में भगवान श्रीराम के जीवन से संबंधित प्रमुख स्थलों की यात्रा कराएगी। रेल मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस यात्रा का आयोजन भारतीय रेलवे की सहयोगी संस्था भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम द्वारा भारत सरकार की 'देखो अपना देश' तथा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' योजनाओं के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य देश के भीतर धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देना है। यात्रा में श्रद्धालु अयोध्या, नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर, बक्सर, वाराणसी, प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, नासिक, हम्पी, रामेश्वरम होते हुए दिल्ली वापस लौटेंगे। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी, राम की पैड़ी का दर्शन कराया जाएगा। नंदीग्राम में भारत मंदिर, सीतामढ़ी में माता सीता का जन्मस्थल और जनकपुर का राम जानकी मंदिर सड़क मार्ग से दर्शन कराया जाएगा। बक्सर में रामरेखा घाट और रामेश्वरनाथ मंदिर, वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, तुलसी मंदिर, संकट मोचन हनुमान मंदिर और गंगा आरती का कार्यक्रम होगा। प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर और चित्रकूट का भ्रमण सड़क मार्ग से कराया जाएगा। इसके बाद नासिक में त्र्यंबकेश्वर मंदिर और पंचवटी क्षेत्र, हम्पी में अंजनेय पर्वत, विट्ठल मंदिर तथा विरुपाक्ष मंदिर दिखाए जाएंगे। अंतिम चरण में रामेश्वरम में रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोड़ी का दर्शन होगा। इस सम्पूर्ण यात्रा में यात्री लगभग सात हजार छह सौ किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। भारत गौरव डीलक्स वातानुकूलित रेलगाड़ी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी की यात्रा सुविधा उपलब्ध है। इस रेलगाड़ी में कुल डेढ़ सौ यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है। रेलगाड़ी में दो भोजनालय, आधुनिक रसोईघर, स्नानागार, सेंसर युक्त शौचालय, पैर दबाने की मशीन, प्रत्येक कोच में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

संक्षिप्त समाचार

चान्हो नर्सिंग कौशल कॉलेज के सौजन्य से मांडर कॉलेज मांडर मे एक निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर -आज दिन शुक्रवार को चान्हो स्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज के सौजन्य से मांडर कॉलेज, मांडर में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के दौरान मुख्य रूप से ब्लड प्रेशर, वजन और ब्लड शुगर की जांच जैसी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। नर्सिंग कौशल कॉलेज की अक्टूबर 2023 बैच की छात्राओं ने स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाई जिसमें व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वस्थ जीवनशैली और रोगों की रोकथाम के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, इच्छुक उम्मीदवारों के लिए झारखंड कंबाइंड एंट्रेंस कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन बोर्ड (JCECEB) के निःशुल्क पंजीकरण की सुविधा भी मौके पर ही उपलब्ध कराई गई। इस शिविर में 150 छात्र छात्राओं अपना स्वास्थ्य जांच कराया और 30 छात्राओं ने JCECEB के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। मौके पर नर्सिंग कॉलेज से डीन लेफ्टिनेंट कर्नल स्निग्धा प्रामाणिक, मिस बर्षा एवं मांडर कॉलेज के प्राचार्य डॉ कुमार आदित्येन्द्र नाथ शाहदेव, डॉ के पी शाही, प्रो गांवा तिग्गा, डॉ अनसेलम मिंज, डॉ पवन कुमार दास, डॉ जयप्रकाश रजक, डॉ नीलम कुमारी, डॉ चांदनी कुमारी, डॉ ममता बड़ा, प्रो सेनेल टेटे, प्रो सुषमा कुमारी, प्रो प्रिया सोरेंग,प्रो मनमोहन टुडू आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

झारखंड-बिहार के सीमावर्ती कररबार नदी पर ग्रामीणों ने निजी खर्च कर बनाया अस्थाई पूल

हुसैनाबादः कृष्णा यादव

हुसैनाबादः हुसैनाबाद प्रखंड के झारखंड बिहार के सीमावर्ती काजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन के समीप सूर्य मंदिर काजरात कररबार नदी पर झारखंड व बिहार के ग्रामीणों ने आपस में सहयोग राशि एकत्रित कर अंतराज्यीय अस्थाई पुल का निर्माण कराया। ग्रामीण निरंजन कुमार सिंह ने बताया की उक्त अस्थाई पुल के बन जाने से झारखंड से बिहार के रजबरिया कला, कवला,कान्दुबिगहा, गोसलडीह, गड़ेरियाडीह होते हुए नबीनगर बाजार तथा औरंगाबाद तक जाने के लिए राहगीरों को सहूलियत होगी। वहीं उक्त सभी गांव के लोगों को प्रतिदिन ट्रेन पकड़ने के लिए काजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन,जपला व दंगवार जाने में काफी सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि उक्त सभी गांव के लोग के अलावा बड़ी संख्या में प्रतिदिन विद्यार्थी स्कूल कोचिंग करने तथा अन्य लोग इलाज कराने हेतु जपला जाते हैं। उन सभी को इस पुल के बन जाने से लाभ होगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने लगभग □30000 एकत्रित कर दो जेसीबी एवं छह ट्रेक्टर की सहायता से निजी खर्च से अस्थाई पुल का निर्माण कराया गया है। मगध हॉस्पिटल के संचालक डॉ विनोद कुमार, ठेंगों पंचायत के पूर्व मुखिया विजय पासवान,सामाजिक कार्यकर्ता गोविंद पासवान,निरंजन कुमार सिंह के लावे अनुग्रह नारायण तिवारी,विनय कुमार यादव,रामध्यान यादव, राजेश राम, मुखिया भीम सिंह, राजू यादव,सुधीर कुमार,धर्मेंद्र राम,कईल राम, विकास पासवान, विवेक पासवान, भूषण तिवारी,राजेंद्र तिवारी,सुनील यादव सहित कई लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

इनर व्हील क्लब देवघर ने आर एल सर्राफ स्कूल में लगाया वाश बेसिन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज इनर व्हील क्लब ऑफ देवघर द्वारा '4 जुलाई शुक्रवार' स्थानीय 'आर एल सर्राफ स्कूल ' छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए वाटर स्टेशन (वाश बेसिन) का उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार द्वारा किया गया ।यह इनर व्हील क्लब ऑफ देवघर की अध्यक्ष ज्ञानी मिश्रा व सचिन कंचन मूर्ति साह के नेतृत्व में विद्यालय में यह कार्य किया गया वाश बेसिन से बच्चे हाथ धोने का सही तरीका जान पाएंगे । और उसका प्रयोग कर स्वास्थ्य और स्वच्छ रह सकेंगे 'अध्यक्ष ज्ञानी मिश्रा व सचिन कंचन मूर्ति साह ने बताया कि इनर व्हील क्लब वाश बेसिन स्कूल के छात्रों के लिए एक विशेष उपहार है जो उन्हें हाथों को स्वच्छ रखने में मदद करेगा 'साथ ही स्कूल में स्वच्छता कायम रखने में मदद करेगा ।बच्चों को हाथ धोने का सही तरीका भी सीखना चाहिए क्लब की अधयक्ष ज्ञानी मिश्रा ने बताया कि बच्चों के साथ हर सावन माह में आने वाले तीर्थयात्रियों को भी इसकी सुविधा मिलेगी ज्ञात हो श्रॉफ स्कूल में सावन माह में कावरियों एवं सेवकों का शिविर भी लगाया जाता रहा है बताया की पहले भी इनर व्हील क्लब देवघर अलग-अलग विद्यालयों में वाश बेसिन का निर्माण कर चुकी है इस वर्ष इनरवेल क्लब द्वारा आर एल सर्राफ स्कूल में यह भेंट दी गई है ,यह वॉश बेसिन स्कूल के छात्रों के लिए एक विशेष उपहार है जो उन्हें हाथों की सुरक्षा के साथ-साथ स्वच्छता का भी ख्याल रखने मे मदद करेगा इसके साथ क्लब अध्यक्षा ने वाशबेसिन के सहयोग हेतु प्रमोद तिब्रे वाल को धन्यवाद दिया। डी ई ओ - विनोद कुमार सर ने वाश बेसिन का उद्घाटन कर कहां की कहा कि बच्चों को स्वच्छ रखने के लिए वास बेसिन बहुत ही जरूरी है यह स्कूल में स्वच्छता के महत्व को बढ़ावा देगा और बच्चों को स्वस्थ रखने की जिम्मेदारी सिखाएगा वॉश बेसिन का यह उपहार बच्चों के लिए बहुत खास है क्योंकि अल्पाहार घंटी के समय हाथ धोने के लिए लंबी उन्हें लंबी कतार में लगना पड़ता है साथ ही बेसिन नहीं होने की वजह से पानी के छींटे से उनके कपड़े गंदे हो जाया करते हैं वॉश बेसिन लग जाने से बच्चे के कपड़े और जूते भी गंदे नहीं होंगे इस उपलक्ष्य पर विधयालय की प्रधानाध्यापिका 'जूली प्रसाद , क्लब की अध्यक्ष ज्ञानी मिश्रा व सचिव कंचन मूर्ति , रश्मि रंजन झा उपाध्यक्ष ममता किरण,कोषाध्यक्ष स्वेता केशरी, मीडिया प्रभारी बेबी रोमा ,अर्चना भगत, सरिता अग्रवाल, रूपा छाव छरिया, सारिका साह , रीता चौरसिया- रंजना मुंद्रा, नमिता भगत, मिनी दास मौजूद थे

ओ.पी. चौधरी ने जीएसटी सुधारों पर रखा ठोस विजन : बोगस पंजीयन व फर्जी बिलों पर सख्त कार्रवाई के दिए सुझाव

जीएसटी राजस्व संग्रहण विषय पर मंत्रियों के समूह (GoM) की बैठक आयोजित

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जीएसटी कलेक्शन के संदर्भ में राज्य स्तर पर नियमित समीक्षा और डेटा आधारित निर्णय प्रक्रियाओं ने दिए सकारात्मक परिणाम : ओपी चौधरी

नई दिल्ली, ।

में जीएसटी राजस्व संग्रहण को और अधिक पारदर्शी, तकनीक-सक्षम और प्रभावी बनाने के लिए गठित मंत्रियों के समूह (GoM) की महत्वपूर्ण बैठक आज राजधानी दिल्ली में आयोजित हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने राज्य के अनुभव साझा किए और बोगस व्यवसायियों पर सख्त कार्रवाई, पंजीयन प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक के प्रयोग तथा फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट पर रोकथाम के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इस समूह का संयोजन गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद पी. सावंत कर रहे हैं। बैठक में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओ .पी. चौधरी ने बतौर सदस्य भागीदारी की और राज्य के अनुभव एवं नीतिगत सुझाव साझा किए। बैठक का मुख्य उद्देश्य राजस्व संग्रहण में आ रही चुनौतियों का आकलन कर व्यापक समाधान तलाशना था। बैठक के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के वित्त मंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों में जीएसटी के राजस्व पर पड़ने वाले आर्थिक व अन्य कारकों का विस्तार से विश्लेषण किया। इस अवसर पर ओ चौधरी ने छत्तीसगढ़ में एंटी इवेजन

और अनुपालन के क्षेत्र में की गई पहलों की जानकारी दी। ओ.पी. चौधरी ने बताया कि कर अपवंचन रोकने और वास्तविक करदाताओं को सहूलियत देने के लिए छत्तीसगढ़ में डाटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टूल्स का सघन उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से राज्य के राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी संभव हुई है। बैठक में बीफा, जीएसटी प्राइम और ई-वे बिल पोर्टल जैसी अत्याधुनिक प्रणालियों के प्रजेंटेशन भी हुए। ओ चौधरी ने सुझाव दिया कि इन नवाचारों को पूरे देश में समान रूप से लागू करने से बोगस व्यवसायियों की पहचान और कार्यवाही में तेजी लाई जा सकेगी। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ने विशेष रूप से फर्जी बिलों पर नियंत्रण, फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट की रोकथाम, तथा पंजीकरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए केंद्रीयकृत डिजिटल तंत्र के विकास पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन उपायों से न केवल राजस्व बढ़ेगा बल्कि करदाताओं में विश्वास भी बढ़ेगा। वित्त मंत्री ओ चौधरी ने बैठक में यह भी रेखांकित किया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जीएसटी कलेक्शन के संदर्भ में राज्य स्तर पर नियमित समीक्षा और डेटा आधारित निर्णय प्रक्रियाओं ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का अनुभव अन्य राज्यों के लिए उपयोगी मॉडल बन सकता है। बैठक में वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा कि सभी राज्यों को मिलकर साझा प्रयास करने चाहिए ताकि जीएसटी राजस्व संग्रहण में स्थायित्व एवं वृद्धि सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मंत्रियों के समूह द्वारा सुझाए गए उपायों को जीएसटी परिषद शीघ्र लागू करेगी। उन्होंने कहा कि यह बैठक जीएसटी परिषद के समक्ष व्यापक सुधारात्मक प्रस्ताव रखने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी, जिससे भारत में कर प्रशासन और राजस्व संग्रहण को नई दिशा मिलेगी।

श्री शिव शक्ति मंदिर समिति शिव शक्ति नगर,न्यू मधुकम रोड नंबर 05 H, रांची

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - शिव शक्ति नगर,न्यू मधुकम रोड नंबर 05 एच स्थित श्री शिव शक्ति मंदिर का 9 वाँ चार दिवसीय वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाने का निर्णय शिव शक्ति मंदिर समिति की ओर से आयोजित बैठक मे लिया गया। समिति के अध्यक्ष अरविंद कुमार मिश्रा ने कहा मंदिर के मुख्य पुजारी बाबा आचार्य केदारनाथ मिश्रा जी विधिवत पूजा अर्चना कराएंगे। चार दिवसीय वार्षिकोत्सव समारोह के प्रथम दिन (09 जुलाई) को भव्य कलश शोभा यात्रा, दूसरे दिन (10 जुलाई)सामुहिक रुद्राभिषेक, तीसरे दिन (11 जुलाई)सामूहिक हवन एवं महाभंडारा एवं चौथे दिन (12 जुलाई) भव्य झांकी एवं जागरण को आयोजन होगा। समिति के सदस्यों द्वारा इसकी तैयारी बृहत रूप से की जा रही थी। आज की बैठक मे मुख्यरूप से छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा सहित समिति के संरक्षकःराम बाबू दास,

मणिकांत झा,अखिलेश्वर प्रसाद सिंह,विंध्याचल पांडे,धनेश्वर साव, ठाकुर जी, अध्यक्षः अरविंद कुमार मिश्रा, उपाध्यक्षः अनुज कुमार सोनी, राजीव वर्मा,मुकेश साहू, सचिवः मुन्ना कुमार चौधरी, सह सचिवः संजीव कुमार सिंह, विनोद वर्मा, कोषाध्यक्षः हरिनारायण चौधरी, जनार्दन सोनी, सह कोषाध्यक्ष एवं भंडारा प्रमुखःअशोक सोनी, मीडिया सह जनसंपर्क प्रभारीः शिव किशोर शर्मा प्रचार मंत्रीःअशोक सोनी, राजेश सोनी,श्रवण साव,मोहित झा प्रवक्ताः प्रवीण कुमार मिश्रा, मनोज मिश्रा,अशोक मिश्रा, कार्यकारिणी सदस्यःअजीत सिंह,सूरज सिन्हा,संजीत साव,संतोष गुप्ता,मुनु कुमार साव,राजु वर्मा सहित मुहल्ले के अन्य लोग शामिल थे।

डीसी ने पदाधिकारियों के साथ वीसी के जरिए योजना की समीक्षा कर प्रगति बरकरार रखने के दिया निर्देश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डीसी मनीष कुमार ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर मनरेगा, अबुआ आवास, 15 वें वित्त योजना में पाकुड़ को राज्य में अव्वल बरकरार रखने की निरंतरता बनाए रखने को लेकर पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि राज्य में जिस तरह से पाकुड़ जिला आवास, मनरेगा, 15 वें वित्त, शिक्षा इत्यादि में रोल माडल बना हुआ है उसे हम सब आगे भी जारी रखेंगे। अबुआ आवास एवं जनमन योजना में आवास पूर्णता की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। अबुआ आवास योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 18 आवास एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में 50 आवास प्रतिदिन पूर्ण कराने का निदेश दिया गया। अबुआ आवास योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 183 एवं 2024-25 में 2017 लाभुकों का प्रथम किस्त भुगतान पश्चात प्लिंथ जियो टैग लंबित है।जिसमें से 75 प्रतिशत लाभुकों का प्लिंथ निर्माण 10 दिनों के अन्दर कराने का निदेश दिया गया। वहीं आवास प्लस 2.0 के माध्यम से कुल-21314 लाभुकों का सर्व वेरीफिकेशन चेकर के द्वारा 10 दिनों के अन्दर कराने का निदेश दिया गया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत वित्तीय वर्ष

2024-25 में स्वीकृति पश्चात प्रथम किस्त भुगतान हेतु लंबित कुल-439 लाभुकों को प्रथम किस्त 10 दिनों के अन्दर भुगतान करने का निदेश दिया गया। साथ ही द्वितीय किस्त भुगतान किये गये लाभुकों का आवास पूर्ण कराने का निदेश दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2021-22 तक में लंबित आवास को पूर्ण कराने का निदेश दिया गया। साथ ही कैटिगरी-उ में चिन्हित लाभुकों का स्वंय जाँच कर प्रतिवेदन पुनः दो दिनों के अन्दर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

अंचल निरीक्षक के घर लूट कांड मामले का पाकुड़ पुलिस ने किया खुलासा

पुलिस ने चार अपराधियों धर दबोचा. कैश, आभूषण सहित हथियार बरामद

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के लड्डू बगान में प्रभारी अंचल निरीक्षक शिवाशीष वात्सायन के घर 16 जून की रात हुई, हथियार से लैस लूटकांड का पाकुड़ पुलिस ने किया खुलासा कर दी हैं, पुलिस ने इस मामले में चार कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया हैं, अपराधियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, जेवरात, कैश और मोबाइल बरामद किया गया हैं, गिरफ्तार अपराधियों के पास से 3 देसी कट्टा, 8 एमएम की 3 जिंदा कारतूस, नकद 51,220 रुपए, सोने-चांदी के जेवरात और 4 मोबाइल जब्त किए गए। गिरफ्त में आए अपराधियों में रिंकु रजवार, एमेली मरांडी, मंजारुल शेख और मनीलाल ठाकुर शामिल हैं। सभी के खिलाफ पहले से आपराधिक

इतिहास रहा है। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर यह जानकारी दी। पाकुड़ एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि विशेष अनुसंधान दल ने तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर 3 जुलाई को छापेमारी कर इन चारों को अलग-अलग जगहों से धर दबोचा। गिरोह की गतिविधियां काफी सुनियोजित थीं और ये लंबे समय से अपराध को अंजाम दे रहे थे। एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि फिलहाल अन्य फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी की जा रही है। सभी गिरफ्तार अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। छापेमारी टीम में अधिकारी से लेकर आरक्षी तक का सराहनीय योगदान रहा, छापेमारी दल में एसडीपीओ दयानन्द आजाद, नगर थाना प्रभारी प्रयाग दास, मुफस्सिल थाना प्रभारी संजीव कुमार झा, मालपहाड़ी ओपी प्रभारी अंशु उपाध्याय समेत कई थाना प्रभारियों, तकनीकी शाखा और सशस्त्र बलों के जवानों की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस की सख्त कार्रवाई और तकनीकी सहयोग से लूटकांड का सफल खुलासा हुआ है। एसपी निधि द्विवेदी ने साफ कहीं है अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा.

पाकुड़ पुलिस ने किया मॉक ड्रिल शांति भंग करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: एसडीपीओ

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़: मोहर्रम के दौरान शांति-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पाकुड़ पुलिस पूरी तरह चौकस है। इसी क्रम में शुक्रवार को शहर के अंबेडकर चौक पर मॉक ड्रिल कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस मॉक ड्रिल का नेतृत्व एसडीपीओ दयानंद आजाद ने किया।मौके पर उपस्थित एसडीपीओ दयानंद आजाद ने साफ शब्दों में कहा कि इस बार भी मोहर्रम शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति माहौल बिगाड़ने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और वह सीधे जेल भेजा जाएगा।एसडीपीओ ने बताया कि डीसी मनीष कुमार और एसपी निधि द्विवेदी के निदेर्शानुसार पूरे जिले को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मुख्य चौक-चौराहों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्ती लगातार जारी है।

सोशल मीडिया पर पुलिस की

पैनी नजर

उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह या आपत्तिजनक सामग्री साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच जरूर कर लें। पुलिस की पहली नजर अब फेसबुक, व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स पर है। अफवाह फैलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।एसडीपीओ ने कहा कि अमन और भाईचारे का त्योहार मोहर्रम सभी समुदायों की सहभागिता से सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डीपीएस में ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण के प्रति जागरूक के उद्देश्य से विशेष सभा का आयोजन किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डीपीएस के प्रांगण में भारत सरकार के पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडब्लूएस), जल शक्ति मंत्रालय के विभाग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रव्यापी ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष सभा का आयोजन किया गया। विशेष सभा में विद्यालय के प्रधानाचार्य जे. के शर्मा ने बच्चों को स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 का उद्देश्य समझाते हुए बताया कि यह सर्वेक्षण सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल है जो भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और साफ सफाई की स्थिति में सुधार लाने में मदद करेगी।साथ ही साथ उन्होंने स्वच्छता से सम्बंधित पाकुड़ जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छता अभियान से जुड़े सभी कार्यक्रम के बारे में बताते हुए उन्हें आज ही स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (SSG) 2025 सिटिजन फीडबैक ऐप डाउनलोड कर अपने गांव की

स्वच्छता पर अपनी अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करने के लिए आह्वान किया। इस दौरान विद्यालय के बच्चों ने स्वच्छता से जुड़े एक बहुत ही आकर्षक नुक्कड़ नाटिका प्रस्तुत कर दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने का संदेश दिया। साथ ही साथ उन्होंने नाटका के माध्यम से प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने का भी संदेश दिया। विशेष सभा के दौरान सभी बच्चों और शिक्षकों को अपने आसपास और चारों तरफ साफ - सफाई रखने की शपथ दिलाई गई। विद्यालय के निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने अपने संदेश में कहा कि स्वच्छता कोई एक दिन मनाए जाने वाला त्यौहार नही, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन का अंग है। उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल के वक्तव्य को दोहराते हुए कहा कि स्वच्छता एक बार का लक्ष्य नही बल्कि एक सतत यात्रा है। इस कार्यक्रम में बच्चों की भागीदारी इसे घर-घर में पहुंचाकर गांधीजी के सपनों को साकार करने में मदद करेगी। डी.पी.एस के इको क्लब के अध्यक्षा सुमित्रा माइती ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 स्वच्छ, स्वस्थ ग्रामीण समुदायों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिससे राष्ट्र स्वच्छ भारत के अपने लक्ष्य के करीब पहुंच पाएगा.

परीक्षा केंद्र में मोबाइल रखने से मना करने पर प्राचार्य संकेत कुमार के साथ मारपीट

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - परीक्षा केंद्र में मोबाइल रखने से मना करने पर एक महिला अभ्यर्थी के परिजनों द्वारा बुधवार को चटवल स्थित भारथी कालेज ऑफ फामेर्सी के प्राचार्य संकेत कुमार व अन्य कर्मियों से मारपीट का मामला सामने आया है. मामले को लेकर संकेत कुमार ने महिला अभ्यर्थी के पति बिहार के शेरघाटी निवासी व वर्तमान में मुड़मा बरगड़ी रोड में एक निजी अस्पताल चलाने वाले मो तौफीक आलम व पांच अन्य लोगों के विरुद्ध मांडर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है. प्राथमिकी के अनुसार बुधवार को भारथी कालेज ऑफ फामेर्सी में डी फार्मा की प्रैक्टिकल की परीक्षा थी. दूसरी पाली में दोपहर करीब दो बजे परीक्षा केंद्र में वीक्षकों ने देखा कि परीक्षा दे रही एक अभ्यर्थी शाहीना तबस्सुम मोबाइल से कदाचार कर रही है. परीक्षा केंद्र में मनाही के बाद भी मोबाइल लेकर आने का हवाला देते हुए परीक्षक ने जब उससे मोबाइल जमा करने का आग्रह किया तो पहले तो वह मोबाइल साथ में रखने के लिए अड़ी रही और बाद में उसने मोबाइल तो जमा किया लेकिन इससे पूर्व अपने पति को फोन कर दिया कि उसके साथ परीक्षा केंद्र में अभद्रता की जा रही है. इसके बाद आरोप है कि उसका पति चार पांच अन्य लोगों के साथ कैंपस में घुस गया और सभी ने मिलकर कमरे में बैठे प्रिंसिपल संकेत कुमार व उनके सहकर्मियों के साथ मारपीट की. और कैम्पस में तोड़फोड़ भी की. इधर महिला परीक्षार्थी ने भी परीक्षा केंद्र में अपने साथ बदसलूकी के आरोप को लेकर मांडर थाना में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है!

संक्षिप्त समाचार

भाकपा माले के प्रखंड सचिव सुरेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में बैठक आयोजित की जी गई

रिपोर्ट - अनुमंडल संवादाता (गोह)

गोह। गोह प्रखंड मुख्यालय में भाकपा माले की बैठक आहूत की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड सचिव सुरेंद्र गुप्ता ने किया। बैठक में सदस्यता नवीनीकरण करने, प्रखंड सम्मलेन आयोजित करने, 12 जुलाई को कई ज्वलंत मुद्दे को लेकर प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करने सहित कई मुद्दे पर चर्चा की गई। इस मौके पर पर पार्टी के जिला मंत्री मुनारिक रामज सांसद प्रतिनिधि देवरुल पासवान, शिवशंकर साव, दीनानाथ मांझी, मुकेश पास-ावानज केशो दास सहित कई पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री सीमेंट प्लांट के उरफफंड से विष्णुधाम परिसर का सौंदर्यीकरण का कार्य जल्द शुरू होगा संयंत्र प्रमुख - अतुल शर्मा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सदर प्रखंड के ग्राम जम्होर में स्थित विष्णुधाम पि-रसर का जल्द ही कायाकल्प बदलने वाला है,जी हा मैं बात कर रहा हु विष्णुधाम परिसर को लेकर बताते चलें कि विष्णुधाम मंदिर में लगभग 15 वर्षों से विष्णु धाम महोत्सव का कार्य चलाया जा रहा था यह महोत्सव कई सामाजिक संस्था के निजी फंड से आयोजित किया जाता था इस विष्णु धाम महोत्सव को राजकीय दर्जा देने के लिए विगत 4 वर्षों से इस धाम के अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह के द्वारा प्रयास किया जा रहा था इस प्रयास में वह सफल भी हुए तब अंत में जाकर बिहार सरकार ने फरवरी 2025 में राजकीय महोत्सव मेला का दर्जा दिया गया। इसी कड़ी में श्री सीमेंट प्लांट के संयंत्र प्रमुख अतुल शर्मा ने भेंट वार्ता के दौरान बताया कि श्री सीमेंट प्लांट के उरफ फंड से विष्णुधाम परिसर का सौंदर्यीकरण का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा और यह विष्णुधाम मंदिर एक नया कायम हासिल करेगा, आगे इन्होंने कहा कि श्री सीमेंट प्लांट के तरफ से औरंगाबाद जिले में कई सामाजिक कार्य किए जाते हैं और करते आ रहा है देव सूर्य मंदिर परिसर में लगभग लाखों लाख रुपए से कार्य कराए गए हैं जो आज जमीनी धरातल तक देखा जा सकता है श्री सीमेंट प्लांट की तरफ से हर क्षेत्र में शिक्षा ,स्वास्थ्य,पेयजल, स्वच्छता के साथ साथ हर सामाजिक कार्य में अग्रणी भूमिका निभाता है। आगे संयंत्र प्रमुख अतुल शर्मा ने कहा कि विष्णुधाम मंदिर का सौंदर्यीकरण श्री सीमेंट के प्रबंधन ने यह कार्य आवंटित किया गया है। जम्होर विष्णुधाम मंदिर का सौंदर्यीकरण का कार्य देव सूर्य मंदिर के समान ही किया जायेगा। इसके अलावा इस मंदिर प्रांगण में हाइ मास्क लाइट एवं पुनपुन नदी के किनारे मोक्ष धाम का कार्य भी एक दो दिनों के अंदर प्रारंभ कर दिया जाएगा इसके लिए भी एजेंसी का चयन कर लिया गया है। और अंत में इन्होंने कहा कि श्री सीमेंट प्लांट बिहार भर में जीएसटी टैक्स के रूप में सबसे ज्यादा श्री सीमेंट प्लांट औरंगाबाद की इकाई ने 255 करोड रुपए बिहार सरकार को टैक्स के रूप में प्रदान किया गया है,इस कर अदायगी से बिहार सरकार ने श्री सीमेंट प्लांट इकाई औरंगाबाद को भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला लिया और इस भामाशाह पुरस्कार को बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने श्री सीमेंट प्लांट इकाई औरंगाबाद के संयंत्र प्रमुख अतुल शर्मा को इस भामाशाह सम्मान पुरस्कार के रूप में प्रशस्ति पत्र और एक लाख रुपए का चेक देकर सम्मानित किया।

बेगमपुरा के पास फोरलेन सड़क निर्माण कार्य में तहत फ्लाईओवर निर्माण का कार्य का चल रहा

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंजः राजमहल थाना क्षेत्र के गुणीहारी पंचायत अंतर्गत मंडई, बेगमपुरा के पास फोरलेन सड़क निर्माण कार्य में तहत फ्लाईओवर निर्माण का कार्य का चल रहा है इसी दौरान शुक्रवार को संबंधित निर्माण कंपनी के हाईवा चालक गीरीडिह जिला के जोड़ा साख गांव निवासी कृष्ण कुमार (25) हाइवा में मिट्टी लेकर निर्माण कार्य स्थल में हाइवा का डाला उठाकर मिट्टी खाली कर रहा था। काफी देर लगने के कारण वह उतरकर डाला के पास जाकर देखने लगा कि इतना देर क्यों हो रहा है। तभी अचानक टोली उसके के ऊपर गिर गया। जिसके चपेट में आने से वह बुरी तरह घायल हो गया।

ईश्वर की कृपा से सब काम हो रहा है - कौशिक जी महाराज

भक्तों की जयकारा के साथ दिवसीय देवी भागवत का हुआ समापन

जमालपुर।

श्री श्री 108 महामाया शक्ति धाम के तृतीय स्थापना दिवस के पावन अवसर पर मारवाड़ी धर्मशाला में चल रहे नौ दिवसीय देवी भागवत का भक्तों की जयकारा के साथ समापन हुआ। कौशिक जी महाराज ने माता रानी का गुणगान करते हुए जमालपुर के श्रद्धालुओं को बताया कि माता रानी के प्रेमी, माता रानी के परम भक्त माता के पावन कथा को सुनने के लिए नौ दिनों से लगातार कथा स्थल पर पहुंच रहे थे। हजारों की संख्या में भक्त जनों का कथा में उपस्थिति का उन्होंने दिल से अभिनंदन किया। गुजरात से पधारे कौशिक जी महाराज ने माता रानी को नमन करते हुए भक्तों को बताया कि इस संसार में अच्छे या बुरे कर्म भोगे बिना हम इस संसार को नहीं छोड़ सकते हैं। अपने जीवन में आप जो भी अच्छाई कर रहे हैं, उसका आप आनंद लीजिए, अभिमान मत कीजिए। ईश्वर की कृपा से सब काम हो रहा है, ऐसा मानने से आप जीवन में थकेंगे नहीं। मनुष्य जीवन का मूल धर्म है और धर्म का मूल सदाचार है। हम जो भी हैं, हमारे शास्त्र हमें उससे ऊपर उठते हैं। हम सभी को इस माया नर्तकी से बचाना है तो अपनी इष्ट देव का कीर्तन करते रहना चाहिए। कथा के समापन में माता रानी का जागरण के तहत स्थानीय कलाकार अंकिता शर्मा के द्वारा एक से एक भजनों की हाजिरी के माध्यम से किया गया। श्रद्धालु आशीष शाह, अनिमेष चौरसिया एवं रोहित ने श्री मा-रवाड़ी धर्मशाला परिसर में आयोजित नवदिवसीय देवी भागवत के समापन पर बताया कि श्री श्री 108 महामाया शक्ति धाम, देवी भागवत कार्यक्रम समिति एवं महेश संघई के सहयोग से देवी भागवत का कार्यक्रम जमालपुर शहरवासी को धर्म ध्वजा के नीचे लाकर भक्तिमय कर दिया। ऐसे कार्यक्रम से शहरवासी पूरा आनंदित हुए। मौके पर महेश संघई, मनीष शंघई, गिरधर संघई, योगेश अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, दिनेश जोशी, गोपाल अग्रवाल, जयशंकर शर्मा, सुनील जालान, श्याम शाह, कमलेश खेतान, अंकित शर्मा, संजय अग्रवाल, सुजीत संघई, माधव मस्कारा, प्रदीप छापड़िया,संतु खेतान, पवन बुढ़िया, पुरुषोत्तम मेहरिया एवं हजारों भक्तगण की मौजूदगी रही।

टियर-2 शहरों में क्रिप्टो की लहर: देश के छोटे निवेशकों को सुरक्षा की सख्त जरूरत

नई दिल्ली , ।

भारत में क्रिप्टो का चलन अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गया है। जो क्रांति कभी बेंगलुरु के टेक स्टार्टअप्स या मुंबई के निवेश फर्मों तक सिमटी हुई थी, वह अब देश के छोटे और मध्यम शहरों तक पहुंच गई है। जयपुर, कोयंबटूर, डिब्रूगढ़ जैसे कस्बों की गलियों में अब क्रिप्टो एक नई उम्मीद बनकर उभर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि आज देश में जितना क्रिप्टो ट्रेड हो रहा है, उसका लगभग आधा हिस्सा टियर-2 और टियर-3 शहरों से आ रहा है। कई इलाकों में हर साल इसमें 40 प्रतिशत से भी अधिक की तेजी देखी जा रही है। इस बदलाव के पीछे केवल जिज्ञासा नहीं है, बल्कि जमीनी हकीकत भी है। छोटे शहरों में आज भी बहुत से लोगों के पास न तो पूंजी बाजारों तक पहुंच है, न ही भरोसेमंद बैंकिंग सुविधाएं या स्थिर आमदनी। ऐसे में छात्र, गृहणियां और छोटे दुकानदार क्रिप्टो को एक ऐसे विकल्प के रूप में देख रहे हैं, जिससे वे इन बाधाओं को पार कर सकें। ज्यादातर लोग 10,000 जैसे छोटे निवेश से श-रूआत कर रहे हैं, जिससे यह साफ झलकता है कि यह चलन ना तो सिर्फ लालच में है और ना ही बिना सोच-विचार के – यह एक उम्मीद भरा प्रयास है कि थोड़ी-बहुत बचत को कहीं बेहतर जगह लगाया जाए। आज पटना, सूरत, इंदौर जैसे शहरों में लोग चाय की दुकानों और छोटे-बड़े बाजारों में भी क्रिप्टो की बातें करते नजर आते हैं। भारत के दस सबसे ज्यादा क्रिप्टो-एक्टिव शहरों में से सात अब मेट्रो शहर नहीं, बल्कि टियर-2 शहर हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि अब स्मार्टफोन सस्ते हो गए हैं और इंटरनेट लगभग हर हाथ तक पहुंच गया है। महामारी के बाद आई डिजिटल आदतों और रिमोट वर्क कल्चर ने भी इस बदलाव को गहराई दी है। आज का युवा क्रिप्टो को केवल मुनाफे की चाह में नहीं, बल्कि वैश्विक वित्तीय दुनिया को समझने और उसका हिस्सा बनने के मौके के तौर पर देखता है। और यह बदलाव पूरी तरह स्थानीय स्तर पर हो रहा है। नागपुर जैसे शहरों में क्रिप्टो ट्रेनिंग देने वाले संस्थानों में छात्र रिकॉर्ड स्तर पर

नाम लिखवा रहे हैं। एक ट्रेनर का कहना है कि उन्होंने 2023 के बाद से 1,500 से ज्यादा नए लोगों को क्रिप्टो के बारे में सिखाया है। भारतीय यूजर्स के लिए बनाए गए लोकल ऐप्स, यूट्यूब वीडियो जो हिंदी और अन्य भाषाओं में उपलब्ध हैं, और दोस्तों के साथ चचाएं, इन सबने इस तकनीकी विषय को आम लोगों के लिए भी समझना आसान बना दिया है। यही वजह है कि आज भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा जमीनी क्रिप्टो अपनाने वाला देश माना जा रहा है। महिलाएं भी इस बदलाव का अहम हिस्सा बन रही हैं। हाल की एक रिपोर्ट बताती है कि महिला निवेशकों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में दस गुना इजाफा हुआ है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों से कई महिलाएं अब क्रिप्टो में निवेश कर रही हैं। उनके लिए यह केवल एक तकनीकी नया माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक आजादी का रास्ता है – एक ऐसा विकल्प जो पारंपरिक बचत योजनाओं और सोने की खरीद से आगे जाता है।हालांकि इस उत्साह के साथ-साथ जोखिम भी लगातार बढ़ रहे हैं। जहां एक ओर कई लोग अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए निवेश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बहुत से नए निवेशक धोखाधड़ी का शिकार भी हो रहे हैं। छोटे शहरों में अब भी भरोसेमंद जानकारी की भारी कमी है। कई लोग खुद से सीखने की कोशिश करते हैं या फिर व्हाट्सएप फॉरवर्ड, टेलीग्राम ग्रुप्स और यूट्यूब जैसे अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर रहते हैं। यही वजह है कि वहां फर्जी ऐप्स, स्कीम्स और स्कैमर्स के लिए रास्ता खुल जाता है।हाल के महीनों में कई धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। जून 2025 में लखनऊ में पुलिस ने 80 लाख के USDT ट्रांजेक्शन के जरिए चल रही एक धोखाधड़ी का खुलासा किया, जिसमें सभी आरोपी युवा थे। सूरत में जोधपुर के दो युवकों ने करोड़ों की क्रिप्टो मनी लॉन्ड्रिंग की, और वह पैसा चीन, पाकिस्तान और म्यांमार जैसे देशों में भेजा गया। जयपुर, भोपाल, रतलाम और इंदौर जैसे शहरों में भी ऐसे ही कई मामले सामने आए हैं, जहां पहली बार निवेश करने वाले युवाओं को जल्दी मुनाफे का लालच देकर ठग लिया गया। एक MBA छात्र को फर्जी इन्वेस्टमेंट ग्रुप ने पहले छोटे-छोटे लाभ दिए और फिर उसकी पूरी जमा पूंजी हड़प ली। मार्च 2025 में ओ-डिशा के बेरहामपुर में 6.16 करोड़ की ठगी के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो एक फर्जी "ZAIF" नामक क्रिप्टो ऐप चला रहे थे। भारत के छोटे शहरों ने क्रिप्टो को पूरी ताकत और उम्मीद के साथ अपनाया है। यह सिर्फ.एक चलन नहीं, बल्कि एक नई आर्थिक सोच का संकेत है। लेकिन अगर सही सुरक्षा इंतजाम और स्पष्ट नियम नहीं बनाए गए, तो यह लहर बहुत जल्दी संकट में बदल सकती है। सरकार के पास अब विकल्प नहीं बचे हैं – नियमन और टैक्स सुधार अब जरूरत बन चुके हैं। वरना भारत इस दौड़ में लीडर बनने की बजाय एक अधूरी क्रांति की मिसाल बन जाएगा।

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ भाजपा ने भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और राष्ट्र चेतना को वैश्विक मंच पर स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को युवा मोर्चा के जीतू सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने मूलमंत्र देते हुए कहते हैं कि एक समय में एक काम करो, और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमे डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ. विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही ब्रिटिश भारत के दौरान राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण है. इसके अतिरिक्त वि-वेकानंद ने जातिवाद, शिक्षा, राष्ट्रवाद, धर्म निरपेक्षतावाद, मानवतावाद पर अपने विचार प्रस्तुत किये हैं। वि-वेकानंद की शिक्षाओं पर उपनिषद्, गीता के दर्शन, बुद्ध एवं ईसा मसीह के उपदेशों का प्रभाव है. उन्होंने वर्ष 1893 में शिकागो विश्व धर्म सम्मलेन में वैश्विक ख्याति अर्जित की तथा इसके माध्यम से ही भारतीय अध्यात्म का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार हुआ. वर्ष 1893 में खेतड़ी राज्य के महाराजा अजीत सिंह के अनुरोध पर उन्होंने 'विवेकानंद' नाम अपनाया. उन्होंने विश्व को वेदांत और योग के भारतीय दर्शन से परिचित कराया. वर्ष 1902 में बेलूर मठ में उनकी मृत्यु हुई थी. अपने भाषण के दौरान स्वामी वि-वेकानंद जी ने कहा था कि अमरीकी भाइयों और बहनों, आपने जिस स्नेह के साथ मेरा स्वागत किया है उससे मेरा दिल भर आया है. मैं दुनिया की सबसे पुरानी संत परंपरा और सभी धर्मों की जननी की तरफ से धन्यवाद देता हूं. सभी जातियों और संप्रदायों के लाखों-करोड़ों हिंदुओं की तरफ से आपका आभार व्यक्त करता हूं. मैं इस मंच पर बोलने वाले कुछ वक्ताओं का भी धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने यह जाहिर किया कि दुनिया में सहिष्णुता का विचार पूरब के देशों से फैला है. मुझे गर्व है कि मैं उस धर्म से हूं जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकृति का पाठ पढ़ाया है. हम सिर्फ.सार्वभौमिक सहिष्णुता पर ही विश्वास नहीं करते बल्कि, हम सभी धर्मों को सच के रूप में स्वीकार करते हैं. कार्यक्रम में जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शबरी पाल, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, पवन भगत, आलोक मंडल उपस्थित हुए।

आनंदमार्गीय प्रथम संभागीय त्रीदिवसीय सेमिनार का आयोजन

मानव शरीर एक जैविक मशीन है प्रवृत्तियों द्वारा संचालित साधना का विज्ञान

साधना ही जीवन का सार है और साधना ही मनुष्य का धर्म है

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-आनन्दमार्ग

जागृति,राजाबगीचा,आर मित्रा विद्यालय के प्रांगण में प्रधानाचार्य महोदय संतोष कुमार यादव ने आचार्य जी का स्वागत माल्यार्पण करके किया।ततपश्चात आचार्य रागानूँगानंद अवधूत जी ने छात्र एवं छात्राओं के जीवन में साधना के महत्व पर चर्चा की।उन्होंने बताया कि पांच चीजों को अगर आप करते हैं तो सफलता आपकी कदम चूमेगी एकाग्रता,यादाश्त क्षमता,ईच्छा शक्ति, अनुशासन एवं निर्णय लेने की क्षमता आदि। इन सभी का रास्ता साधना की ओर होकर जाता है।नियमित साधना करने से जीवन विकसित एवं सफल होगा। इसके पश्चात भुक्ति प्रधान सुनील जी ने आचार्य रागानुगानन्द अवधूत जी एवं आचार्य ब्रजगोपालनंद अवधूत जी का माल्यार्पण करके प्रथम संभागीय त्रिदिवसीय सेमिनार का शुभारंभ किया। सेमिनार में उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए आचार्य रागानुगानंद अवधूत ने विषय ₹मानव शरीर एक जैविक यंत्र है ₹विषय पर उन्होंने कहा कि मानव शरीर कोई साधारण संरचना नहीं,बल्कि एक जटिल जैविक मशीन है,जिसे मानसि-ाक प्रवृत्तियों की प्रेरक शक्ति द्वारा संचालित किया जाता है।यह शरीर हमारा नहीं, बल्कि परम सत्ता का है, जिसने मन को इस शरीर में कार्य करने की अनुमति दी है। आत्मा केवल स-ाक्षी है; वह देखती है, लेकिन हस्तक्षेप नहीं करती।मनुष्य के शरीर में दस इंद्रियाँ पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ और पाँच कर्मेन्द्रियाँ ह्न तथा एक अन्तःकरण होते हैं।ये इंद्रियाँ दसों दिशाओं में कार्य करती हैं,और इन्हीं क्रियात्मक अभिव्यक्तियों से धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों का प्रतीकात्मक निरूपण होता है,जो महाभारत के माध्यम से आत्म संघर्ष की गहराई को दर्शाते हैं।महाभारत का यह प्रतीकात्मक विवेचन बताता है कि धृतराष्ट्र अंधा मन है, पांडव पाँच तत्त्व हैं, कृष्ण सहस्रार चक्र हैं और संजय संवेदनशील विवेक। जीवन का कुरुक्षेत्र बाहरी कर्म का क्षेत्र है, और धर्मक्षेत्र आंतरिक साधना का क्षेत्र। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, यह समझना आवश्यक है कि श-रीर की गतिविधियाँ केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक प्रवृत्तियों से भी प्रभावित होती हैं। उदाहरण के लिए, मनुष्य का संकोच या उत्साह, हृदय की उप-ग्रंथियों और हार्मोन स्राव से नियंत्रित होता है। इसलिए यह अनिवार्य है कि प्रत्येक व्यक्ति साधना के माध्यम से अपनी ग्रंथियों, तंत्रिकाओं और भावनाओं पर नियंत्रण प्राप्त करे। जब यह नियंत्रण प्राप्त होता है, तब व्यक्ति सामान्य मानव मनोविज्ञान से ऊपर उठकर अधिमानव बन जाता है। हम सभी से आह्वान करते हैं कि जो भी कार्य करें समाज सेवा,अध्ययन,अध्ययन-सहायता ह्न वह सब इस एक ही लक्ष्य की ओर अग्रसर होः आपकी साधना में प्रगति,अन्यों की साधना में सहायक होना यही मनुष्य के जीवन का मुख्य उद्देश्य है।साधना करना,आत्मोन्नति करना, और परमात्मा के समीप जाना।जैव-मनःविज्ञान के इस गूढ़ विज्ञान को आत्मसात कर, हर साधक को यह प्रयास करना चाहिए कि वह अपने शरीर रूपी मशीन को ठीक प्र-कार से समझे, संचालित करे, और साधना के पथ पर आगे बढ़े। इस अवसर पर आचार्य ब्रजगोपालनंद अवधूत, आचार्य भावानंद अवधूत, आचार्य मधुमयानन्द अवधूत, आचार्य अमितबोधानंद अवधूत, अवधूतिका आनंद विष्णुमया आचार्या आनंद उत्तीर्णा आचार्या, ब्राह्मचारिणी लावण्या आचार्या एवं बहुत सारे भक्तगण सेमिनार में भाग ले रहे हैं।

दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा के 42 सफल विद्यार्थी 6 जुलाई को होंगे सम्मानित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, स-ांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान, साइंस एंड मैथमेटिक्स डेवलपमेंट आगेनाईजेशन तथा योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट के संयुक्त बैनर तले माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 के 42 सफल विद्यार्थियों को आगामी 6 जुलाई, दीनबंधु उच्च विद्यालय स्थित रवीन्द्र सभागार में पुरस्कृत किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए विवेकानंद संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय शिखर पुरस्कार विजेता डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने कहा- 90 प्रतिशत एवं उससे ऊपर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ₹स्वामी विवेकानंद इंस्पिरेशन अवार्ड₹, 80 से 89.99 प्रतिशत प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन इंस्पिरेशन अवार्ड₹ जबकि 60 से 79.99 प्रतिशत प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ₹योगमाया देवी इंस्पिरेशन अवार्ड₹ की मानद उपाधि से अलंकृत एवं विभूषित की जाएगी। प्राप्त सूची के मुताबिक जसीडीह संत फ्रांसिस स्कूल के क्षितिज भास्कर को 91.2 प्रतिशत, डॉ. ए. एन. खोसला डीएवी पब्लिक स्कूल, राउरकेला, स-ंदरगढ़, ओड़िशा की सोहानी कुमारी को 91.2 प्रतिशत, आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय, रोहिणी की रिया कुमारी एवं साधना कुमारी को क्रमशः 94.4 एवं 93.4 प्रतिशत, देवघर संत फ्रांसिस स्कूल के अनुपम भारद्वाज को 93 प्रतिशत एवं ब्लू बेल्स स्कूल की अल्फिया हुसैन को 92 प्रतिशत अंक दसवीं बोर्ड में प्राप्त करने हेतु, स्वामी वि-वेकानंद इंस्पिरेशन अवार्ड के लिए, इसी विद्यालय की स्वीटी कुमारी को. प्रतिशत, ब्लू बेल्स स्कूल की संचिता मणि एवं प्रेरणा कुमारी को क्रमशः 84.2 एवं 88 प्रतिशत, देव वैली हाई स्कूल की सुहानी कुमारी को 82.4 प्रतिशत, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, कोठिया की अंजलि सिन्हा को 81.4 प्रतिशत, देवघर संत फ्रांसिस स्कूल की चाहत पिया को 88.4 प्रतिशत, आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय की परी कुमारी झा को 80 प्रतिशत, एस. एस. बी. एस. एम. जी. हाई स्कूल, सुईयाघूठी, बांका, बिहार के ऋतु राज को 89.8 प्रतिशत, बा-रहवीं में रमा देवी बाजला महिला महाविद्यालय की निशा कुमारी को 81.4 प्रतिशत, मातृ मंदिर गर्ल्स प्लस टू हाई स्कूल की सरस्वती कुमारी एवं यशोदा कुमारी को क्रमशः 81.4% एवं 82.8% प्रतिशत अंक प्राप्त करने के लिए प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन इंस्पिरेशन अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। इस वर्ष स्वामीनाथन जी की शतवार्षिकी मनाई जा रही है। वे भारत के आनुवंि-शक वैज्ञानिक थे जिन्हें भारत की हरित क्रांति का जनक माना जाता है। प्रस्तावित उच्च विद्यालय, बामनडीहा के आदित्य कुमार को 61.6 प्रतिशत, जसीडीह संत फ्रांसिस स्कूल के कुमार ऋषभ को 70.4 प्रतिशत, आशुतोष विद्यालय की दीक्षा ओझा को 68.2 प्रतिशत, श्रुति कुमारी को 70 प्रतिशत, खुशी कुमारी को 74 प्रतिशत, साक्षी केशरी को 76 प्रतिशत, कुमारी रम्भा श्री को 74 प्रतिशत, तन्नू कुमारी को 78.4 प्रतिशत, सभ्यता कुमारी को 67.6 प्रतिशत, प्रीति कुमारी को 60 प्रतिशत, रुक्मिणी कुमारी को 67.6 प्रतिशत, रुक्मणि कुमारी को 64.8 प्रतिशत, रामेश्वर लाल सर्राफ उच्च विद्यालय के आयुष कुमार को 78 प्रतिशत, बा-रहवीं बोर्ड में ए. एस. कॉलेज की अर्चना कुमारी को 73.4 प्रतिशत, देवघर महाविद्यालय के अभिषेक कुमार एवं पीयूष कुमार साह को क्रमशः 75.2 एवं 77 प्रतिशत, रमा देवी बाजला महिला महाविद्याल की परी गुप्ता को 76.8 प्रतिशत, रानी गुप्ता को 77.6 प्रतिशत, दिव्यांका साह को 75.8 प्रतिशत, सोहानी साह को 76.2 प्रतिशत, आकांक्षा साह को 78.2 प्रतिशत, अंजलि केशरी को 74.2 प्रतिशत, पी. एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, रिखिया, जसीडीह की आयुषी संतोषी को 72 प्रतिशत, एस. एस. प्लस टू हाई स्कूल, मोहनपुर हाट की पायल कुमारी को 78 प्रतिशत, तक्षशीला विद्यापीठ की जिया को 67.6 प्रतिशत अंक प्राप्त हेतु ₹योगमाया देवी इंस्पिरेशन अव-ार्ड₹ के लिए चयनित किया गया है।

इलाज के दौरान महिला होम गार्ड की हुई मौत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

एम्स अस्पताल देवघर में इलाज के दौरान महिला होम गार्ड की मौत हो गई. परिजनों ने बताया कि बड़ा शेखपुरा निवासी लाल बहादुर यादव की पुत्री निशा कुमारी देवघर में भाड़े के रूम में रहकर होम गार्ड की ड्यूटी उपायुक्त कार्यालय में करती थी. उसके पेट में अचानक तीव्र दर्द होने लगा. आनन फानन में उसे एक निजी क्लिनिक ले गया. स्थिति गंभीर देखते हुए उसे वहां एम्स अस्पताल के इमर्जेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया. जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई. इलाज कर रहे चिकित्सक ने बताया कि प्रथम दृश्या से जहरीला पदार्थ सेवन करने की बात बताई है. हालांकि पूरी तरह से पोस्ट मार्डम रिपोर्ट से खुलासा होगा. लाश को पोस्ट मार्डम हाऊस में रखा गया है. देवीपुर पुलिस मामले में छानबीन कर रही है. मृतिका की बहन भी होमगार्ड में है और उसकी ड्यूटी मधुपुर प्रखंड कार्यालय में है. घटना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है.

संक्षिप्त समाचार

बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड द्वारा वर्चुअल बैठकबारुण प्रखंड के पौथू पंचायत तथा काजीचक पंचायत के चिरैला ग्राम में आयोजित की गई- बीरेंद्र कुमार सिंह

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- नबीनगर विधानसभा क्षेत्र के बारुण प्रखंड अंतर्गत पौथू पंचायत तथा काजीचक पंचायत के चिरैला ग्राम में बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड द्वारा वर्चुअल बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता पौथू पंचायत के अध्यक्ष बिरला झा एवं काजीचक पंचायत में उपेंद्र कुमार यादव ने किया। बैठक का संचालन बारुण प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र कुमार ने किया। वर्चुअल बैठक में प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा,मुख्यालय प्रभारी अनिल कुमार एवं मुख्यालय प्रभारी परमहंस सिंह उपस्थित थे। वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की जिस पंचायत के बैठक में कमेटी की सभी सदस्य शामिल नहीं हो तो पंचायत अध्यक्ष और बूथ अध्यक्ष उनके घर जाकर हाल-चाल ले की बैठक में क्यों नहीं आए। बैठक को संबोधित करते हुए औरंगाबाद के पूर्व सांसद सह नबीनगर के पूर्व विधायक ने कहा बिहार में डबल इंजन की सरकार है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का पूरा सहयोग राज्य को मिल रहा है। 2024 में केंद्र की एनडीए सरकार ने 60000 करोड़ से अधिक का विशेष पैकेज देखकर बिहार के विकास को और गति दी। नबीनगर विधानसभा के प्रभारी प्रोफेसर अरुण कुमार ने कहा वर्ष 2005-200 6 में नई सरकार बनने के समय राज्य का बजट मात्र 28000 करोड़ रु ही था जो आज बढ़ते बढ़ते तीन लाख 16000 करोड रुपए से अधिक हो गया है।मौके पर जनता दल यूनाइटेड के जिला उपाध्यक्ष सह बिस सूत्री सदस्य सुरेंद्र कुमार सिंह, पूर्व राज्य परिषद सदस्य अनिल कुमार यादव, जिला उपाध्यक्ष विभूति नारायण, जिला महासचिव उदय पटेल, जिला महासचिव रनजीत सिंह, जिला सचिव मुकेश पटेल, पूर्व मुखिया संजीव द्विवेदी, प्रोफेसर रमेश चंद्र पाठक, विजय राजवंशी,उमेश सिंह अशोक सिंह, भगवान मेहता इत्यादि उपस्थित थे।

बेलागंज में प्रधानमंत्री मोदी की कार्यक्रम को लेकर ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के सचिव महेश शर्मा की मांग अपेक्षित

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए।

ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के राष्ट्रीय महासचिव महेश शर्मा का कहना है कि जैसा कि सरकारी सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि देश के लोकप्रिय यशस्वी विकास पुरुष प्रधानमंत्री जी गया जिले के बेलागंज प्रखंड में ग्राम पाली के कृषि फार्म में सभा करने आ रहे हैं। तो इस अवसर पर बेलागंज का हक बनता है कि माननीय प्रधानमंत्री जी बेलागंज के जनहित में कुछ विकास योजना की स्वीकृति दें। बेलागंज का चिरपरिचित मांग बीथो वियर बांध एवम सहायक पैन के जीर्णोद्धार के आधार शिला रखें। बेलागंज के सोनपुर (सोनितपुर) को ऐतिहासिक महत्व को समझते हुए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु शिलान्यास करें । बेलागंज के काली मंदिर जो द्वापरयुग का मंदिर है इस कारण इस मंदिर के विकास के लिए प्रयास हो, साथ ही बेलागंज के महत्व को देखते हुए चुकी बाबा भोलेनाथ के एतिहाशिक मंदिर सिद्धनाथ मंदिर जिसकी चर्चा पुराणों में हो बाबा विश्वनाथ के तर्ज पर कॉरिडोर बनाकर पर्यटन स्थल के रूप में विकास करने हेतु आधारशिला रखने की निवेदन बेला के जनता की प्रधानमंत्री से है। साथ ही बेलागंज स्टेशन पर सभी एक्सप्रेस ट्रेन की ठहराव की घोषणा मंच से करने की कृपा करेंगे जो जनता के लिए सुविधा पूर्ण होगा। बेलागंज के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए मेन कोटेश्वर धाम का विकास पर्यटन स्थल के रूप में हो, वहीं कोरमथु स्थित बाबा ढिबरा स्थान का विकास पर्यटन स्थल के रूप में हो जिस स्थल पर माननीय प्रधानमंत्री जी सभा को संबोधित करेंगे,उस जगह पर पच्चीस एकड़ जमीन बिहार सरकार के कृषि भूमि है। और यह जमीन लगभग बंजर रहता है तो उस जमीन पर कृषि अभियंत्रण विद्यालय या कृषि रिसर्च सेंटर जहाँ बीज /खाद/कीटनाशक दवाओं पर रिसर्च हो जिससे मगध साम्राज्य के सभी लोगो को लाभ हो ।चुकी यह स्थल एनएच और रेलवे स्टेशन से जुड़ा हुआ है,जिसकी घोषणा किया जाय। बेलांगज में लड़कियों को पढ़ने के लिए कोई महाविद्यालय नही है चुकी बिहार में एनडीए की सरकार है तो एक कन्या महाविद्यालय खोलने हेतु घोषणा किया जाए। बेलांगज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को रेफरल अस्पताल का दर्जा देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी एवम प्रधानमंत्री जी के द्वारा घोषणा हो। गया जी अवस्थित केन्द्रीय विद्यालय का नामाकरण महाराजा गोपाल शरण सिंह के नाम से हो ऐसी घोषणा हो ताकि उन्हें सम्मान मिल सके। गया जी इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी शत्रुघ्न शरण सिंह के नाम से हो। गया जी सेंट्रल जेल का नामकरण सहीद बैकुंठ शुक्ल के नाम से हो ऐसी घोषणा हो। महेश शर्मा ने बताया कि मंच पर भारत सरकार और बिहार सरकार दोनों के मंत्री रहेंगे इसलिये यह जनहित में मांग उठा रहा हूँ। आशा है एक कार्यकर्त्ता की आवाज को सम्मान देना चाहेंगे,और यह मांग जनहित में है, साथ ही मुझे चुनाव भी नहीं लड़ना है,ताकि लोग यह नहीं समझे कि चुनाव दृष्टिकोण से मांग उठाया गया है। उन्होंने बताया कि नियामतपुर आश्रम जो स्वतंत्रता आंदोलन के केंद्र बिंदु रहा और महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित यदुनंदन शर्मा जी के कर्म भूमि रहा है,इस जगह का विकास कर भारत के मानचित्र पर लाने की जरूरत को अमलीजामा पहनाया जाय। यही उस महापुरुष के प्रति सच्चा श्रद्धांजलि होगी।

हिंदी वाक प्रतियोगिताओं का आयोजन

हाजीपुर

पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में 01, 03, एवं 04 जुलाई 2025 को तीन दिवसीय क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई. इसी क्रम में आज दि.04.07.25 को अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हिंदी वाक प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ. प्रतिभागियों को ह्रस्वभाषा- स्वाभिमान का प्रतीक व बदलती विश्व व्यवस्था में भारतः में से किन्ही एक विषय पर बोलना था. हिंदी वाक प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्री जे. पी. सिंह, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (राजपत्रित) थे. इसमें सुश्री सुचित्रा, कायार्धी, कार्मिक विभाग/हाजीपुर को प्रथम, श्री जूही बाला कर्ण, कनि. लेखा सहायक, लेखा विभाग/हाजीपुर को द्वितीय व श्री विपिन बिहारी पंडित, वरि. टेक्नीशियन, सडिमका/हरनौत को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. इन सभी प्रतियोगिताओं में विभिन्न विभागों/मंडलों/कारखानों के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की. उल्लेखनीय है कि प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय सहित 03 प्रेरणा पुरस्कार है. इन सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी रेलवे बोर्ड स्तर पर पूर्व मध्य रेल का प्रतिनिधित्व करेंगे. उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता के लिए पूर्व मध्य रेल के सभी विभागों/मंडलों/कारखानों को पूर्व में ही सूचित किया गया था. दि. 01.07.2025 को इस प्रतियोगिता का शुभारंभ हिंदी निबंध प्रतियोगिता के साथ हुआ था. निबंध हेतु 02 विषय पूर्व में ही निर्धारित किए गए थे (1) राजभाषा की गौरवशाली यात्रा- उपलब्धियाँ और भविष्य की दिशा (2) अमृतकाल में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की परस्पर सहभागिता. प्रतिभागियों को किन्हीं एक विषय का चयन कर अधिकतम 2000 शब्दों में निबंध लिखना था. जिसमें मुख्यालय के विभिन्न विभागों/मंडलों आदि के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया. दि. 03.07.2025 को हिंदी टिप्पण व प्रारूप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों से अनुवाद, प्रारूप लेखन, अंग्रेजी से हिंदी व हिंदी से अंग्रेजी शब्दों का रूपांतरण तथा वर्तनी शुद्धी संबंधी प्रश्न पूछे गये. राजभाषा विभाग पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर की ओर से राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर किया जाता है. इससे रेल कर्मियों के बीच हिंदी में कार्य करने की प्रवृत्ति बढ़ती है. आज के प्रतियोगिता में विभिन्न मंडलों/कारखानों सहित मुख्यालय के कर्मचारी प्रतिभागी के रूप में उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ श्री संतोष कुमार गुप्ता, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी सह उप विसमुलेधि (सामान्य) ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री अनिल कुमार शर्मा, राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया.

बंदेया हत्या कांड में दो गिरफ्तार, एक आरोपी मृतक की पत्नी

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

बंदेया (औरंगाबाद) बंदेया थाना क्षेत्र के एक सनसनीखेज हत्या मामले में विकु कुमार उर्फ मुकेश कुमार की हत्या कर दी गई थी। मृतक की मां सबिता कुँवर ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ जब मृतक की पत्नी पूजा देवी को ही हत्या में संलिप्त पाया गया और पुलिस ने उसे पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब इस मामले में मुख्य अभियुक्त रफीगंज थानाक्षेत्र के कर्मा मसूद गांव निवासी कमलेश यादव को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार कमलेश यादव पर पहले भी रफीगंज थाना में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष सूरज कुमार, मोहित कुमार और सशस्त्र बल की अहम भूमिका रही। पुलिस की इस तत्परता से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ सख्त संदेश गया है। गौरतलब हो की पिछले सप्ताह झिकटियां नहर के समीप एक युवक का शव पुलिस के द्वारा बरामद किया गया था।मृतक की मां सबिता कुमारी ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।जिसका बंदेया थाना कांड संख्या 65/25 था जांच के क्रम में पुलिस को तकनीकी और भौतिक साक्ष्य के आधार पर पता चला कि हत्या में मृतक की पत्नी पूजा देवी की संलिप्तता है। इसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

जदयू जिला कार्यालय में जूम मीटिंग आयोजित की गई

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर हुई गहन चर्चा

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जदयू जिला कार्यालय में एक महत्वपूर्ण वर्चुअल जूम मीटिंग का आयोजन किया गया,जिसका उद्देश्य आगामी मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को लेकर रणनीति तय करना था। इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष श्री संजय कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश कुशवाहा ने किया। बैठक के दौरान बी.एल.ओ. लेवल-2 की भूमिका, जिम्मेदारियाँ और क्षेत्रीय समन्वय पर विशेष चर्चा की गई। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है, और इसमें कार्यकताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री उमेश कुशवाहा ने कहा, लोकतंत्र को सशक्त एवं भागीदारीपूर्ण बनाने के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि कोई भी योग्य मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। इसके लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना आवश्यक है।इस बैठक में जदयू के अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से पूर्व विधायक, रफीगंज एवं जदयू जिला अध्यक्षः श्री अशोक कुमार सिंह, तकनीकी एवं श्रम प्रकोष्ठ जिला अध्यक्षः श्री शशिकांत कुमार, मीडिया सेल जिला अध्यक्ष श्रीमती निशा सिंह,बिंदा चंद्रवंशी, अमरेश चौधरी,आनंद कुमार रजक, रिंकू सिंह, पूनम कुशवाहा,रितेश कुमार सिंह,विनोद कुमार सिंह,ओम प्रकाश कुमा,सैयद मुजफ्फर इकबाल कादरी,कमलेश कुमार सिंह,धर्मेंद्र कुमार वर्मा,गौतम कुशवाहा मंगल चंद्रवंशी,उदय कुमार सिंह,संतोष कुमार, हरेंद्र कुमार,प्रभाकर सिंह,बंधन कुमार सहित कई सक्रिय कार्यकर्ता।

बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वे मतदाता सूची अद्यतन कार्य में पूर्ण निष्ठा और समर्पण से भाग लेंगे तथा समाज के हर नागरिक को मतदान के लिए जागरूक करेंगे।

नीतीश सरकार ने 94 लाख अत्यंत गरीब परिवार को रोजगार के लिए लघु उद्यमी योजना के तहत दो लाख रुपए दिया जा रहा है - बीरेंद्र कुमार सिंह

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के नबीनगर विधानसभा क्षेत्र के नवीनगर प्रखंड अंतर्गत सोनौरा पंचायत के चरन बाजार एवं राजपुर पंचायत के जयपुर ग्राम में बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड द्वारा वर्चुअल बैठक आयोजित की गई ।दोनों पंचायत के बूथ अध्यक्ष एवं बूथ कमेटी की बैठक पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह एवं शारदा सिंह की अध्यक्षता में हुई। जिसका संचालन प्रखंड अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने किया। बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड द्वारा वर्चुअल बैठक में जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, प्रदेश जदयू कोषाध्यक्ष ललन शराफ, मुख्यालय प्रभारी अनिल कुमार सिंह, मुख्यालय प्रभारी परमहंस सिंह,शामिल थे। वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा बूथ कमेटी के प्रत्येक सदस्य 25 -25 घर जाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किए गए कार्यों को बताये और जनता के सुख दुख में शामिल हो। बैठक को संबोधित करते हुए औरंगाबाद के पूर्व सांसद सह नबीनगर के पूर्व विधायक वीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि वर्ष 2005 से पूर्व कृषि एवं किसानों का बुरा हाल था किसानों को समयानुसार ना बीज मिलता था और ना ही खाद मिलता था, नाही खेतों में सिंचाई के लिए बिजली की कोई व्यवस्था थी। बिहार सरकार 2008 से कृषि रोड मैप बनाकर 2008 से 2012 तक पहला, वर्ष 2012 से 2017 तक दूशरा 2017 से मार्च 2023 तक तीसरा कृषिप्रधान रोड मैप तथा वर्तमान में चौथा कृषि रोड मैप जारी है। कृषि रोड मैप के क्रियान्वयन से फसलों, सब्जी, फल, दूध,अंडा ,मांस एवं मछली के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई। बैठक को संबोधित करते हुए नबीनगर विधानसभा के संगठन प्रभारी अरुण कुमार शर्मा ने कहा सरकार ने जाती आधारित गणना कराई जिसमें लोगों की आर्थिक स्थिति की जानकारी ली गई। 94 लाख अत्यंत गरीब परिवार को रोजगार के लिए लघु उद्यमी योजना के तहत 200000 की दर से सहायता देने की शुरूआत हो चुकी है। इस बैठक में जदयू के जिला उपाध्यक्ष सह 20 सूत्री सदस्य सुरेंद्र कुमार सिंह, पंचायत अध्यक्ष सोनोरा अनिल कुमार सिंह, पंचायत अध्यक्ष राजपुर शारदा सिंह,पूर्व विधायक प्रतिनिधि रामेश्वर सिंह, सुनील कुमार सिंह, नंदू सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह, महेश सिंह, प्रमोद सिंह, प्रखंड महासचिव संतोष कुमार सिंह, हरेंद्र सिंह, मुखिया प्रतिनिधि काली सिंह, विनय सिंह, मुन्ना सिंह, जयराम सिंह, रणजीत सिंह,धर्मेंद्र सिंह, शिवपूजन सिंह, कृष्णा साव,रविंद्र सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

जनेश्वर विकास केंद्र एवं बासमती सेवा केंद्र के द्वारा देव ग्राम चैनपुर में मातृ पितृ वंदन महोत्सव एवं भिखारी ठाकुर महोत्सव के तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जनेश्वर विकास केंद्र एवं बासमती सेवा केंद्र के द्वारा देव ग्राम चैनपुर में मातृ पितृ वंदन महोत्सव एवं भिखारी ठाकुर महोत्सव के तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बासमती सेवा केंद्र के अध्यक्ष उमेश चंद्र सिंह की। बैठक को संचालन करते हुए संस्था के सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि 10 जुलाई को लोक गायन के क्षेत्र में भारत को एक नई पहचान देने वाले बिहार के मिट्टी के लाल भिखारी ठाकुर की जयंती मनाई जाएगी एवं 11 जुलाई को मातृ पितृ वंदन महोत्सव आयोजित होगी जो कि कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार तय की गई है। कार्यक्रम की प्रथम शुरूआत भिखारी लाल ठाकुर की जयंती पर 10 जुलाई को शुरू होगी उद्घाटन सत्र दिन 1:00 बजे से रखा गया है जिसमें कई बड़े नामचीन्ह हस्तियां एवं प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की जाएगी, 1:30 बजे से समकालीन युग में भिखारी ठाकुर की लोक गायन की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी सभा आयोजित होगी। 3:30 से भिखारी ठाकुर आधारित गीत एवं एकांकी की प्रतियोगिता आयोजित होगी। 6:00 बजे से भिखारी ठाकुर की पारंपरिक गीतों आधारित जिले के नामचिन्ह कलाकारों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम आयोजित होगा। 11 जुलाई को मातृ पितृ वंदन महोत्सव की उद्घाटन सत्र दिन 11:00 बजे से किया जाएगा, 1:15 से माता-पिता एवं सास ससुर को भक्ति भाव से सेवा करने वाले संतानों बहू को श्रवण कुमार सम्मान से सम्मानित तथा जिले में आयोजित सभी महोत्सव की सक्रिय सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। दिन 2:00 बजे से छात्राओं एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता में पुनः पुरस्कार वितरण किया जाएगा। संध्या 6:00 बजे से जिले के नामचिन कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की रूपरेखा को बताते हुए उन्होंने आगे बताया कि मातृ पितृ वंदन कार्यक्रम लगभग कई वर्षों से आयोजित होते आ रहा है इस बार इस कार्यक्रम का बेहद पैमाने पर महोत्सव के जनेश्वर विकास केंद्र एवं बासमती सेवा केंद्र के द्वारा देव ग्राम चैनपुर में मातृ पितृ वंदन महोत्सव एवं भिखारी ठाकुर महोत्सव के तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बासमती सेवा केंद्र के अध्यक्ष उमेश चंद्र सिंह की। बैठक को संचालन करते हुए संस्था के सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि 10 जुलाई को लोक गायन के क्षेत्र में भारत को एक नई पहचान देने वाले बिहार के मिट्टी के लाल भिखारी ठाकुर की जयंती मनाई जाएगी एवं 11 जुलाई को मातृ पितृ वंदन महोत्सव आयोजित होगी जो कि कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार तय की गई है। कार्यक्रम की प्रथम शुरूआत भिखारी लाल ठाकुर की जयंती पर 10 जुलाई को शुरू होगी उद्घाटन सत्र दिन 1:00 बजे से रखा गया है जिसमें कई बड़े नामचीन्ह हस्तियां एवं प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर

कार्यक्रम की शुरूआत की जाएगी, 1:30 बजे से समकालीन युग में भिखारी ठाकुर की लोक गायन की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी सभा आयोजित होगी। 3:30 से भिखारी ठाकुर आधारित गीत एवं एकांकी की प्रतियोगिता आयोजित होगी। 6:00 बजे से भिखारी ठाकुर की पारंपरिक गीतों आधारित जिले के नामचिन्ह कलाकारों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम आयोजित होगा। 11 जुलाई को मातृ पितृ वंदन महोत्सव की उद्घाटन सत्र दिन 11:00 बजे से किया जाएगा, 1:00 से माता-पिता एवं सास ससुर को भक्ति भाव से सेवा करने वाले संतानों बहू को श्रवण कुमार सम्मान से सम्मानित तथा जिले में आयोजित सभी महोत्सव की सक्रिय सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। दिन 2:00 बजे से छात्राओं एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता में पुनः पुरस्कार वितरण किया जाएगा। संध्या 6:00 बजे से जिले के नामचिन कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की रूपरेखा को बताते हुए सनोज सागर, जनेश्वर विकास केंद्र के अध्यक्ष राम जी सिंह, कला कौशल मंच के अध्यक्ष आदित्य श्रीवास्तव ने बताया कि मातृ पितृ वंदन कार्यक्रम लगभग कई वर्षों से आयोजित होते आ रहा है इस बार इस कार्यक्रम का बेहद पैमाने पर महोत्सव के रूप में आयोजित हो रहा है कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है लोगों में अपने माता-पिता के सेवा भाव के प्रति जागृति लाना माता-पिता के प्रति समर्पित कार्यक्रम बिहार सरकार के द्वारा अभी तक नहीं कराए गए हैं इन्हीं उद्देश्यों के साथ ताकि समाज में एक नहीं बदलाव लाई जा सके और युवा पीढ़ी को माता-पिता के सेवा भाव के प्रति जोड़ा जा सके। यदि बिहार सरकार पर्यटन विभाग इस महोत्सव को राजकीय दर्जा देती है तो निश्चित रूप में मातृ पितृ वंदन महोत्सव यह एक औरंगाबाद जिला का नहीं प्रदेश स्तर का कार्यक्रम हो जाएगा और इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में नई जागृति लाई जा सकेगी, आज के युवा पीढ़ी अपने मूल्य सभ्यता के संस्कारों से वंचित हो गए हैं, जहां माता-पिता को भगवान से भी बढ़कर ऊपर का दर्जा दिया गया है आज के प्रवेश में माता-पिता को पुत्र के रहते हुए वृद्ध आश्रम की ओर रुख पड़ रहा है पूरी समाज के लिए चिंताजनक विषय है यदि आज हम सभी चिंतित नहीं हुई तो आने वाला समय भयावक रूप हो सकता है इसलिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजनों से अपने बच्चों को उनके संस्कारों से जोड़ सकते हैं और माता-पिता की सेवा के प्रति भावनाओं के प्रति प्रेरित कर सकते हैं, हमारी संस्था हर वर्ष वैसे पुत्र,बहु,बिटिया, दामाद जैसे रत्न का खोज करती है की जो निस्वार्थ भाव तरीके से आज के समय में भी भी माता-पिता सास ससुर को भी सेवा भाव से जुड़कर उनकी सेवा कर रहे हैं वैसे लोगों को श्रवण कुमार सम्मान से सम्मानित करते हैं। का मूल उद्देश्य है लोगों में अपने माता-पिता के सेवा भाव के प्रति जागृति लाना माता-पिता के प्रति समर्पित कार्यक्रम बिहार सरकार के द्वारा अभी तक नहीं कराए गए हैं इन्हीं उद्देश्यों के साथ ताकि समाज में एक नहीं बदलाव लाई जा सके और युवा पीढ़ी को माता-पिता के सेवा भाव के प्रति जोड़ा जा सके। समाजसेवी कविता विद्यार्थी बिहार सरकार एवं कला संस्कृति पर्यटन विभाग से मांग रखते हुए कहा कि यदि बिहार सरकार पर्यटन विभाग इस महोत्सव को राजकीय दर्जा देती है तो निश्चित रूप में मातृ पितृ वंदन महोत्सव यह एक औरंगाबाद जिला का नहीं प्रदेश स्तर का कार्यक्रम हो जाएगा और इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में नई जागृति लाई जा सकेगी, आज के युवा पीढ़ी अपने मूल्य सभ्यता के संस्कारों से वंचित हो गए हैं, जहां माता-पिता को भगवान से भी बढ़कर ऊपर का दर्जा दिया गया है आज के प्रवेश में माता-पिता को पुत्र के रहते हुए वृद्ध आश्रम की ओर रुख पड़ रहा है पूरी समाज के लिए चिंताजनक विषय है यदि आज हम सभी चिंतित नहीं हुई तो आने वाला समय भयावक रूप हो सकता है इसलिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजनों से अपने बच्चों को उनके संस्कारों से जोड़ सकते हैं और माता-पिता की सेवा के प्रति भावनाओं के प्रति प्रेरित कर सकते हैं, हमारी संस्था हर वर्ष वैसे पुत्र,बहु,बिटिया, दामाद जैसे रत्न का खोज करती है की जो निस्वार्थ भाव तरीके से आज के समय में भी भी माता-पिता सास ससुर को भी सेवा भाव से जुड़कर उनकी सेवा कर रहे हैं वैसे लोगों को श्रवण कुमार सम्मान से सम्मानित करते हैं।

इस मौके उप मुखिया रंजन कुमार सिंह,कुरंजे कुमार सिंह, पारसनाथ सिंह, राम बदन सिंह राजू कुमार सिंह, दिलीप कुमार सिंह ,संतोष कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह ,रामजन्म सिंह, अशोक सिंह ,गोपाल सिंह, राम प्रवेश सिंह, भरत सिंह ,राम राज पासवान, अन्य कई लोग मौजूद थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण या मताधिकार पर हमला!

बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा।

राजेंद्र शर्मा

यह अगर संयोग ही है, तब भी बहुत कुछ बताने वाला संयोग है। 25 जून को, जिस दिन बड़े जोर-शोर से संविधान हत्या दिवस के नाम से मौजूदा शासन द्वारा इंदिरा गांधी की इमरजेंसी की पचासवीं बरसी मनायी जा रही थी, ठीक उसी रोज बिहार में, जहां अब से कुछ ही महीने में विधानसभा के चुनाव होने हैं, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण या स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू हो रही थी। इस तरह, जिस तारीख से संविधान तथा जनतंत्र के लिए खतरनाक निहितार्थों के साथ इमरजेंसी निजाम की शुरूआत हुई थी, ठीक उसी तारीख से मतदाता सूचियों में भारी काट-छांट की यह प्रक्रिया शुरू की जा रही है, जिसके जनतंत्र की बुनियाद, सार्वभौम वयस्क मताधिकार के लिए ही खतरनाक नतीजे होने जा रहे हैं।

बेशक, इस प्रक्रिया की शुरूआत फिलहाल बिहार से हो रही है। और बिहार के सिलसिले में इस प्रक्रिया के संभावित दुष्परिणामों को रेखांकित करने के अलावा, करीब-करीब सभी जानकार और टिप्पणीकार एक और समस्या की ओर ध्यान खींच रहे हैं। प्रायः सभी जानकार इस पर एकमत हैं कि बिहार के चुनाव से पहले इस प्रक्रिया का पूरा होना, इसके लिए तय की गयी समय सूची का पालन हो पाना, लगभग असंभव है। समय सूची के अनुसार, 24 जून को भारत के चुनाव आयोग द्वारा उक्त विशेष गहन पुनरीक्षण का नोटिस जारी किए जाने के बाद, महीने भर के अंदर सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के हस्ताक्षरित फार्म बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से/आयोग की वैबसाइट के जरिए आयोग के पास पहुंच जाने चाहिए, ताकि संशोधित मतदाता सूची में इन नामों को शामिल किए जाने पर विचार किया जा सके। याद रहे कि बचे हुए एक महीने से कम समय में जिन मतदाताओं के हस्ताक्षरयुक्त तथा आवश्यक प्रमाणपत्रों से युक्त फार्म आयोग के पास पहुंच जाएंगे, उनके और सिर्फ उन्हीं के नाम संशोधित मतदाता सूची में शामिल होने के विचारार्थ स्वीकार किए जाएंगे। जो ये फार्म नहीं भर पाएंगे या जिनके मुकम्मल फार्म तय अंतिम तारीख तक आयोग के पास नहीं पहुंच पाएंगे, वे खुद-ब-खुद प्रस्तावित मतदाता सूचियों से बाहर हो जाएंगे।

बेशक, अब तक के मतदाता सूचियों में शामिल मतदाताओं को, उनके मतदाता सूचियों में जुड़ने की तारीख के हिसाब से तीन अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया और इनमें से हरेक श्रेणी में आने वाले मतदाताओं से अलग-अलग हद तक दस्तावेजों की मांग की गयी है, लेकिन अपने जन्म स्थान व जन्म तिथि के प्रमाण के साथ अर्जी देने की शर्त सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए है। एक महीने से कम समय में यह प्रक्रिया पूरी होना असंभव है। बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा। फिर भी मुद्दा सिर्फ इस पूरी प्रक्रिया के लिए उपलब्ध समय का ही नहीं है, हालांकि बिहार के संदर्भ में इस जल्दबाजी का भी विशेष अर्थ भी है और महत्व भी।

इसी दौरान चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण का यह प्रोजेक्ट पूरे देश के पैमाने पर लागू किया जाएगा – पहले बिहार में, फिर उन राज्यों में जहां अगले चक्र में विधानसभाई चुनाव होने हैं और फिर बाकी सभी राज्यों में भी। इस संदर्भ में समय-सारणी की अनुपयुक्तता से भी ज्यादा महत्वपूर्ण इस प्रक्रिया के लिए अपनायी जाने वाली पद्धति से जुड़े अन्य मुद्दे हो जाते हैं। अंग्रेजी की यह कहावत इस पर एकदम फिट बैठती है कि- डेविल इज़ इन डिटेल यानी राक्षस तो ब्यौरे में है!

बहरहाल, प्रक्रिया के इन ब्यौरों में जाने से पहले, एक नजर यह निर्णय जिस तरह लिया गया है, उसके अलोकतांत्रिक मनमानेपन पर डालना भी अनुपयुक्त नहीं होगा। हैरानी की बात नहीं है कि बिहार में ही नहीं, बल्कि देश भर में लगभग समूचे विपक्ष ने चुनाव आयोग द्वारा बम की तरह अचानक अपने सिर पर इस फैसले के फोड़ दिए जाने की भी तीखी आलोचना की है। नये मुख्य चुनाव आयुक्त के आने के बाद, राजनीतिक पार्टियों के साथ परामर्श में भी और आम तौर पर भी चुनाव आयोग ने आने वाले समय के लिए अपनी जो डेढ़ दर्जन प्राथमिकताएं बतायी थीं, उनमें इसका कोई जिक्र नहीं था। यहां तक कि बिहार में राजनीतिक पार्टियों के साथ चुनाव की तारीखों की घोषणा की ऐन पूर्व-संध्या में बुलायी गयी आखिरी बैठक में भी इसका कोई जिक्र नहीं था। जैसे चुनाव आयोग को एक दिन अचानक मतदाता सूचियों में ऐसा पुनरीक्षण कराने की जरूरत का इलहाम हुआ और उसने राजनीतिक पार्टियों से, जो चुनाव में मुख्य खिलाड़ी होती हैं, किसी भी चर्चा के बिना ही यह फैसला थोप दिया। लेकिन क्यों? जाहिर है कि चुनाव आयोग ने इसके पक्ष में मतदाता सूचियों को स्वच्छ बनाने की दलील दी है। नये नाम जुड़ने तथा मृतकों के नाम कटने की कमजोरियों से लेकर, पलायन से लेकर अवैध घुसपैठ तक की दलीलें दी हैं। लेकिन, ये दलीलें बहानेबाजी ही ज्यादा लगती हैं। इस बहानेबाजी में जो सांप्रदायिक इशारे झांक रहे हैं, वे भी किसी से छुपे नहीं रहेंगे। सच्चाई यह है कि बिहार से अब9 जो प्रक्रिया शुरू हो रही है, एक प्रकार से समूची मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने की प्रक्रिया है। क्या 2024 के आम चुनाव जिस मतदाता सूची के आधार पर हुए थे, उसे पूरी तरह से खारिज करने के जरिए चुनाव आयोग आम चुनाव की वैधता को ही खारिज नहीं कर रहा है। यह सिर्फ बिहार में चुनाव के लिए ही नहीं है, पूरे देश में आम चुनाव के लिए ही है, क्योंकि यह नुस्खा पूरे देश के लिए ही पेश किया जा रहा है। यह दिलचस्प है कि चुनाव आयोग ने चंद महीने पहले ही देश भर में मतदाता सूचियों के समरी रिवीजन की प्रक्रिया पूरी की थी। उसके बाद अचानक मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने का निर्णय लिए जाने की क्या तुक है? अब हम ब्यौरों पर आते हैं। इसके लिए अपनायी जाने वाली पद्धति या प्रक्रिया के ब्यौरों का पहला पक्ष, उसके मूल सिद्धांत का है। अब तक भारत में मतदान सूची में लोगों को भर्ती करना राज्य या शासन की जिम्मेदारी रही है। मताधिकार की आयु पूरी होते ही, हरेक व्यक्ति मत का अधिकारी हो जाता है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज करना चुनाव आयोग अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानता आया है।

संपादकीय

चीन हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा

उत्तराधिकार के मसले पर भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। इसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी।

चीन से टकरावः 14वें दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी Gaden Phodrang Trust को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन का कहना है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए।

दलाई लामा की ताकतः तिब्बत के लिए दलाई लामा केवल धार्मिक गुरु नहीं हैं - वह उसकी सांस्कृतिक पहचान, उसके वजूद और उसके ताकत के केंद्र हैं। 1959 में जब उन्हें कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं - चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है।

भू-राजनीतिक असरः चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर जियो-पॉलिटिक्स का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे।

दबाव डालने का मौकाः चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग तनाव का एक कारण यह भी है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

बादल फटनाः आसमानी कहर मानवजनित संकट

योगेश कुमार गोयल

बरसात के मौसम में हर साल जैसे ही आसमान में काले बादल मंडराने लगते हैं, भारत के पहाड़ी राज्यों में एक खौफ साथ चलने लगता है, बादल फटने का। यह एक ऐसी विनाशकारी प्राकृतिक आपदा है, जो कुछ ही पलों में जनजीवन को तहस-नहस कर देती है और मानव जीवन के साथ वन संपदा और बुनियादी ढांचे को भी तबाह कर देती है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और मंडी में इस समय बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। हाल में मंडी के करसोग और धर्मपुर में और पिछले माह कुल्लू के सैंज घाटी में बादल फटने की घटना ने न केवल कई घरों को उजाड़ दिया बल्कि पूरे वन क्षेत्र और जनसंपत्ति को भी व्यापक नुकसान पहुंचाया। आसमान से बरसे पानी ने नालों को उफनती नदियों में बदल दिया। सड़कों को मलबे से ढक दिया, कुछ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लापता हो गए। शिलागढ़ की चोटियों पर अचानक बादल फटा, जिससे मूसलाधार बारिश और पहाड़ी ढलानों से बाढ़ जैसा बहाव नीचे की ओर बढने लगा। सड़कें, पुल, बिजली और जल आपूर्ति जैसी आधारभूत संरचनाएं बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई। शहरी से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक चारों तरफ तबाही का मंजर बन गया। जीवा नाला और गड़सा क्षेत्र में जलप्रवाह इतना तीव्र था कि रास्ते में आए रई, तोष और देवदार जैसे मूल्यवान वृक्ष तक बह गए।

वन विभाग के अनुमान के अनुसार, गड़सा और पार्वती रेंज की लगभग 20 हजार हेक्टेयर वन संपदा प्रभावित हुई। वन निगम द्वारा स्लीपर बनाने के लिए संग्रहित लकड़ी भी बह गई। वन विभाग के अनुसार, केवल गड़सा रेंज में ही 2022 से अब तक 8000 क्यूबिक मीटर लकड़ी निकाली गई थी, जो बादल फटने से आई बाढ़ में बह गई। बादल फटने की इस घटना ने एक बार फिर हमें यह सोचने पर विवश कर दिया है कि आखिर क्यों पहाड़ों में ये घटनाएं बार-बार हो रही हैं? और क्या हम इनसे बचाव की कोई पुख्ता रणनीति तैयार कर पा रहे हैं? जलवायु परिवर्तन, अंधाधुंध विकास और पर्वतीय पारिस्थितिकी के संतुलन में हस्तक्षेप, ये सभी कारण बादल फटने की घटनाओं को न केवल अधिक आम बना रहे हैं बल्कि और खतरनाक भी। यह पहली बार नहीं, जब पहाड़ों ने इस तरह का कोप देखा हो। सबसे पहले समझें कि बादल फटना आखिर होता क्या है? भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के अनुसार, जब किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र (लगभग 10 वर्ग किलोमीटर) में एक घंटे के भीतर 100 मिलीमीटर या उससे अधिक वर्षा होती है तो इसे बादल फटना कहा जाता है। यह कोई विस्फोट नहीं होता बल्कि सीमित क्षेत्र में अत्यधिक तीव्र गति से हुई वर्षा की घटना होती है। यह इतनी तीव्र होती है कि जल निकासी प्रणाली उसे झेल नहीं पाती और परिणामस्वरूप भयंकर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। यह घटना आमतौर पर समुद्र तल से 1000 से 2500 मीटर की ऊंचाई वाले इलाकों में देखने को मिलती है। क्युमुलोनिम्बस नामक भारी और घने वर्षणकारी बादल, जो भारी वर्षा और बिजली गिरने के लिए जिम्मेदार होते हैं, बादल फटने का प्रमुख कारण होते हैं। गर्म हवा जब जमीन से ऊपर उठती है और बादलों में जाकर नमी को ऊपर ले जाती है, तब वह बारिश की बूंदों के रूप में वहां जमा होती जाती है। यदि ऊपर की ओर जाने वाली गर्म हवा अचानक कमजोर हो जाती है तो बादलों में संचित भारी नमी एक ही बार में बहुत तीव्र गति से नीचे गिरती है। इस प्रक्रिया को %लैंगमुइर प्रेसिपिटेशन प्रोसेस% कहा जाता है। भारत में बादल फटने की घटनाओं में लगभग 90 प्रतिशत मामले हिमालयी क्षेत्र अथवा उसके आसपास के राज्यों (जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और पूर्वोत्तर के पहाड़ी इलाकों) में देखने को मिलते हैं। प्रश्न यह है कि हिमालय जैसे क्षेत्रों और पहाड़ी इलाकों में ये घटनाएं अधिक क्यों होती है? इसका कारण है स्थलाकृतिक उत्थापन ओरोग्राफिक लिफ्टिंग। जब नम हवाएं पहाड़ों से टकराती हैं तो उन्हें ऊपर उठना पड़ता है। ऊंचाई बढने के साथ तापमान गिरता है, जिससे हवा में मौजूद नमी संघनित होकर भारी वर्षा का कारण बनती है। जब यह संघनन असामान्य तीव्रता प्राप्त कर लेता है, तब बादल फटने जैसी स्थिति उत्पन्न होती है।

इसके अलावा, हिमालयी क्षेत्र में मौसम की अस्थिरता, तापमान और हवा की दिशा में तेजी से बदलाव, मानसूनी हवाओं के अचानक टकराव जैसी स्थितियां बादल फटने की संभावनाओं को और भी बढ़ा देती हैं। हिमालयी क्षेत्र में तापमान, वायुदाब और हवाओं की दिशा में तेज बदलाव बादलों को अस्थिर कर देता है। इसके अलावा जब बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली मानसूनी हवाएं टकराती हैं तो यह बहुत अधिक नमी लेकर आती हैं, जो पहाड़ों से टकराकर भारी बारिश या बादल फटने का कारण बनती हैं। भारत में पिछले कुछ वर्षों में बादल फटने की घटनाओं की संख्या और तीव्रता में वृद्धि देखी गई है। 2023 में अमरनाथ गुफा के पास अचानक हुई बादल फटने की घटना में 16 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी और दर्जनों लापता हो गए थे। 2022 में धर्मशाला में इसी प्रकार की घटना से भूस्खलन और घरों को व्यापक क्षति पहुंची थी। 2021 में उत्तराखंड के चमोली में ग्लेशियर टूटने के साथ बादल फटने की घटना ने 70 से अधिक लोगों की जान ली। 2013 की केदारनाथ त्रासदी तो आज भी लोगों के जेहन में ताजा है, जिसमें 5000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

इन सभी घटनाओं का एक साझा पहलू है मानवजनित गतिविधियों का दखल। पहाड़ी इलाकों में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, अनियंत्रित निर्माण कार्य, जंगलों की कटाई, अवैज्ञानिक तरीके से सड़क और सुरंगों का निर्माण, नदी-नालों के प्राकृतिक प्रवाह में अतिक्रमण जैसी गतिविधियां इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। जलवायु परिवर्तन ने इसमें आग में घी का काम किया है। मौसम में असामान्य बदलाव, अत्यधिक वर्षा के पैटर्न का बदलना और ग्लेशियरों का पिघलना इस आपदा की तीव्रता और आवृत्ति को लगातार बढ़ा रहा है। बादल फटना अपने साथ भीषण तबाही लाता है। जब अत्यधिक मात्रा में पानी एक साथ गिरता है तो नदी-नालों का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है, जिससे फ्लैश फ्लड यानी तात्कालिक बाढ़ आ जाती है। पानी के साथ बहते मलबे, पत्थरों और पेड़ों के कारण भूस्खलन और संरचनात्मक क्षति होती है, सड़कें, पुल, भवन, संचार व्यवस्था और बिजली जैसे संसाधन पूरी तरह नष्ट हो जाते हैं। वन संपदा की दृष्टि से भी बादल फटने की घटनाएं अत्यंत विनाशकारी हैं। कुल्लू की घटना में जिस प्रकार रई और देवदार जैसे सैंकड़ों पेड़ बह गए, उससे न केवल जैव विविधता को भारी नुकसान हुआ बल्कि भू-क्षरण और भूस्खलन की संभावना भी कई गुना बढ़ गई।

(स्वतंत्र लेखक एवं स्तंभकार)

भारत में चिकित्सा शिक्षा भविष्य के डॉक्टरों और प्रतिभाओं का मूल्य निर्धारण कैसे कर रही है

विजय गर्ग

भारत में डॉक्टर बनने की लागत पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ गई है। कई लोगों के लिए, वित्तीय बोझ प्रवेश परीक्षा की तैयारी के वर्षों के साथ शुरू होता है, महंगी चिकित्सा डिग्री के माध्यम से जारी है, और अक्सर ऋण या परिवार के बलिदान की आवश्यकता होती है। बढ़ते खर्च अब आकार दे रहे हैं जो मेडिकल करियर को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं और जो पीछे रह गए हैं। हम डॉक्टरों के साथ देश में डॉक्टर बनने की लागत जानने के लिए बोलते हैं, एक सपना जो कई बच्चों के रूप में है। चिकित्सा शिक्षा का वित्तीय बोझ कितनी जल्दी शुरू होता है? डॉक्टरों के अनुसार, यह सिर्फ एमबीबीएस की फीस नहीं है क्योंकि यात्रा बहुत पहले शुरू होती है और लागत तेजी से ढेर हो जाती है। विजय गर्ग ने बताया कि ज्यादातर मेडिकल एस्पिरेंट्स नीट कोचिंग पर कक्षा 9 या 11 की शुरुआत में बड़ा खर्च करना शुरू कर देते हैं। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश करने से पहले यह चार से पांच साल का गहन निजी ट्यूशन है। सरकारी एमबीबीएस कॉलेजः 5 सेः 10 लाख निजी मेडिकल कॉलेजः 20 लाख से 1 करोड़ स्नातकोत्तर विशेषज्ञताः कई और लाख जोड़ता है इसमें कोचिंग, प्रवेश परीक्षा की लागत, रहने का खर्च और एक दशक लंबी प्रतिबद्धता जोड़ें, और आप एक ऐसे कैरियर को देख रहे हैं जो कई लोगों के लिए आर्थिक रूप से पहुंच से बाहर महसूस कर सकता है। क्या कुछ छात्र लागत के कारण अपने सपनों को छोड़ देते हैं?

वित्तीय दबाव भारी था। मैंने देखा है कि प्रतिभाशाली छात्र सिर्फ इसलिए दवा छोड़ देते हैं क्योंकि उनके माता-पिता फीस का भुगतान नहीं कर सकते हैं परिवार भारत में मेडिकल डिग्री कैसे देते हैं? विजय गर्ग के अनुसार, यह केवल ऋण, बलिदान और ऊधम के बारे में है।

अंकुश गर्ग और उनके साथियों जैसे कई युवा डॉक्टरों ने शिक्षा ऋण लिया, अक्सर उच्च ब्याज दरों पर। कुछ माता-पिता ने एक बच्चे के सपने को जीवित रखने के लिए संपत्ति बेची, भारी उधार ली, या परिवार के खर्चों को घटा दिया।

अन्य लोगों ने ऋण किस्तों को चुकाने के लिए अध्ययन करते हुए अस्पतालों में अंशकालिक काम किया। स्नातक होने के बाद दबाव नहीं रुकता है, यह अक्सर उनके करियर के बाकी हिस्सों को आकार देता है। क्या कम संपन्न छात्रों को चिकित्सा शिक्षा से बाहर रखा जा रहा है? डॉ अंकुश गर्ग ने कहा कि आज की मेडिकल क्लासरूम तेजी से संपन्न परिवारों के छात्रों से भरे हुए हैं।इससे पहले, समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व किया गया था। अब, मैं कई छात्रों को आर्थिक रूप से विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि से आते हुए देखता हूं, उन्होंने देखा।

उन्होंने चेतावनी दी कि कम आय वाले परिवारों के छात्र अक्सर फीस और मेट्रो शहरों में रहने की लागत दोनों के साथ संघर्ष करते हैं जहां अधिकांश मेडिकल कॉलेज आधारित होते हैं। उन्होंने कहा, यह वित्तीय बाधा चुपचाप संकुचित हो रही है जो सफेद कोट पहनने के लिए मिलता है. क्या अब ब्याज पर आय के लिए विशेषज्ञता चुनी गई है? अफसोस की बात है, हाँ। विजय गर्ग ने बताया कि वित्तीय बोझ युवा डॉक्टरों को उच्च भुगतान वाली विशेषज्ञता की ओर धकेलता है, जरूरी नहीं कि उनका जुनून हो।

सामुदायिक चिकित्सा, ग्रामीण सेवा, पारिवारिक स्वास्थ्य, और ऐसी अन्य सेवाएं अक्सर दरकिनार हो जाती हैं क्योंकि वे मोटी शिक्षा ऋण को कवर करने के लिए पर्याप्त भुगतान नहीं करते हैं।

डॉ. अंकुश गर्ग सहमत हुए। उन्होंने कहा कि कई डॉक्टर मेट्रो शहरों में निजी अस्पतालों की ओर बढ़ते हैं, खासकर डीएम (डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन) और एमसीएच (मास्टर ऑफ चिरुरगिया) जैसी सुपर-विशेषज्ञता हासिल करने के बाद, क्योंकि यही पैसा है। छोटे शहर और ग्रामीण क्षेत्र कम रहते हैं। क्या वर्तमान वित्तीय सहायता चिकित्सा उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त है? दोनों डॉक्टरों ने कहाः वास्तव में नहीं।जबकि छात्रवृत्ति और शिक्षा ऋण मौजूद हैं, वे अक्सर ब्याज दरों और कठोर पुनर्भुगतान समयसीमा को पूरा करने या आने के लिए कठिन होते हैं। गर्ग ने इस बात पर जोर दिया कि कम ब्याज या ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण महत्वपूर्ण हैं, खासकर कम सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए।दोनों डॉक्टरों ने जोर देकर कहा कि नीतिगत सुधारों के बिना, उज्ज्वल छात्रों को पेशे से बाहर रखा जा सकता है, और भारत अपनी अगली पीढ़ी के कुशल, भावुक डॉक्टरों को खोने का जोखिम उठाता है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शैक्षिक स्तंभकार, प्रख्यात शिक्षाविद्, गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

आम आदमी को मताधिकार से वंचित करने की चुनाव आयोग कर रहे हैं साजिश - सपा

मतदाता पुनरीक्षण के विरोध में सड़क पर उतरेंगे हम सपाई - पप्पू

जमालपुर।

सूबे में विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण 2025 अभियान को लेकर समाजवादी पार्टी की ओर से जिला मुख्यालय स्थित पार्टी की अस्थायी कार्यालय बेलन बाजार में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने किया। बैठक के दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण 2025 पर कड़ा प्रतिरोध जताते हुए इसे वापस लेने की मांग की गई। पप्पू यादव ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण का यह अभियान समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मताधिकार से वंचित करने की भाजपा जदयू और चुनाव आयोग का तानाशाही षड्यंत्र है जो बिहार चुनाव के पूर्व 20 से 30 प्रतिशत मतदाता को मतदान सूची से बाहर निकालने की तैयारी कर रही है, जिसके विरोध में आम जनता समय रहते अगर सड़क पर नहीं उतरती है तो उसे उसके इस वास्तविक और लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित कर दिया जाएगा। लोहिया वाहिनी के प्रदेश महासचिव रविकांत झा, महासचिव मिथलेश यादव ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान के बहाने बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से दलितों, शोषितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों को मताधिकार के मौलिक अधिकार के हनन की साजिश कर रही है। जिस-ाका हम सपाई जमकर विरोध करेंगे। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से मतदाता पुनिरीक्षण के विरोध में सपाई ने आन्दोलन के निर्णय के तहत रविवार से सड़क पर उतरने का फैसला लिया है। मौके पर मुंगेर नगर अध्यक्ष मो आजम, जमालपुर नगर अध्यक्ष अमर शक्ति, मीडिया प्रभारी मनोज क्रांति, वरिष्ठ नेता छडपन मंडल, गोपाल वर्मा, सुबोध कुमार शर्मा, मथुरी यादव उपस्थित थे।

मुहर्रम को लेकर लाइट माईकिंग, पानी का व्यवस्था पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सह पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव जी कर रहे हैं

शांति,सद्भाव,भाईचारा का एक मिशाल कायम भागलपुर किया है।

दिव्य दिनकर

भागलपुर आज सभी त्योहार पर गर्म जोशी के साथ पूजा समिति सभी अधिकारी पदाधिकारी के बीच जनता की जन समस्या को रखते हैं।हर साल की भांति इस साल भी मोहर्रम को लेकर पूजा समिति की पूरी टीम अपने-अपने क्षेत्र में, कार्य कर रहे हैं।जी हां विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा 16 साल से मोहर्रम के जुलूस में लाइट की व्यवस्था माइक की व्यवस्था पानी की कुर्सी टेबल की व्यवस्था व सफल बनाने के लिए रात भर पूजा समिति की टीम लगी रहती है। मोहर्रम कमेटी के द्वारा खलीफा को सम्मानित किया जाता है। मोहर्रम जुलूस को शांति ,सद्भाव भाईचारा से निकलने में अहम रोल रहता है ।इस बार 6 तारीख को मुहर्रम मनाया जाएगा और जुलूस निकाला जाएगा कैंप में जिला प्रशासन हो या एसडीओ हो डीएसपी हो नाथनगर का बीड-ीओ वही सभी थाना अध्यक्ष के साथ साथ सभी लोग उपस्थित रहते हैं ।मौके पर विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव, देवाशीष बनर्जी ,भावेश यादव, अशोक राय, निर्जात अंसारी, प्रवीण यादव ,रोहित यादव, चंदन मिश्रा ,राजेंद्र लाल, संतोष कुमार, शिव शंकर सिंह ,विवेक यादव ,शंकर यादव ,मास्टर विक्रम यादव ,अभिनंदन यादव, लक्ष्मी यादव ,उपेंद्र साह ,अशोक साहू ,आकाश यादव, जितेंद्र यादव ,संतोष मिश्रा ,शंकर चौधरी, दिलीप मालाकार ,राजू मालाकार, पिंकू कुमार सभी लोग रात भर लगे रहेंगे भागलपुर गंगा जमुना तर्जिश के लिए जाना जाता है।

गोह मे डायग्नोस्टिक सेंटर' की दूसरी शाखा का उद्घाटन

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सराहनीय पहल- मनोज शर्मा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) गोह के सक्रिय समाजसेवी मृत्युंजय उपाध्याय द्वारा स्वास्थ्य सेवा को ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंचाने के उद्देश्य से रफीगंज रोड स्थित अपने निजी भवन में ' डायग्नोस्टिक सेंटर' की दूसरी शाखा का भव्य शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा की > ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आज की सबसे बड़ी आवश्यकता हैं। मृत्युंजय उपाध्याय जी ने यह पहल कर न सिर्फ क्षेत्र को एक नई सुविधा दी है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का भी कार्य किया है। यह सेंटर आम लोगों को समय पर जांच और इलाज का साधन देगा, जिससे बड़ी बीमारियों से समय रहते निपटा जा सकेगा। मैं इस सराहनीय कार्य के लिए उन्हें बधाई देता हूँ। इस कार्यक्रम में दीपक उपाध्याय,सुनील शर्मा,उमेश पासवान,राजीव विद्यार्थी,भोला यादव,धीरज सिंह चौहान,मोनू उपाध्याय,संजय सिंह,विष्णु तिवारी, उपेंद्र उपाध्याय, राम प्रयोजन उपाध्याय,सोनल मिश्रा, क्रांति सूर्या,बबलू सिंह,चुन्नू सिंह, सुरेंद्र शर्मा, सतेंद्र शर्मा, बबन उपाध्याय,शेखर उपाध्याय, मोहरलाल मिश्रा, रामप्रवेश मिश्रा,सुनील उपाध्याय, दिलीप त्रिवेदी सहित,कार्यक्रम में दर्जनों स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस डायग्नोस्टिक सेंटर को क्षेत्र की जरूरत बताया और इसके शुरू होने पर मृत्युंजय उपाध्याय के प्रयास की सराहना की।

जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की भौतिक बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी सह जिला सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की भौतिक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में जिले में बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं की प्रवृत्ति, उनके कारणों, तथा रोकथाम हेतु उठाए जा सकने वाले ठोस एवं प्रभावी उपायों पर गंभीरतापूर्वक विमर्श किया गया। बैठक के आरंभ में जिला पदाधिका-री द्वारा जिले में विगत महीनों में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसके अनुसार जून 2025 तक जिले में सड़क दुर्घटनाओं में 206 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 118 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने इसे अत्यंत ही गंभीर और चिंताजनक बताया तथा संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा को लेकर विभागीय समन्वय और कर्तव्यों के निर्वहन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। जिला पदाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने हेतु सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉट स्थलों पर आवश्यक संरचनात्मक सुधार जैसे- साईनेज, चेतावनी बोर्ड, रंबल स्ट्रिप्स एवं स्पीड ब्रेकर इत्यादि की शीघ्र स्थापना सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अभियंताओं को दिया। साथ ही, उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की रोकथाम हेतु जिले में हेलमेट एवं सीट बेल्ट जाँच अभियान को और अधिक सघन, सुनियोजित तथा परिणामोन्मुख बनाने की आवश्यकता जताई। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि परिवहन विभाग, बिहार, पटना से प्राप्त निदेशों के आलोक में औरंगाबाद जिले में लगातार विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। मोटरयान निरीक्ष-ाक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक तथा सभी थाना प्रभारी नियमित रूप से हेलमेट एवं सीट बेल्ट की जांच कर रहे हैं। नियम उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए शमन शुल्क की वसूली की जा रही है। माह अप्रैल से अबतक 2025 में विभाग द्वारा निर्धारित 1 करोड़ 91 लाख रुपये के राजस्व लक्ष्य के विरुद्ध 3 करोड़ 51 लाख 90 हजार रुपये की राशि वसूली गई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 184.24 प्रतिशत है, जो अभियान की सफलता को दशार्ता है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने यह भी अवगत कराया कि जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में संचालित

वाहनों की सघन जांच की जा रही है, जिसके तहत अब तक 48 डिफाल्टर वाहनों पर शमन की का-र्रवाई की गई है तथा यह प्रक्रिया सतत रूप से संचालित है ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हिट एंड रन मामलों की अद्यतन जानकारी साझा करते हुए यह बताया गया कि 1 अप्रैल 2022 से अब तक जिले में इस श्रेणी के अंतर्गत कुल 368 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 354 मामलों को जिला पदाधिकारी द्वारा अनुमोदित कर बीमा कंपनी (ळप्ब्ए मुंबई) को अग्रसारित किया गया है। इनमें से अब तक 259 लाभुकों के खातों में मुआवजा राशि का भुगतान हो चुका है। वहीं नन हिट एंड रन श्रेणी में जिले से कुल 145 मूल संचिकाओं को ट्रिब्यूनल कोर्ट, गया में भेजा गया है, जिनका निराकरण प्रचलन में है।बैठक में सभी सदस्यों द्वारा सड़क सुरक्षा की दिशा में सामूहिक प्रयास, जन-जागरूकता अभियान, विभागीय समन्वय तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा सड़क सुरक्षा की दिशा में सामूहिक प्रयास, जन-जागरूकता अभियान, विभागीय समन्वय तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक द्वारा सभी थानाध्यक्षों को निदेशित किया गया कि प्रत्येक माह सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित सभी अभिलेख जैसे- प्राथमिकी प्रतिलिपि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, बीमा कागजात आदि की एक प्रति जिला परिवहन कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि मामलों के निपटारे में विलंब न हो और संबंधित लाभुकों को समय पर सहायता प्राप्त हो सके। बैठक में पुलिस उपाधीक्ष-ाक (यातायात), सिविल सर्जन औरंगाबाद, परियोजना निदेशक एनएचएआई सासाराम, एनएच-139 एवं एनएच-120 के प्रतिनिधिगण, जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक सहित अन्य विभागीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिला पदाधिकारी कि अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित किया गया, कई समस्याओं का समाधान भी किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया,इस जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए कुल 13 परिवादियों ने अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष र-खीं। नागरिकों द्वारा भूमि विवाद, सड़क और जल निकासी की समस्या, नाली-गली की स्थिति, बहाली में अनियमितता तथा अतिक्रमण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाया गया।

हसपुरा प्रखंड के ग्राम पचरूखिया, पोस्ट धमनी निवासी विकास कुमार ने भूमि क्रय-विक्रय रोक सूची से नाम हटाने का अनुरोध किया। वहीं देव प्रखंड के ग्राम ढिबरा, पंचायत बनुआं से आए सुनील भुईया एवं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ढिबरा से महादलित टोला तक बनने वाली स्वीकृत सड़क का निर्माण संवेदक द्वारा किसी अन्य स्थान पर कर दिया गया है। रफीगंज प्रखंड के

ग्राम भेटानियों निवासी उदित कुमार ने टोला सेवक/शिक्षा सेवक के चयन में गड़बड़ी की शिकायत की। औरंगाबाद प्रखंड के ग्राम करेजा निवासी सिकंदर कुमार ने घरेलू जल निकासी की समस्या को सामने रखा, जबकि बारूण थाना क्षेत्र के सिरिस टोले, भोपतपुर की श्रीमती रजनी देवी उर्फ राजपति देवी ने पुनपुन नदी के कटाव से अपने घर को हो रहे खतरे की ओर ध्यान आकृष्ट किया। इसके अतिरिक्त अन्य परिवादियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखीं।

जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री ने सभी परिवादों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक परिवाद की निष्पक्ष जांच करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को शीघ्र न्याय मिल सके।

जनता दरबार की समाप्ति पर जिला पदाधिकारी ने उपस्थित नागरि-कों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन आमजन के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और उनकी समस्याओं का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जनता दरबार जिले के नागरि-कों के लिए एक सशक्त मंच के रूप में स्थापित हो चुका है, जिससे आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

रक्तसेवक बमेंद्र ने पिता की पुण्यतिथि पर रक्तदान करा दी श्रद्धांजलि

रक्तदान को अपनी जिम्मेदारी बनाएं : बमेंद्र

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

धन कितना भी हो जाए वो आपको जीवित नहीं रख सकता।याद रखिए आप अमीर हो सकते हैं अमर नहीं।इसलिए सहारा बने किसी भी असहाय जरूरतमंदों की, प्यासे को पानी पिला कर ,भटके को रास्ता दिखाकर, भूखे को खाना खिलाकर और जिंदगी मौत से लड़ रहे मरीज को अपने जिस्म से रक्त का कुछ अंश देकर।उक्त बातें औरंगाबाद कुटुंबा प्रखण्ड के चकूआ निवासी रक्त सेवक बमेंद्र कुमार सिंह ने अपने पिता की दसवीं पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर कार्यक्रम में कहा।समाजसेवी और पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह के पिता स्व इंद्रदेव सिंह एक रेल अधिकारी थे और अपने जीवनकाल में हमेशा परि-वार,रिश्तेदार एवं जरूरतमंदों की सेवा में लगे रहे। बमेन्द्र ने बताया की अपने पिता की प्रेरणा से ही वो समाजसेवा की क्षेत्र से जुड़े और पी-ड़ित मानवता की सेवा के प्रति अपना जीवन समर्पित कर चुके हैं।पत्नी किरण के साथ बमेन्द्र ने मरणोपरांत नेत्र,किडनी,लिवर दान करने का संकल्प लिए हैं। रक्त अधिकोष,सदर अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन ब्लड बैंक के प्रभारी चिकित्सक डॉ रवि रंजन,पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ,समाजसेविका विजेता पटेल, ब्लड बैंक के रवि कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।अपने संबोधन में डॉ रवि रंजन ने कहा कि रक्तदान के क्षेत्र में बमेन्द्र कुमार सिंह एवं टीम पथ प्रदर्शक का अहम योगदान है।हर अवसर पर इनका प्रयास रहता है जीवनरक्षा के लिए रक्तदान कराने का।खास बीमारी की वजह से खुद असमर्थ हैं रक्तदान करने में परन्तु युवा पीढ़ी को हमेशा रक्तदान के लिए प्रेरित और जागरूक करते हैं।शिविर में विद्या विवेक,संतोष कुमार,रविकांत कुमार,अजय स्वर्णकार,धनंजय कुमार,शाहनवाज आलम,मनोज सोनी,अरुण सिंह सहित कुल दस यु-वाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।

17 महीने के महागठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में तेजस्वी यादव की गिनाई उपलब्धियां

महिलाओं तथा बुजुर्गों के बीच चर्चा में राजद नेताओं ने तेजस्वी यादव को बताया युवा आईकॉन

जमालपुर।

राष्ट्रीय जनता दल जमालपुर नगर इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार को सदर बाजार इलाके में एक विशेष शि-विर लगाकर राजद की नीतियों तथा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के संदेश के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया। शिविर की अध्यक्षता राजद नगर अध्यक्ष बमबम यादव ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के मुंगेर प्रमंडल प्रभारी सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य राजेश रमण उर्फ राजू यादव मौजूद थे। शिविर में शामिल महिला, बुजुर्ग एवं युवक-युवती मतदाताओं को राजेश रमण ने 17 महीने के महागठबंधन सरकार के दौरान राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा उपमुख्यमंत्री के रूप में किए गए कार्यों तथा तत्कालीन सरकार की उपलब्धियां से अवगत कराया। शिविर के दौरान रजब बिहार में तेजस्वी सरकार बनेगी

तबर विषय पर चर्चा करते हुए राजेश रमण ने कहा कि हमारे नेता युवाओं के आइकॉन तेजस्वी प्रसाद यादव जो कहते हैं, वह करते हैं। इनके डिक्शनरी में जुमला नाम का चीज नहीं है। यह भाजपा और दूसरे नेताओं के फालतू बात नहीं करते हैं बल्कि सिर्फ मुद्दे की बात करते हैं। वहीं, मुद्दा जो लोगों की जरूरत है, खास करके रोजगार देने की बात, उद्योग धंधा लगाने की बात, शिक्षा के क्षेत्र में काम करने की बात करते हैं। सदर बाजार में उपस्थित महिलाओं के बीच राजेश रमण और बमबम यादव ने कहा कि मां बहन मान योजना के तहत माता बहनों को 2500 प्रति माह दिए जाएंगे। वृद्धजन पेंशन के तहत वृद्ध जनों को हर महीने मिलने वाले □400 को बढ़ाकर □1500 किया जाएगा। हर घर को हर महीने 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। निशक्त जन /दिव्यांग जन पेंशन /विधवा पेंशनः- निशक्तजन/दिव्यांग जन तथा विधवा माता बहनों को हर महीने मिलने वाले 400 से बढाकर □1500 दिया जाएगा। प्रदेश में उद्योग धंधे लगाए जाएंगे, पलायन को रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, युवाओं को लाखों लाख नौकरियां दी जाएगी, पिछड़े जिले व प्रमंडल में विकास आयोग बनाकर समानुपातिक विकास किया जाएगा, बेरोजगार और छात्रों के लिए सुनहरे अवसर प्रदान किए जाएंगे। मौके पर अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के बरकत कुरैशी, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के राकेश चौधरी, मंतोष कुमार, राम मंडल उर्फ गुड्डू के सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

5 जुलाई दिन शनिवार से देवघर के केकेएन स्टेडियम में शुरू होगा डॉ सुनील खवाड़े देवघर ट्रॉफी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आईपीएल के तर्ज पे टेनिस बॉल में भी देवघर के इतिहास में पहली बार केकेएन स्टेडियम में होगा डॉ सुनील खवाड़े देवघर ट्रॉफी सीजन एक ।जिसका उद्घाटन 5 जुलाई दिन के 12 बजे मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार और डॉ सुनील खवाड़े रहेंगे, विशिष्ट अतिथि में देवघर जिला वॉलीबॉल संघ के मुख्य संरक्षक डॉ जे सी राज हैंड बॉल संघ के चेयरमैन संजय मालवीय, ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह,सचिव लॉन बॉल संघ कृष्ण कुमार , साइक्लिंग संघ के सचिव, ज्ञान शाही , युवा नेता राहुल चंद्रवशी सहित ओलंपिक संघ से कई पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस टूर्नामेंट में टोटल छह टीम भाग ले रही है। इस प्रकार है पी वी आर पैंथर कैलाश फाइटर स्टाइलिश इलेवन मुकेश फ्लावर मां मनसा औरेंज लॉयन लिटिल पैराडाइज इलेवन यह टूर्नामेंट 5 जुलाई से 16 जुलाई 2025 तक चलेगा।इसका ऑक्शन देवघर के उत्सव प्लेस में 29 जून को कराया गया जिसमें सभी टीम ओर आईकॉन खिलाड़ी मौजूद थे आइकॉन की लिस्ट कुछ एक प्रकार है अंकित पांडेय मनीष यादव रंजीत यादव संजीव झा शालू मिश्रा उज्वल राय इस ऑक्शन में सबसे महंगे खिलाड़ी विक्की सिंह (11000) की राशि में जिसको सर्वाधिक बोली लगाकर पी वी ए पैंथर ने अपने साथ जोड़ा। डॉक्टर सुनील खवाड़े ने कहा कि इस टूर्नामेंट को कराने का मकसद है टेनिस बॉल क्रिकेट जो अभी पूरे विश्व में एक स्थान ले रहा है , जैसे कि इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) और टेनिस बॉल क्रिकेट प्रीमियर लीग (टीबीसीपीएल), टेनिस बॉल का उपयोग करके आयोजित किए जाते हैं. वैसे हीं यहां के खिलाड़ियों को एक प्लेटफार्म देना ।ताकि वो भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन बड़े स्तर पे भी कर सके। इस टूर्नामेंट को अंकित स्पोर्ट्स के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। जिसमें अंकित स्पोर्ट्स के नीरज झा ,पंकज कुमार ,और खेल के आयोजन में अक्सर आगे रहने वाले डीएसए सचिव आशीष झा,ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष नवीन शर्मा और सभी फ्रेंचाइजी का योगदान अहम हैं

वार्ड वार्ड छा रहा जनसुराज , प्रोफेसर देवज्योति मुखर्जी

दिव्य दिनकर

भागलपुर शहर में अब जन सुराज चारो ओर दिखने लगा है। पहले तो गाँव मे दिखता ही था, अब प्रोफेसर देबज्योति के अथक प्रयास से भागलपुर के हर वार्ड हर गली में जन सुराज का चर्चा है । जन सुराज अब एनडीए और इंडिया छोड़ तीसरे विकल्प के रूप मे मतदाताओं के सामने खड़ा है । प्रोफेसर देबज्योति का कहना है कि चुनाव के पहले ही जन सुराज बिहार की जनता को जीता दिया है । हम वृद्धा पेंशन को 400 से बढ़ाकर 2000 करने के लिए जोरदार आवाज उठाया। सरकार डर के मारे 1100 करने के लिए बाध्य हो गया। जन सुराज महिलाओं को सस्ता लोन देने की बात की तो सरकार जी-विका बैंक ला रही है । हमने हर जिले मे नेतरहाट जैसा आवासीय विद्यालय खोलने के लिए दबाव डाला, सरकार वैसा विद्यालय खोलने का ऐलान कर दिया। जन सुराज पलायन को मुद्दा बनाया तो आज सभी राजनीतिक दल का मुख्य मुद्दा पलायन बन गया। अब जन सुराज बिहार की राजनीति का केंद्र विंदु बन चुका है। देखना रह गया कि यहीं झुकाव चुनाव मे वोट के रूप मे दिखता है या नहीं !!!

ये मुहब्बत की बारिशें..

बारिश की बूंदों के साथ ही मौसम में छाने लगता है रोमांस। दिल करता है कि वक्त ठहर जाए और ये पल कभी खत्म न हों। रिमझिम मौसम में रोमांस का रंग और गहरा करेंगे ये आइडियाज..

हो जाए लांग ड्राइव

इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास कार हो। बाइक पर लांग ड्राइव का जो मजा है उसकी बात अलग है। सिलीगुड़ी निवासी सुरुचि दास कहती हैं,हमारे पास कार और बाइक दोनों है, पर मुझे तो बारिश में पति के साथ बाइक पर घूमने में ज्यादा मजा आता है। जब बारिश को एंजॉय करना है तो रेनकोट क्यों डालना। बारिश की बूंदें जब तन को छूती हैं तो एक अलग ही तरंग दौड़ जाती है। बाइक में इस तरह घूमते हुए हम उन पलों को याद करते हैं जब हम कॉलेज में थे। किसी खूबसूरत सी जगह पर कुछ देर रुकते हैं और गर्मागम चाय पीते हैं या फिर भुट्टा खाते हैं। हां, बारिश में सड़कें फिसलन भरी होती हैं, इसलिए पति बेहद सावधानी से गाड़ी चलाते हैं।

वहीं कोलकाता की रेशम शर्मा की राय कुछ अलग है। वह कहती हैं, चूंकि बारिश में भीगने से मुझे सर्दी हो जाती है, इसलिए हम लांग ड्राइव पर तो जाते हैं, पर अपनी कार में। क्या हुआ कि बारिश में भीग नहींसकते, पर कार के भीतर बैठकर प्यार की गर्माहट को तो महसूस कर सकते हैं।

बालकनी में कैंडिल डिनर

रोमांस बढ़ाता है कैंडिल लाइट डिनर। मुंबई में घर पर ही बुटीक चलाने वाली अनविता वर्मा कहती हैं, मेरे पति को बारिश का मौसम बेहद पसंद है। चूंकि उनका काफी बिजी शेड्यूल रहता है तो लांग ड्राइव पर जाना हमारे लिए संभव नहीं हो पाता। इसलिए मैंने सोचा क्यों न घर पर ही उनके लिए कुछ खास करूं, जिससे हम दोनों बारिश को एंजॉय कर सकें। मैंने बालकनी में कैंडिल लाइट डिनर ऑर्गेनाइज किया। इसमें उनकी पसंद के व्यंजन से लेकर गाने और फूल तक हर चीज उनकी पसंद की थी। मैंने खुद भी वह ड्रेस पहनी था, जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद थी। यह सरप्राइज पाकर उनकी सारी थकान दूर हो गई। देर रात तक हम जीवन के खूबसूरत पलों को याद करते रहे।

साथी के संग सैर

बारिश में सैर का भी अपना अलग आनंद है। जब बारिश हो रही हो तो अपने पार्टनर के साथ शाम की सैर के लिए निकल सकती हैं। इस दौरान कुछ कहने-सुनने की जरूरत नहीं, क्योंकि बिना कुछ कहे ही आपकी आंखें बयां कर देंगी दिल की सारी बात। नई दिल्ली में रहने वाली सुपर्णा कहती हैं, मेरी लव मैरिज हुई है। हम एक ही कॉलेज में थे। वह मुझसे एक साल सीनियर थे। घर जाने के लिए हमें बस कुछ दूर से मिलती थी। कॉलेज में अकसर बारिश के दिनों में हम बारिश रुकने का इंतजार किए बगैर यूं ही कॉलेज से निकल जाते थे घर के लिए। हमारे पास एक ही छतरी हुआ करती थी, या यूं कहें कि जानबूझकर हम एक ही छतरी रखते थे। एक ही छतरी के नीचे एक-दूसरे को भीगने से बचाने की कोशिश में हम बारिश की बूंदों को भी एंजॉय करते थे। कॉलेज लाइफ के खूबसूरत रोमांस के वे पल आज भी हमें तरोताजा कर जाते हैं। इस तरह कॉलेज रोमांस की यादों को हम आज भी जी लेते हैं।

आउटडोर गेम्स

अगर आप दोनों खेलों में रुचि रखते हैं तो बारिश में घर के टैरेस या लॉन में फुटबॉल या बॉस्केटबाल खेलकर डबल मस्ती-मजा कर सकते हैं। जिन्हें खेलों का शौक नहीं, उनके लिए भी टैरेस और लॉन में मस्ती-मजा का है परफेक्ट आइडिया। टैरेस पर पड़े झूले में साथ बैठकर भीगने से भी आप उतना ही रोमांचित महसूस करेंगे। इलाहाबाद में शिक्षिका सद्भावना गुप्ता कहती हैं, %मेरे बच्चों और पति को गार्डन में पानी में खेलना अच्छा लगता है। मैं भी उनकी इस मस्ती में शामिल हो जाती हूं। हां, इसकी इजाजत देने से पहले मैं, एक शर्त रखती हूं कि सबको हल्दी वाला दूध पीना होगा। मैं नहींचाहती कि बारिश में भीगने के बाद कोई बीमार पड़े। बारिश में मस्ती का एक्साइटमेंट इतना ज्यादा होता है कि सभी मेरी बात खुशी-खुशी मान जाते हैं।

नमक इश्क का

गर्मी के मौसम में खाने-पीने पर काफी कंट्रोल किया, पर अब तो मौसम ने भी दे दी है इसकी इजाजत। यह मौसम ही ऐसा है, जब दिल करता है कुछ तीखा, चटपटा और मसालेदार खाने का। रांची निवासी होममेकर गरिमा ठाकुर कहती हैं, बारिश का असली मजा तो पकौड़ियों के संग आता है। चूंकि इस मौसम में भुट्टा बहुत आता है तो मैं छुट्टी के दिन मैं प्याज, पनीर, बैंगन इत्यादि की पकौड़ियों के अलावा भुट्टे की चाट और पकौड़ियां भी बनाती हूं। भुट्टा सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह स्वाद के साथ सेहत भी बनी रहती है। बारिश के दौरान बालकनी में बैठकर चाय की चुस्कियों के साथ हम चटपटी चीजों का मजा लेते हैं।

रोमांस का रेनी डे

अगर आपको लगता है कि बारिश में बाहर निकलना मुनासिब नहीं होगा तो घर पर ही ले सकती हैं इसका मजा। चंडीगढ़ निवासी कृष्णा अरोड़ा कहती हैं, मैं और पति दोनों ही प्राइवेट नौकरी करते हैं। हफ्ते के छह दिन तो ऑफिस की उलझनों में बीत जाते हैं, पर संडे को हमारा सारा समय एक-दूसरे के लिए होता है। हम दोनों को पुरानी रोमांटिक फिल्में पसंद हैं तो मैंने सोचा है कि क्यों न कोई अच्छी सी डीवीडी लाकर घर में ही सेलीब्रेट किया जाए मानसून को। पति को चाइनीज पसंद है तो उनके लिए किसी अच्छे रेस्त्रां से कुछ ऑर्डर करूंगी। बारिश में साथी के साथ पॉपकॉर्न खाते हुए पुरानी रोमांटिक फिल्म देखने का लुत्फ ही कुछ और है।

बरसात का मौसम मुझे बहुत पसंद है। मैं इसका मजा अपने पति अनिल और बच्चों के साथ लेती हूं। तेज बारिश में हम सब इकट्ठे घर में क्वॉलिटी टाइम बिताते हैं। शादी के शुरुआती दिनों में मैं अनिल के साथ लॉन्ग ड्राइव पर निकल जाया करती थी। बच्चों के आने के बाद से सब साथ में बारिश का मजा लेते हुए लॉन्ग ड्राइव पर जाते हैं। मेरे ख्याल से नवविवाहितों के लिए सबसे अच्छा मौसम बरसात का होता है। दिन में चिलचिलाती धूप नहीं होती। आसमान बादलों से घिरा रहता है। बड़ा अच्छा अहसास देता है। अपने हमसफर के साथ आप अच्छी तरह समय बिता सकते हैं।

रवीना टंडन, अभिनेत्री

बारिश के मौसम में मैं देबीना के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाना पसंद करता हूं। हम कार में अपनी पसंद का कोई पुराना गाना प्ले कर देते हैं और बारिश की बूंदों को महसूस करते हैं। जब हम दोनों घर पर होते हैं तो टमाटर का गर्मागर्म सूप बनाकर टीवी के सामने बैठ जाते हैं। मैं अक्सर लोगों से सुनता हूं कि बारिश उन्हें पसंद नहीं है, लेकिन मुझे तो यह बहुत ही सूदिंग और सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है। देबीना को भी बारिश बहुत पसंद है।

गुरमीत चौधरी, टीवी आर्टिस्ट

मुंबई में रहते हुए बारिश में बाहर निकलना मुझे पसंद नहीं है। मैं बारिश के दिनों में अक्सर घर पर रहता हूं और घर की बॉलकनी में बैठकर बारिश को देखना पसंद है। खिड़की के पास बैठकर चाय की चुस्की लेते हुए या अपनी फैमिली के साथ वक्त बिताकर मैं बारिश को एंजॉय करना पसंद करता हूं। मोहरा फिल्म का मेरा पसंदीदा गाना है। इस गाने को जितनी बार याद करता हूं उतनी बार मेरा बारिश में भीगने का मन करता है।

अक्षय कुमार, अभिनेता

टीवी कलाकारों के लिए समय निकालना तो बड़ा मुश्किल होता है, लेकिन बरसात के मौसम में मैं किसी की नहीं सुनता। अपने प्रोड्यूसरों को किसी तरह मनाकर एक-दो दिन की छुट्टी लेता हूं और निकल पड़ता हूं पत्नी जया और बच्चों के साथ बरसात का मजा लेने। आमतौर पर मैं लोनावला जाता हूं। वहां सब चाट-पकौड़े जमकर खाते हैं। शादी के 25 साल हो चुके हैं। इसलिए, अब जया के साथ शरारतें नहीं करता। बच्चे भी साथ होते हैं। इसलिए हम-दोनों को साथ समय बिताने का वक्त कम मिल पाता है।

फंडा हैप्पी लाइफ का

वर्तमान दौर में इंसान के लिए उसका समय ही सबसे बेशकीमती है। पर हालिया हुए एक अध्ययन में कहा गया है कि अपना समय दूसरों के साथ व्यतीत करने से व्यक्ति के खुश रहने की संभावना बढ़ जाती है।

अमेरिका स्थित वार्टन स्कूल ऑफ पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि अपना समय देकर दूसरों से उससे ज्यादा समय मिलना व्यक्ति को एक सुखद एहसास कराता है। शोध प्रमुख कैसी मोगिल्नर ने बताया कि यह आवश्यक नहीं कि आप अपने समय का एक बहुत बड़ा हिस्सा दूसरों के लिए खर्च करें। वैसे यह कोई पहला मौका नहीं जब वैज्ञानिकों ने दूसरों के साथ समय बिताने को लाभप्रद बताया है। इससे पूर्व पिछले साल हुए एक शोध में भी कहा गया था कि दूसरों के साथ समय बिताने से मनुष्य की उम्र बढ़ जाती है। इस अध्ययन को साइकोलॉजिकल साइंस में प्रकाशित किया गया है। 218 कॉलेज छात्र-छात्राओं पर किए गए एक प्रयोग के तहत यह बात कही गई है। प्रयोग के दौरा न इन छात्रों को दो समूहों में बांटा गया। जिनमें से एक समूह को 25 मिनट के लिए किसी के साथ समय बिताने या बेकार के कामों में अपना समय व्यतीत करने को कहा गया। किसी को समय देने के दौरान उन्हें एक बीमार बच्चे को ई-मेल लिखना था। बाद में जब इन छात्रों से उनकी भावनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि उन्हें लगता है कि उनके पास काफी समय है जिसे वह दूसरों के साथ बिता सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा करने से उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। मोगिल्नर का कहना है कि प्रतिदिन किसी लिए दस से पंद्रह मिनट बिताना भी पर्याप्त है।

जब इंटीरियर को देना हो नया रूप

बात जब घर की साज-सज्जा और सजावट की होती है तो पहली चाह यही रहती है कि घर आए मेहमानों को हर कोना सजा दिखाई ही दे साथ ही यह सजावट दूसरों के घरों से अलग भी हो। यही वजह है पिछले कुछ समय से लोगों ने घर की सज्जा के लिए इंटीरियर डिजाइनर्स और डेकोरेटर्स की मदद लेनी भी शुरू कर दी है। वैसे हर किसी के लिए ऐसा कर पाना संभव नहीं होता, ऐसे में अपनी कल्पना की उड़ान के जरिये भी घर का नया और ताजा रूप रंग दिया जा सकता है।

अगर आप भी अपने घर की सज्जा को खुद ही निखारने की योजना बना रहे हैं तो कुछ बातों का ख्याल रखना तो जरूरी है साथ आप कुछ सवाल स्वयं से भी कर सकते हैं। आइये जानते हैं इन सवालों के बारे में-

प्रोफेशनल की मदद

सबसे पहले यह निर्धारित करें कि घर के इंटीरियर के लिए क्या आप प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में किसी इंटीरियर डिजाइनर की मदद लेंगे या फिर घर की सजावट का नया रंग-रूप देने के पूरे प्रोजेक्ट को स्वयं ही देखेंगे। इस काम में आंशिक रूप से भी प्रोफेशनल की मदद ली जा सकती है।

स्टाइल कैसा होगा

प्रोफशनल की सहायता के बाद यह सोचें कि आप घर की सज्जा को कौन सा स्टाइल देंगे। आप कमरों को मॉडर्न लुक में सजाएंगे या फिर सज्जा का अंदाज पारंपरिक होगा। रस्टिक, फॉरमल के अलावा सोफिस्टिकेटेड और चार्मिंग फॉर्म को भी इंटीरियर डेकोरेशन की थीम के रूप में देखा जाता है। हर स्टाइल का अलग महत्व है। हां, डेकोरेशन शुरू करने से पहले ही थीम का निर्णय कर लिया जाए तो सज्जा को अंजाम तक पहुंचाने में आसानी रहती है।

बजट क्या होगा

स्टाइल और थीम के निर्णय के बाद आरंभिक चरणों में ही बजट बना लेना भी बेहतर रहेगा। इसी समय आप यह निर्णय भी कर सकते हैं कि क्या सिर्फ घर के कुछ हिस्से मसलन बैठक व बेडरूम की सज्जा की जानी है या फिर पूरे घर की रंगत बदलने की योजना है। इस सब पर आप कितना पैसा खर्च कर सकते हैं उसके बजट के साथ यह भी निश्चित कर लें कि पेंट, फैब्रिक, अपहोल्स्ट्री आदि पर आप कितना पैसा खर्च करना चाहते हैं।

विकल्प अपनाएं

अगर इंटीरियर डेकोरेशन के लिए आप अधिक रकम नहीं खर्च करना चाहते तो यह भी संभव है कि इस काम को चरणबद्ध तरीके से किया जाए। मेहमानों का आगमन क्योंकि सबसे पहले लिविंग रूम में होता है इसलिए पहला बदलाव इसी हिस्से में किया जा सकता है। लिविंग रूम के लिए सजावट के नए सामान लेकर यहां रखे गए आर्टीफेक्ट्स को आप बच्चों के कमरे या फिर अपने बेडरूम में शिफ्ट कर सकते हैं।

इसके अलावा कमरे को नया अंदाज देने के लिए सोफा और कुशन कवर्स के साथ नई पेंटिंग आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं।

रंगों का संयोजन

हर रंग की अपनी अलग खासियत होती है। अगर आप इंटीरियर डेकोरेशन में बदलाव करा ही रहे हैं तो घर को नया लुक देने के लिहाज से नया पेंट अच्छा विकल्प है। लेकिन दीवारों की नई कलर थीम क्या होगी, इस बारे में भी पहले ही विचार कर लेना बेहतर होगा। दीवारों पर अगर आप कुछ नया प्रयोग करना चाहते हैं तो इसके लिए वॉल पेपर्स का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

स्टॉक मार्केट में प्रो एफएक्स की धांसू एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑडियो विजुअल सॉल्यूशन मुहैया कराने वाली कंपनी प्रो एफएक्स टेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार लिस्टिंग से अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 87 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 9.20 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 95 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर 99.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन के कारोबार में ही 14.66 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। प्रो एफएक्स टेक का 40.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 30 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी), नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई), हाई नेटवर्थ इंडीविजअल्स (एचएनआई) और रिटेल इन्वेस्टर्स की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 25 गुना से अधिक सब्सक्राइब हो गया था। ये आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयर का है। इसके तहत 46.32 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, नए एक्सपेरिएंस सेंटर स्थापित करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 840 रुपये से लेकर 920 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज मामूली तेजी दर्ज की गई है। भाव में तेजी आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,330 रुपये से लेकर 99,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,050 रुपये से लेकर 91,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी तेजी आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,11,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में ऐश अल्फा टेक की जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। सर्विस सेक्टर की कंपनी ऐश अल्फा टेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि लिस्टिंग के बाद शेयर के भाव में उतार चढ़ाव भी होता रहा। इसके बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी तक के कारोबार में फायदे में नजर आ रहे हैं। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 69 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 17.39 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 81 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर 77.10 रुपये के स्तर तक गिर गया, लेकिन इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने के बाद ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 85.05 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन ही 23.26 प्रतिशत का फायदा हो गया। ऐश अल्फा टेक का 32.22 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 30 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 101.75 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

फिल्मिस्तान स्टूडियो की जमीन पर बनेगी 3,000 करोड़ की लग्जरी आवास परियोजना

मुंबई। रियल एस्टेट कंपनी अरकेड डेवलपर्स लिमिटेड ने 'फिल्मिस्तान प्राइवेट लिमिटेड' इकाई का 183 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने की घोषणा की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इसके लिए एक बाध्यकारी समझौता किया जा चुका है। इस अधिग्रहण के साथ अरकेड डेवलपर्स गोरेगांव पश्चिम में एसवी रोड पर स्थित प्रतिष्ठित फिल्मिस्तान स्टूडियो कि चार एकड़ जमीन पर रियल एस्टेट परियोजना विकसित करने की तैयारी में है। अधिग्रहण करने वाली कंपनी इस परियोजना को 2026 में पेश कर सकती है। डेवलपर कंपनी की योजना वहां अति-लक्जरी आवास विकासित करने की है। कंपनी का कहना है कि वहां 50-50 मंजिला दो आकर्षक ऊंचे टावरों में विशाल तीन, चार और पांच बेडरूम वाले घर के साथ-साथ विशेष पेंटहाउस भी होंगे। कंपनी का दावा है कि 3,000 करोड़ रुपये के अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) के साथ, यह परियोजना पश्चिमी मुंबई में प्रीमियम आवास बाजार में एक चर्चित नाम होगी ।

वैलेंसिया इंडिया ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग बाद बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री के काम करने वाली कंपनी वैलेंसिया इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग से अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 110 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 88 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर 83.60 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया और इसी पर बंद भी हुआ। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन के कारोबार में ही 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

वैलेंसिया इंडिया का 48.95 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 30 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका

रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.28 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.28 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.22 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 44 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 4.50 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ के तहत नए शेयरों की बिक्री के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 25 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़ कर 56 लाख रुपये और 2023-24 में उछल कर 1.94 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 18 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 7.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। अगर पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें तो अप्रैल से दिसंबर 2024 के दौरान कंपनी को 1.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी ने 5.56 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया था।

वरिष्ठ नौकरशाह एपी दास जोशी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के सचिव नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ नौकरशाह एपी दास जोशी को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का सचिव नियुक्त किया है। कार्मिक मंत्रालय के जारी आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में सचिव के रूप में एपी दास जोशी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। असम-मेघालय काडर के 1994 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी जोशी वर्तमान में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) में अतिरिक्त सचिव हैं।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण सचिव संजीव चोपड़ा इस वर्ष 31 मई को सुब्रत गुप्ता के सेवानिवृत्त होने के बाद से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं।

नीति आयोग ने 'रसायन उद्योग को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में सशक्त बनाने' पर एक रिपोर्ट जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग ने केमिकल इंडस्ट्रीः पॉवरिंग इंडिया की वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भागीदारी पर अपनी एक रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट भारत के रासायनिक क्षेत्र का एक व्यापक विश्लेषण प्रदान करती है। इसके साथ ही अवसरों और चुनौतियों दोनों को उजागर करती है, ये रिपोर्ट वैश्विक रासायनिक बाजारों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भारत की स्थिति के लिए एक मार्ग को रेखांकित करती है।

नीति आयोग ने जारी एक बयान में कहा कि यह रिपोर्ट भारत के रसायन क्षेत्र का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है, जिसमें अवसरों और चुनौतियों दोनों पर प्रकाश डाला गया है, तथा वैश्विक रसायन बाज़ार में भारत की अहम भूमिका बनाने के लिए रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। आयोग ने भारत को वैश्विक रासायनिक विनिर्माण महाशक्ति बनाने के लिए महत्वाकांक्षी कार्ययोजना बनाई है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक क्षमता से महाशक्ति तकः 2047 तक विकसित भारत के लिए भारत के रासायनिक क्षेत्र में परिवर्तन भारत का लक्ष्य 2040 तक 01 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का रासायनिक उत्पादन करना है। इसके साथ ही भारत का लक्ष्य वर्ष 2023 में 3.5 फीसदी की जीवीसी भागीदारी को वर्ष 2040 तक बढ़ाकर 5-6 फीसदी करना और भारत के रासायनिक उद्योग में अहम परिवर्तन करना है। इसके अलावा बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित करना है, जिसमें वर्ष 2030 तक 7 लाख अतिरिक्त रोजगार सृजित करने का उद्देश्य शामिल है।

वाहन स्क्रैपिंग को टालने का दिल्ली सरकार का निर्णय व्यावहारिक : खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने दिल्ली सरकार द्वारा वाहनों की स्क्रैपिंग पर निर्णय टालने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को पत्र लिखने का स्वागत किया है और इसे प्रदूषण नियंत्रण एवं जनसुविधा के बीच संतुलन की दिशा में सार्थक कदम बताया है।

खंडेलवाल ने कहा कि व्यापारी वर्ग एवं आम जनता को बड़ी राहत देते हुए दिल्ली सरकार द्वारा पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग के आदेश को स्थगित करने के लिए सीएक्यूएम को पत्र लिखने का निर्णय सराहनीय एवं जनहितकारी कदम है। यह निर्णय व्यापार, परिवहन एवं रोज़गार से जुड़े लाखों लोगों के हितों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा की दिल्ली में बड़ी संख्या में छोटे व्यापारी, टैक्सी/ऑटो चालक एवं अन्य नागरिक पुराने वाहनों के सहारे अपने रोज़गार चलाते हैं। ऐसे में बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए वाहनों को स्क्रैप करने का आदेश सीधे तौर पर लोगों की आजीविका पर प्रहार था।

खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य को बनाए रखते हुए जनता के हित में संतुलित पहल ये दर्शाती है कि सरकार संवेदनशीलता के साथ निर्णय ले रही है। हम अपेक्षा करते हैं कि सीएक्यूएम इस पत्र पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगा और निर्णय को यथोचित अवधि तक स्थगित किया जाएगा। दरअसल

दिल्ली सरकार ने पुरानी गाड़ियों के लिए तेलबंदी पर यूटर्न ले लिया है। इसके लिए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिखा है। उन्होंने मांग की है कि राजधानी में कार्यवधि पूरी करी चुके वाहनों को ईंधन की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के आदेश पर रोक लगायी जाए।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो का अगला संस्करण वर्ष 2027 में किया जाएगा आयोजित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो (बीएमजीई) के तीसरे संस्करण का आयोजन दिल्ली में वर्ष 2027 में 4 से 9 फरवरी तक होने वाला है। इस एक्सपो के आयोजन का उद्देश्य उद्योग के प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों सहित गतिशीलता स्पेक्ट्रम के विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2024 और 2025 में आयोजित पहले दो संस्करणों ने उद्योग के एक विस्तृत क्रॉस-सेक्शन से भागीदारी की और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ स्वच्छ गतिशीलता, नवाचार और एकीकरण जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय और भारी उद्योग मंत्रालय के समर्थन के साथ

व्यापक मंच के रूप में विकसित हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि 2025 के संस्करण में तीन स्थानों आयोजित बीएमजीई मोटर वाहन और गतिशीलता मूल्य श्रृंखला में विकास को दिखाने के लिए एक पर 2 लाख वर्ग मीटर की दूरी तय की गई। भारत मंडपम, यशोभूमी और इंडिया एक्सपो सेंटर और मार्ट, ग्रेटर नोएडा- और 1500 से अधिक प्रदर्शकों ने भागीदारी दर्ज की। वहीं, 9.8 लाख से अधिक आगंतुकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें उत्पाद लॉन्च, प्रौद्योगिकी शोकेस, सम्मेलन, खरीदार-विक्रेता मीट और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल शामिल थे। पहले के संस्करणों के प्रारूप को ध्यान में रखते हुए बीएमजीई 2027 में प्रदर्शनियां, तकनीकी सत्र और हितधारक परामर्श शामिल होंगे। इसके अलावा एक्सपो के दायरे को व्यापक बनाने के लिए नए खंडों पर विचार किया जा रहा है। इनमें रेल, सड़क, वायु, पानी, शहरी और ग्रामीण गतिशीलता को शामिल करते हुए मल्टी-मोडल मोबिलिटी एंड लॉजिस्टिक्स पर एक समर्पित खंड शामिल है।

मॉयल ने जून में रिकॉर्ड 1.68 लाख टन मैंगनीज अयस्क का किया उत्पादन

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मॉयल लिमिटेड ने जून महीने में 1.68 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2 फीसदी अधिक है। कंपनी ने अपनी स्थापना के बाद से रिकॉर्ड तिमाही उत्पादन दर्ज किया है। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) की अवधि के दौरान मॉयल लिमिटेड का 5.02 लाख टन का अबतक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही उत्पादन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.8 फीसदी अधिक है। इसके अलावा 34,900 मीटर की अबतक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम तिमाही अन्वेषीकोर ड्रिलिंग है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 16.2 फीसदी अधिक है। मॉयल लिमिटेड के अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक अजित कुमार सक्सेना ने कंपनी के परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का शानदार प्रदर्शन कंपनी की मजबूत बुनियाद और

निरंतर विकास की संभावनाओं को दर्शाता है। मैंगनीज अयस्क का खनन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की मॉयल लिमिटेड भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन एक मिनीरत्न कंपनी है।

लुलु समूह ने एपीडा के साथ साझेदारी में 'इंडियन मैंगो मेनिया' लॉन्च किया

एजेंसी

नई दिल्ली। आम के मौसम में लुलु समूह ने अबू धाबी में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के साथ साझेदारी में भारतीय मैंगो मेनिया 2025 लॉन्च किया। यूएई में भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने इंडियन मैंगो मेनिया का उद्घाटन किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक भारतीय मैंगो मेनिया का आयोजन भारतीय कृषि उत्पादों, विशेष रूप से आमों की वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाने के अपने सतत प्रयासों के तहत अबू धाबी में किया गया है। यूएई में स्थित भारतीय दूतावास और लुलु समूह के सहयोग से इस आम उत्सव की शुरुआत की गई। यहां भारत की बेहतरीन आम की किस्मों के साथ-साथ आम से बने स्वादिष्ट व्यंजनों और व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया है। केंद्रीय वाणिज्य

एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, भारत के बेहतरीन आमों ने यूएई के बाजारों को जीत लिया है। 'इंडियन मैंगो मेनिया 2025' उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश भर के बागों से हमारे प्रीमियम स्थानीय फल के स्वादों को अमीरात में ग्राहकों के लिए पहुंचा रहा है। हमारे किसान और निर्यातक वैश्विक बाजारों से बढ़ती मांग के साथ अपनी मेहनत की मीठी सफलता का स्वाद चख रहे हैं। मंत्रालय के मुताबिक इंडियन मैंगो मेनिया 2025 में जीआई-टैग विशिष्टताओं सहित भारतीय आम की उत्कृष्ट किस्मों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शित भारतीय आम की उम्दा किस्मों में जीआई-टैग और क्षेत्रीय विशिष्टताएं जैसे बनारसी लंगड़ा, दशहरी, चौसा, सुंदरजा, आम्रपाली, मालदा, भारत भोग, प्रभा शंकर, लक्ष्मण भोग, महमूद बहार, वृंदावनी, फजली और मल्लिका शामिल हैं। आम के शीर्ष मौसम में आयोजित इस संवर्धन का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं, विशेष रूप से यूएई और खाड़ी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर फैले भारतीय प्रवासियों को भारत की उत्कृष्ट आम किस्मों को प्रदर्शित करना है। इस अभियान का आधिकारिक उद्घाटन संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत संजय सुधीर ने लुलु हाइपरमार्केट, खालिदिया मॉल में लुलु समूह के अध्यक्ष यूसुफ अली एमए की उपस्थिति में किया। इस कार्यक्रम में भारतीय दूतावास के काउंसलर (व्यापार और निवेश) रोहित मिश्रा, एपीडा के उप महाप्रबंधक डॉ. सीबी सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

लगातार दूसरे दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी लगातार ऊपर-नीचे होने लगी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.20 प्रतिशत और निफ्टी 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और एफएमसीजी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर रियल्टी, मेटल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह आईटी और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 460.28 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.81 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 53 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,168 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,010 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,995 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 163 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,646 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,283 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,363 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप की भारत में 2025 की पहली छमाही में रिकार्ड बिक्री

एजेंसी

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने चालू वर्ष में दस प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर के साथ 2025 की पहली छमाही में 7,774 बीएमडब्ल्यू एवं मिनी कारों के अलावा 2,569 मोटरसाइकिलें बेचीं। कंपनी ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि यह उसकी देश में अब तक की सबसे अधिक छमाही कार डिलीवरी है। कंपनी ने कहा कि इस वर्ष जनवरी से जून के बीच बीएमडब्ल्यू ने 7,477 यूनिट और मिनी ने 297 यूनिट बेचीं। भारत में समूह की बिक्री में इलेक्ट्रिक कारों का हिस्सा 18 प्रतिशत तक पहुंच गया है। विज्ञप्ति के अनुसार इस वर्ष दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में, प्रत्येक महीने में उसकी अब तक की सबसे अच्छी बिक्री दर्ज की गई है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप (इंडिया) के अध्यक्ष और सीईओ विक्रम पावाह ने कहा, पहली तिमाही के शानदार प्रदर्शन को पहली छमाही में में आगे बढ़ाते हुए,बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया इस साल की सफलता की कहानी को जबरदस्त उत्साह के साथ आगे बढ़ा रहा है। हम चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करते हुए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि हम लग्जरी कार बाजार खंड में नए अवसरों को सामने लाना जारी रखते हैं। उन्होंने कहा कि बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर विशेष जोर देते हुए अभूतपूर्व 234 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है और सबसे पसंदीदा भारतीय लग्जरी ईवी ब्रांड बन गया है।

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज की स्टॉक मार्केट में सपाट एंट्री, आईपीओ निवेशकों को हुआ नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। एग्रीकल्चर सेक्टर से जुड़े उत्पाद तैयार करने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉप साइंसेज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 111 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी एंट्री बिना किसी उतार चढ़ाव के 111 रुपये के स्तर पर ही हुई। फ्लैट लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये शेयर गिर कर 105.45 रुपये के स्तर तक आ गया। हालांकि बाद में खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये शेयर 110.80 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.18 प्रतिशत के नुकसान में रहे।इंडोगल्फ क्रॉप साइंसेज का 200 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 30 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 27.17 गुना सब्सक्राइब

हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 31.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 49.06 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 14.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 160 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 36,03,603 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने नए इन हाउस ड्राई फ्लोएबल प्लांट का सेट अप करने, पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 26.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में थोड़ कम होकर 22.42 करोड़ रुपये और 2023-24 में उछल कर 28.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 4 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 555.79 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। अगर पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें तो अप्रैल से दिसंबर 2024 के दौरान कंपनी को 21.68 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी ने 466.31 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया था।

शुभमन गिल ने तोड़ा 46 साल पुराना रिकॉर्ड, सचिन, गावस्कर जैसे दिग्गजों को छोड़ा पीछे

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में ऐतिहासिक पारी खेलते हुए क्रिकेट इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करा लिया। गिल ने एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार दोहरा शतक जड़ते हुए सुनील गावस्कर, राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। गिल ने इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी पारी का नया रिकॉर्ड कायम किया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम था, जिन्होंने 1979 में द ओवल में 221 रन बनाए थे। इसके अलावा राहुल द्रविड़ ने 2002 में द ओवल में 217 रन बनाए थे। सचिन तेंदुलकर ने उसी साल लीड्स में 193 रनों की पारी खेली थी। रवि शास्त्री ने 1990 में द ओवल में 187 रन बनाए थे। इन सभी की ऐतिहासिक पारियों को पीछे छोड़ते हुए शुभमन गिल अब इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजों के सर्वोच्च स्कोरर बन गए हैं। गिल ने अपनी ऐतिहासिक पारी के दौरान यशस्वी जायसवाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 रन और ऋषभ पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 47 रनों की अहम साझेदारी की। इसके बाद रवींद्र जडेजा के साथ छठे विकेट के लिए 203 रनों की साझेदारी ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। जडेजा ने भी इस पारी में 89 रन बनाकर टीम को मजबूती दी।

नासिर हुसैन का शुभमन गिल पर बड़ा बयान, 'वह स्वाभाविक रूप से तीसरे नंबर के बल्लेबाज लगते है '

बर्मिंघम (यूके)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच एजबेस्टन, बर्मिंघम में खेला जा रहा है। पहले दिन का खेल खतम होने तक भारतीय टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 310 रन बना लिए जिसमें गिल 114* रन बनाकर क्रीज पर नाबाद डटे है। चौथे नंबर पर आकर गिल ने काफी धैर्य दिखाते हुए 216 गेंदों पर 114* रन बनाए है और दूसरे दिन का खेल शुरू होने पर स्कोर को और आगे बढाना चाहेंगे। गिल के अच्छे प्रदर्शन पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन उनके बैटिंग नंबर से खुश नजर नही आए और उन्होंने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन रिकॉर्ड तोड़ शतक लगाने के बावजूद गिल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने की सलाह दी। विराट कोहली के संन्यास के बाद नंबर 4 बल्लेबाज बने गिल शानदार फॉर्म में दिख रहे है। उन्होंने भारतीय कप्तान के तौर पर पहले दो टेस्ट मैचों में शतक बनाने का दुर्लभ कारनामा किया। हालांकि हुसैन का कहना है अगर वह नंबर 3 पर बल्लेबाजी करेंगे तो ओर भी बेहतर नजर आएंगे। हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स पर कहा, मुझे लगता है कि कुछ लोग ऐसे ही होते हैं, वह स्वाभाविक रूप से तीसरे नंबर पर आते है।

फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने जताया दुख

जमोरा (स्पेन)। लिवरपूल और पुर्तगाल के फॉरवर्ड डिओगो जोटा की स्पेन में 28 साल की उम्र में कार दुर्घटना में मौत हो गई। स्काई स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार दुर्घटना के समय जोटा अपने भाई के साथ कार में थे। प्रीमियर लीग और लिवरपूल फुटबॉल क्लब ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर फुटबॉलर के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उनकी मौत पर पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दुख प्रगट किया है। प्रीमियर लीग ने एक्स पर लिखा, %प्रीमियर लीग में हर कोई डियोगो जोटा और उनके भाई आंद्रे के दुखद निधन के बारे में जानकर स्तब्ध है। इस दुखद समय में हमारी हार्दिक संवेदनाएं डियोगो के परिवार, दोस्तों, लिवरपूल एफसी और उनके सभी समर्थकों के साथ हैं। फुटबॉल ने एक चैंपियन खो दिया है जिसकी कमी हमेशा खलेगी। हम क्लब में अपने दोस्तों और सहकर्मियों का समर्थन करना जारी रखेंगे।% एलएफसी ने एक्स पर लिखा, लिवरपूल फुटबॉल क्लब डियोगो जोटा के दुखद निधन से स्तब्ध है। रोनाल्डो ने शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में लिखा, अभी हम नेशनल टीम में साथ थे, अभी आपकी शादी हुई थी। आपके परिवार, आपकी पत्नी और आपके बच्चों के लिए मैं अपनी संवेदनाएं भेजता हूं। मुझे पता है कि आप हमेशा उनके साथ रहेंगे। शांति से आराम करो, डिओगो और आंद्रे। हम सभी आपको याद करेंगे।

भारत में खेलेंगी पाकिस्तानी हॉकी टीमें, खेल मंत्रालय ने दी हरी झंडी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से ऐसी खबर सामने आई है कि अगले महीने भारत में होने वाली एशिया कप में पाकिस्तान की हॉकी टीम हिस्सा लेंगी। ये टीमें एशिया कप और जूनियर वर्ल्ड कप का भाग बनेंगी। खेल मंत्रालय के सूत्र ने बताया, हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में किसी टीम के भारत में खेलने के खिलाफ नहीं हैं। हालांकि, द्विपक्षीय (सिर्फ भारत और पाकिस्तान के बीच) मुकाबलों का मामला अलग होता है।÷ इस बयान से साफ है कि भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भागीदारी को राजनीतिक तनाव से अलग रख रही है, जबकि सीधे भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाली द्विपक्षीय सीरीज़ पर प्रतिबंध जारी रह सकता है। एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट 27 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट दोनों देशों के बीच खेल संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

ओबैदुल्लाह ख़ान गोल्ड कप की विरासत को बचाने के लिए आगे आए असलम शेर ख़ान, की भावुक अपील

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय हॉकी के स्वर्णिम अतीत में कुछ टूर्नामेंट केवल खेल आयोजन नहीं थे, बल्कि सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। ओबैदुल्लाह ख़ान गोल्ड कप ऐसा ही एक टूर्नामेंट था, जिसकी शुरुआत 1931 में भोपाल के नवाब की पहल पर हुई थी। यह टूर्नामेंट न केवल भारतीय हॉकी का गौरव था, बल्कि गंगा-जमुनी तहज़ीब का ज़िंदा उदाहरण भी। लेकिन आज, यह गौरवशाली आयोजन खामोशी से इतिहास के अंधेरों में खो गया है। इस चुप्पी को असलम शेर ख़ान जैसे दिग्गज खिलाड़ी ने तोड़ा है। ओलंपियन और भारतीय हॉकी के गौरव असलम शेर ख़ान ने एक भावुक अपील करते हुए ओबैदुल्लाह ख़ान गोल्ड कप को पुनर्जीवित करने की मुहिम शुरू की है। उन्होंने कहा, मैंने भारत के लिए हॉकी के मैदान

पर लड़ाई लड़ी है। लेकिन आज मैं एक और ज़्यादा निजी लड़ाई लड़ रहा हूँ – हमारी हॉकी विरासत को बचाने की लड़ाई। असलम शेर ख़ान का यह बयान न सिर्फ एक टूर्नामेंट के लिए चिंता है, बल्कि एक पूरे युग के लिए शोकगीत भी है। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि जिन्हें इस टूर्नामेंट का संरक्षक होना चाहिए था, वही आज इसकी अनदेखी कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह टूर्नामेंट सिर्फ हॉकी नहीं था, यह उस साझी विरासत का प्रतीक था जो धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे था। ओबैदुल्लाह ख़ान गोल्ड कप में भोपाल की गलियों से निकले दर्जनों खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करते थे। ऐशबाग स्टेडियम में हज़ारों की भीड़, गूंजते नारे, और जश्न के वे पल – सबकुछ अब एक बीते हुए कल की तरह लगने लगा है। लेकिन असलम शेर ख़ान इस बीते हुए कल को फिर से वर्तमान में लाना चाहते हैं। उन्होंने अपील की है कि खेलप्रेमी, पूर्व खिलाड़ी, और आम नागरिक एकजुट होकर इस टूर्नामेंट को दोबारा शुरू करें – सरकार के इंतज़ार के बिना। उन्होंने कहा, अगर इस खेल ने कभी आपके दिल को छुआ है – तो आज मेरे साथ खड़े हों।

वैभव सूर्यवंशी ने 9 छक्कों की मदद से जड़े 86 रन, भारत ने अंडर-19 वनडे में इंग्लैंड को हराया

एजेंसी
नॉर्थम्पटन । आईपीएल स्टार वैभव सूर्यवंशी ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए रिकॉर्ड नौ छक्के लगाए और उनकी इस पारी के दम पर भारत ने वर्षाबाधित तीसरे अंडर-19 युवा वनडे मैच में इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली। 14 वर्ष के सूर्यवंशी ने 31 गेंद में 86 रन बनाए। इंग्लैंड के छह विकेट पर 268 रन के जवाब में भारत ने 34.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। सूर्यवंशी ने अपनी पारी में छह चौके और 9 छक्के जड़े। अंडर-19 वनडे क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज का यह सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड है। इससे पहले मनदीप सिंह ने आठ छक्के लगाये थे। भारत का स्कोर 24वें ओवर में छह विकेट पर 199 रन था लेकिन गेंदबाज हरफनमौला कनिष्क चौहान ने 42 गेंद में नाबाद 43 रन बनाए और आर एस अंबरीश (नाबाद 31) के साथ 75 रन की अटूट साझेदारी की। कनिष्क ने गेंदबाजी के दौरान भी तीन विकेट लिए थे। सूर्यवंशी ने तीसरे ही ओवर में सेबेस्टियन मोर्गन को दो छक्के लगाकर अपने तेवर जाहिर कर दिए थे। अगले ओवर में उन्होंने मोर्गन को दो छक्के और एक चौका लगाया।

राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले 14 वर्ष के सूर्यवंशी ने साबित कर दिया कि उनका फॉर्म महज तुक्का नहीं था। इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेम्स मिंटो को उन्होंने छठे ओवर में खासी नसीहत देते हुए 23 रन निकाले। सूर्यवंशी के आउट होने के समय भारत का स्कोर आठवें ओवर में 111 रन था। इससे पहले इंग्लैंड के लिए कप्तान थॉमस रियू ने 44 गेंद में नाबाद 76 रन बनाये जबकि सलामी बल्लेबाज बेन डॉकिंस ने 62 रन की पारी खेली।

मैट रेनशॉ और जेसन सांघा करेंगे ऑस्ट्रेलिया-ए की कप्तानी, श्रीलंका-ए के खिलाफ होगी सीरीज

एजेंसी
मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम की नई संरचना की दिशा में कदम बढ़ाते हुए, अनुभवी बल्लेबाज मैट रेनशॉ को ऑस्ट्रेलिया-ए की 50 ओवरों की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, प्रतिभाशाली बल्लेबाज जेसन सांघा को श्रीलंका-ए के खिलाफ चार दिवसीय मुकाबलों के लिए कप्तानी सौंपी गई है। श्रीलंका-ए की टीम तीन एकदिवसीय और दो चार दिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। यह मुकाबले डार्विन के मारारा ओवल में 5 जुलाई से शुरू होंगे। चार दिवसीय मुकाबले क्रमशः 13 और 20 जुलाई से खेले जाएंगे। हालांकि, अनुभवी नाथन मैकस्वीनी टीम का हिस्सा हैं और वे ऑस्ट्रेलिया-ए के नियमित कप्तान रहे हैं, फिर भी चयनकर्ताओं ने इस बार नेतृत्व की जिम्मेदारी रेनशॉ और सांघा को सौंपने का फैसला किया है। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि यह फैसला युवा खिलाड़ियों को नेतृत्व का अनुभव देने की रणनीति के तहत लिया गया है। बेली ने एक बयान में कहा, नाथन मैकस्वीनी स्वाभाविक लीडर हैं, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया-ए, साउथ ऑस्ट्रेलिया और प्रधानमंत्री एकादश के लिए शानदार कप्तानी की है। लेकिन हम चाहते हैं कि रेनशॉ और सांघा को भी नेतृत्व का अनुभव मिले। 29 वर्षीय रेनशॉ ने अब तक केवल दो बार पेशेवर क्रिकेट में कप्तानी की है – वह भी 2022 में इंग्लैंड में समरसेट की ओर से। दूसरी ओर, 25 वर्षीय सांघा के पास अधिक कप्तानी अनुभव है। उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के लिए शील्ड मैच और सिडनी थंडर के लिए बीबीएल में नेतृत्व किया है। इसके अलावा, उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी।रेनशॉ को अब तक टेस्ट विशेषज्ञ माना जाता था, लेकिन हाल के घरेलू एकदिवसीय प्रदर्शन से वह लिमिटेड ओवर टीम में जगह बनाने के दावेदार बन गए हैं। उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट में छह शतक लगाए हैं, जिनमें से चार नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हुए आए हैं। उनका नंबर-4 पर औसत 45.07 और स्ट्राइक रेट 97.50 है। पिछले 10 लिस्ट ए मैचों में उनका स्ट्राइक रेट 112.69 रहा है।ऑस्ट्रेलिया को अगले दो वर्षों में 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी के तहत नई ओडीआई टीम तैयार करनी है, खासकर स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल के संन्यास के बाद। रेनशॉ की 360-डिग्री बल्लेबाजी शैली और बाएं हाथ के विकल्प के रूप में मौजूदगी उन्हें मजबूत दावेदार बनाती है। वहीं, सांघा ने हाल ही में शील्ड सीज़न में 704 रन बनाए, जिसमें तीन शतक शामिल हैं। उन्होंने फाइनल में 126* रन की मैच विनिंग पारी खेली थी।

सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिपः पहले दिन हिमाचल, असम, मणिपुर, कर्नाटक और गुजरात की धमाकेदार शुरुआत

एजेंसी
रांची। मारांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में शुरू हुई 15वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के पहले दिन खिलाड़ियों का जोश और प्रदर्शन देखने लायक रहा। पहले दिन कुल छह मुकाबले खेले गए, जिनमें से पांच में जीत दर्ज की गई जबकि एक मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। दिन की शुरुआत धमाकेदार रही, जब हॉकी हिमाचल ने हॉकी राजस्थान को 7-0 से करारी शिकस्त दी। नवनीत कौर (17', 37', 55') ने शानदार हैट्रिक लगाई, वहीं रिया (9', 57') ने दो गोल दागे। इसके अलावा पलक चौधरी (28') और सोनम (31') ने भी गोल कर टीम को बड़ी जीत दिलाई। दूसरे मुकाबले में असम हॉकी ने गोवा हॉकी को 7-1 से हराया। रितिका टिग्गा (3', 44', 48') और जोशना एक्का (32', 49', 59') ने शानदार हैट्रिक लगाई। तान्या चौरसिया (37') ने भी एक गोल किया। गोवा के लिए कप्तान ऋद्धि हतींद्रनाथ हड़फकर (30') ने एकमात्र गोल किया। तीसरे

मुकाबले में तेलंगाना हॉकी और जम्मू-कश्मीर हॉकी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला जो 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। जम्मू-कश्मीर के लिए अक्षरा दत्ता (11', 21') ने दो गोल किए, जबकि तेलंगाना के लिए पेंडेला हरिनी चंद्रा (31') और अनु कुमारी (52') ने गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।हॉकी कर्नाटक ने केरल हॉकी को 3-1 से हराकर अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया। जीविथा एच.एन. (17'), कप्तान पियरलिन पोनम्मा ए.जी. (28') और शिल्पा मडिवालप्पा कनजनावर (39') ने गोल किए। केरल की ओर से शालिनी मुंगमुरी (52') ने एक गोल किया। मणिपुर हॉकी ने दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी को 3-0 से हराकर जीत दर्ज की। सेराम हेंथोई चानू (3'), जरीना चोंगथम (13') और कप्तान देवी मोइरांगथेम प्रिंजा (20') ने गोल किए। दिन के आखिरी मुकाबले में हॉकी गुजरात ने हॉकी बंगाल को 3-0 से हराया। कप्तान आस्था टिंपले (25') ने पहला गोल दागा, जिसके बाद कोमल घाडगे (49') और भावना जाडेजा (54') ने गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की।

महिला यूरो 2025: स्पेन ने पुर्तगाल को 5-0 से रौंदा, इटली ने बेल्जियम को 1-0 से हराया

एजेंसी
बर्न। महिला यूरो 2025 के ग्रुप बी मुकाबलों में दो बड़े नतीजे सामने आए। मौजूदा विश्व चैम्पियन स्पेन ने पुर्तगाल को 5-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि इटली ने बेल्जियम के खिलाफ 1-0 से महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।स्पेन की ओर से 32 वर्षीय फॉरवर्ड एस्थर गोंजालेज ने दो गोल दागे और टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज स्पेनिश खिलाड़ी बनीं। उन्होंने सिर्फ 87 सेकंड में गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद 18 वर्षीय विकी लोपेज़ ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया, जो स्पेन की ओर से टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बनीं।कप्तान एलेक्सिया पुटेयास, जो घुटने की चोट के कारण यूरो 2022 से बाहर थीं, ने भी शानदार गोल कर यह दिखा दिया कि वह अब पूरी तरह फिट हैं। 41वें मिनट में उन्होंने तीसरा गोल किया, जबकि दो मिनट बाद

गोंजालेज ने अपना दूसरा गोल करते हुए टीम की बढ़त 4-0 कर दी। मैच के आखिरी क्षणों में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी क्रिस्टीना मार्टिन-प्रियेटो ने हेडर के जरिए पांचवां गोल कर पुर्तगाल की हार को और शर्मनाक बना दिया। मैच से पहले पुर्तगाल और लिवरपूल के फॉरवर्ड डियोगो जोटा और उनके भाई की सड़क दुर्घटना में मौत पर एक मिनट का मौन रखा गया। दूसरे मुकाबले में इटली ने बेल्जियम को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की। इटली के लिए एकमात्र गोल एरियाना कारूसो ने पहले हाफ के अंतिम क्षणों में किया। बायर्न म्यूनिख की मिडफील्डर कारूसो को बेल्जियम डिफेंस ने चौंकाने वाले तरीके से पूरी तरह अनचेक छोड़ दिया। लूसिया डी गुग्लिएल्मो के पास पर कारूसो ने बॉक्स के अंदर जाकर गेंद को शानदार तरीके से पास के टॉप कॉर्नर में डाल दिया। बेल्जियम की कप्तान टेसा वुल्लार्ट ने पहले हाफ में गोल करने की दो अच्छी कोशिशें कीं लेकिन गोल नहीं कर सकीं। इटली की यह जीत यूरो 2022 में बेल्जियम से मिली हार का बदला भी मानी जा रही है। इस जीत से इटली को ग्रुप बी में बढ़त मिली है। स्पेन को ग्रुप की फेवरिट माना जा रहा है, जबकि बेल्जियम, इटली और पुर्तगाल के बीच दूसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला होना तय है। इटली अब सोमवार को पुर्तगाल और चार दिन बाद स्पेन से भिड़ेगा। दोनों मैचों से पहले डियोगो जोटा और उनके भाई को श्रद्धांजलि देते हुए एक मिनट का मौन रखा गया, जिसे दोनों ही स्टेडियमों में सम्मानपूर्वक निभाया गया। श्वस्न ने इसकी घोषणा पहले ही कर दी थी।

डीपीएल की नीलामी से पहले पुरानी दिल्ली 6 ने उठाया बड़ा कदम, ऋषभ पंत को किया रिटेन

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग के 2024 संस्करण के सेमीफाइनलिस्ट पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को आगामी सीजन के लिए रिटेन करने की घोषणा की है। पंत को मार्की खिलाड़ी के रूप में रिटेन किया गया है। पुरानी दिल्ली 6 ने डीपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया, पूरे लीग चरण में ठोस प्रदर्शन किया। हालांकि दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में उनका सफर छोटा हो गया क्योंकि सेमीफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। पंत के टीम में बने रहने से उम्मीद है कि टीम 2025 सीजन में और अधिक प्रतिस्पर्धी इकाई बनाएगी। पंत के बारे में बात करते हुए पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा, 'ऋषभ पंत न केवल विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं, बल्कि पुरानी दिल्ली 6 की धड़कन भी हैं। उनका नेतृत्व, अनुभव और प्रतिभा हमें बढ़त दिलाती है। हम उनके ईद-गिर्द एक मजबूत टीम बना रहे हैं और हमें इस साल जीत का पूरा भरोसा है। अपनी खुशी जाहिर करते हुए पंत ने कहा, 'डीपीएल युवा प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है और इस लीग को सफलतापूर्वक आयोजित करने का श्रेय रोहन जेटली और डीडीसीए को जाता है। छ्क्क द्वारा प्रदान किए गए अवसरों के माध्यम से देश भर के कई खिलाड़ी उभरे और विकसित हुए हैं, जैसे कि दिग्वेश राठी, प्रियांश आर्य और अन्य। उन्होंने कहा, 'पुरानी दिल्ली 6 वास्तव में घर जैसा लगता है, दिल्ली के प्रशंसकों की जीवंत ऊर्जा और जीतने की बेजोड़ भूख से भरपूर।

वेस्टइंडीज़ बनाम ऑस्ट्रेलिया, दूसरा टेस्टः केरी और वेबस्टर ने संभाली ऑस्ट्रेलिया की पारी, टॉप ऑर्डर फिर रहा नाकाम

एजेंसी
ग्रेनेडा। वेस्टइंडीज़ के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज़ के दूसरे मुकाबले के पहले दिन गुरुवार (भारतीय समयानुसार शुक्रवार) को ऑस्ट्रेलिया की टीम 286 रन पर सिमट गई। हालांकि एलेक्स केरी और ब्यू वेबस्टर ने छठे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े संकट से उबारा। दोनों बल्लेबाज़ों ने महत्वपूर्ण अर्धशतक लगाए और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फ़ैसला किया, लेकिन शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहले ही सेशन में तीन विकेट गंवा दिए। उस्मान ख्वाजा 16 रन पर अल्जारी जोसेफ की इन-स्विंग गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। इसके तुरंत बाद सैम कॉनस्टास 25 रन बनाकर एंडरसन फिलिप की गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे।

स्टीव स्मिथ, जो पहले टेस्ट में उंगली की चोट के कारण नहीं खेले थे, वापसी में केवल 3 रन ही बना सके और जोसेफ की गेंद पर टॉप-एज होकर आउट हो गए। लंच से ठीक पहले कैमरन ग्रीन को जीवनदान तो मिला, लेकिन उसी ओवर की आखिरी गेंद पर वे गली में कैच होकर लौट गए। लंच के बाद ट्रैविस हेड भी ज्यादा देर नहीं टिके और शमर जोसेफ की गेंद पर विकेटकीपर शाई होप को कैच दे बैठे। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 110 रन पर पांच विकेट हो चुका था। इसके बाद एलेक्स केरी और ब्यू वेबस्टर ने पारी को संभाला। केरी ने आक्रामक अंदाज़ में बल्लेबाज़ी की और फिलिप, सील्स तथा जस्टिन ग्रीव्स जैसे गेंदबाज़ों की जमकर खबर ली। उन्होंने कई आकर्षक चौके लगाए और 63 रन की तेज़ पारी खेली। वेबस्टर ने संयमित बल्लेबाज़ी करते हुए 87 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और कुल 60 रन बनाए। वह रन लेने के प्रयास में रन आउट हो गए। बारिश के कारण खेल थोड़ी देर रुका, लेकिन दोबारा शुरू होने के बाद ऑस्ट्रेलिया की पारी जल्दी सिमट गई। कप्तान पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क ज्यादा योगदान नहीं दे सके। अंततः ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 67वें ओवर में 286 रन पर ऑलआउट हो गई।

ग्रैंड चेस टूर : डी. गुकेश ने मैग्नस कार्लसन को हराया, लगातार पांचवीं जीत के साथ एकल बढ़त बनाई

एजेंसी
जाग्रेब(क्रोएशिया)। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर और मौजूदा विश्व चैम्पियन डी. गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर (जीएसटी) 2025 के दूसरे दिन गुरुवार को नॉर्वे के विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को छठे राउंड में हराकर सनसनी फैला दी। इस जीत के साथ गुकेश टूर्नामेंट में 10 अंकों के साथ एकल बढ़त पर पहुंच गए हैं।

पहले दिन की समाप्ति पर गुकेश संयुक्त लीडर थे, लेकिन अब उन्होंने खुद को सबसे आगे कर लिया है। इससे पहले चौथे और पांचवें राउंड में उन्होंने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव और अमेरिका के फाबियानो कारुआना को शिकस्त दी थी।कार्लसन ने गुकेश के खिलाफ मैच से पहले एक बयान में कहा था कि वे इस मुकाबले को ऐसे लेंगे जैसे वे किसी कमजोर खिलाड़ी से खेल रहे हों। उन्होंने कहा था, गुकेश ने यहां पिछली बार अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन यह अभी साबित होना बाकी

है कि वह इस फॉर्मेट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं... मैं उसे कमजोर खिलाड़ियों में से एक मानकर खेलूंगा। लेकिन गुकेश ने बोर्ड पर शानदार चालों से करारा जवाब दिया और पूर्व विश्व चैम्पियन को चित कर दिया। गुकेश और कार्लसन के बीच यह तीन मुकाबलों की श्रृंखला का पहला मैच था, जिसे रैपिड फॉर्मेट में खेला गया। आने वाले दो मुकाबले ब्लिट्ज फॉर्मेट में खेले जाएंगे।गुकेश की यह जीत सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय शतरंज के बढ़ते प्रभुत्व की भी प्रतीक बन गई है।

रवींद्र जडेजा ने एजबेस्टन टेस्ट में लगाया अर्धशतक, कोहली और धोनी के खास क्लब में हुए शामिल

एजेंसी
नई दिल्ली। दिग्गज भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कड़ी मेहनत से अर्धशतक बनाकर विराट कोहली और एमएस धोनी के क्लब में शामिल हो गए। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने प्रतिष्ठित इंग्लिश स्थल पर संयुक्त रूप से दूसरे सबसे अधिक पचास से अधिक स्कोर बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया। भारत द्वारा ऋषभ पंत और नितीश कुमार रेड्डी के महत्वपूर्ण विकेट जल्दी-जल्दी गंवाने के बाद रवींद्र जडेजा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने 6 विकेट के लिए शानदार शतकीय साझेदारी की जिससे भारत ने शानदार वापसी की। जब गिल ने एक और टेस्ट शतक बनाया, तो जडेजा ने दूसरे दिन पहले सत्र में शानदार अर्धशतक पूरा किया। इस तरह वह बर्मिंघम में सबसे अधिक पचास से अधिक स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में पूर्व कप्तान एमएस धोनी और विराट कोहली के साथ शामिल हो गए। लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर इस सूची में पहले स्थान पर हैं जिन्होंने एजबेस्टन में टेस्ट मैचों में तीन अर्धशतक लगाए हैं। धोनी, जडेजा, कोहली, पंत और विश्वनाथ ने बर्मिंघम में दो बार पचास या उससे ज़्यादा रन बनाए हैं।

ब्रैथवेट खेलेंगे 100वां टेस्ट, वेस्टइंडीज खिलाड़ियों के विशेष क्लब में होंगे शामिल

एजेंसी
बारबाडोस। क्रेग ब्रैथवेट आज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे और वेस्टइंडीज के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले 10वें क्रिकेटर बन जाएंगे। वह विव रिचर्ड्स, क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा और गॉर्डन ग्रीनिज जैसे खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में शामिल हो जाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ब्रैथवेट सबसे लंबे प्रारूप में वेस्टइंडीज क्रिकेट की आधारशिला बन गए हैं, उन्होंने 99 टेस्ट मैचों में 12 शतकों के साथ 5943 रन बनाए हैं, उनमें से 39 में टीम का नेतृत्व किया है, किसी भी अन्य वेस्टइंडीज खिलाड़ी की तुलना में अधिक गेंदों का सामना किया है और 2022 में आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम ऑफ द ईयर में स्थान अर्जित किया है। उनकी यात्रा 2011 में 18 वर्षीय नवोदित खिलाड़ी के रूप में शुरू हुई, लेकिन यह विश्वास बहुत पहले ही जड़ जमा चुका था, जब उन्होंने सिर्फ़ 14 वर्ष की आयु में ही पूरे आत्मविश्वास के साथ घोषणा की थी कि वह एक दिन वेस्टइंडीज के लिए 100 टेस्ट खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर क्रेग ब्रैथवेट ने कहा, 'मैंने यह लक्ष्य तब तय किया था, जब मैं शायद 14 वर्ष का था - 100 टेस्ट खेलना। अब मैं 18 साल बाद वेस्टइंडीज के लिए अपना सौवां टेस्ट खेल रहा हूं। मैं बहुत आभारी हूं, और मैं बस युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनना चाहता हूं।% मई 2011 में बैसेटेरे में पाकिस्तान के खिलाफ ब्रैथवेट के लिए यह ड्रीम डेब्यू नहीं था। उन्होंने एक बाउंड्री के साथ शुरुआत की, लेकिन 15 और 0 के स्कोर ने उनके टेस्ट करियर की एक शांत शुरुआत को चिह्नित किया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि इस विश्वास को जमने में समय लगा, लेकिन एक बार जब यह जम गया, तो पीछे मुड़कर नहीं देखा। मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ अपने तीसरे टेस्ट में एक शानदार अर्धशतक ने फॉर्म में वापसी की, जिसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ अपने अगले चार मैचों में उन्होंने तीन और अर्धशतक लगाए। ब्रैथवेट को अपना पहला टेस्ट शतक बनाने में तीन साल लग गए, 2014 में पोर्ट ऑफ स्पेन में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक संयमित पारी।लेकिन यह एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम में उनकी जगह को मजबूत किया। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के खिलाफ मेरा पहला शतक एक ऐसा एहसास था जिसे मैं वास्तव में शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मुझे विश्वास नहीं था कि मैं टेस्ट शतक के इतने करीब पहुंच जाऊंगा, और फिर इसे हासिल करने के बाद, मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि मैंने वेस्टइंडीज के लिए 100 रन बनाए। यह वास्तव में मेरे लिए बहुत मायने रखता था और इससे मुझे आगे बढ़ने में मदद मिली, यह जानने में कि मैं यह कर सकता हूं। अपने पहले शतक के कुछ ही महीनों बाद क्रेग ब्रैथवेट ने किंग्सटाउन में शानदार 212 रन बनाए, जो टेस्ट में उनका पहला दोहरा शतक था। उन्होंने 2014 में दक्षिण अफ्रीका में बॉक्सिंग डे शतक के साथ शानदार प्रदर्शन किया और 77.88 के शानदार औसत से 701 रन बनाकर साल का अंत किया, जो एक कैलेंडर वर्ष में उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। ब्रैथवेट ने कहा, 'चाहे कुछ भी हो, छोटी उम्र से ही आप अपने और लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं जिन्हें आप जीवन में हासिल करना चाहते हैं। कठिन समय और अच्छे समय में कड़ी मेहनत करें। अनुशासित रहें और इसे कभी भी हल्के में न लें।

जैकलीन फर्नांडिस

को 200 करोड़ के मनी लॉन्डरिंग केस में राहत नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें मनी लॉन्डरिंग केस में कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. उन्हें सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉन्डरिंग केस में राहत नहीं मिल पा रही है. मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में श्वष्ठ की ओर से दर्ज स्न्ड्ढक्रऔर चार्जशीट को जैकलीन ने चुनौती दी थी और इस केस को बंद करने की मांग की थी. मगर जैकलीन की याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है.ईडी ने सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ की लॉन्ड्रिंग के मामले में जैकलीन को आरोपी बनाया है. ED ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक अतीत की जानकारी होने के बावजूद जैकलीन उससे महंगे गिफ्ट आभूषण वगैरह ले रही थीं. इस मामले में जैकलीन को पूछताछ के लिए भी बुलाया जा चुका है. लेकिन एक्ट्रेस का ऐसा मानना है कि उन्हें इस मामले में गलत फंसाया जा रहा है और उनका सुकेश चंद्रशेखर के साथ भी कोई रिलेशन कभी नहीं रहा है.

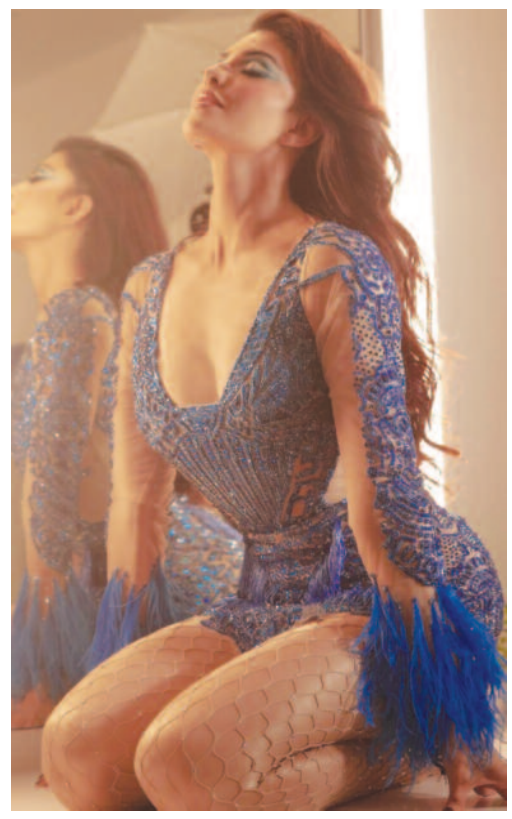

जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी सफाई में क्या कहा ?

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की बात करें तो उन्होंने अपनी सफाई में कहा था कि उन्हें जानबूझकर इस मामले में फंसाया गया है और उनके ऊपर लगाए गए सारे आरोप झूठे हैं. एक्ट्रेस के मुताबिक सुकेश चंद्रशेखर और अदिति सिंह ने उनके साथ धोखाधड़ी की है. वे कभी भी सुकेश के साथ किसी रिलेशनशिप में नहीं रही हैं.

क्या है जैकलीन से जुड़ा पूरा मामला ?

इस मामले की बात करें तो साल 2021 में ठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ 200 करोड़ रुपए की मनी लॉन्डरिंग का मामला सामने आया था. जांच में ये भी सामने आया था कि सुकेश के कई स्टार्स के साथ भी कनेक्शन हैं जिन्हें उसने महंगे गिफ्ट्स भी दिए थे. इसी दौरान जैकलीन फर्नांडिस समेत कुछ और स्टार्स का नाम भी सामने आया था. इसके बाद से ही जैकलीन निशाने पर हैं और उन्हें इस केस से छुटकारा नहीं मिल पाया है.

वर्क फ्रंट पर क्या कर रहीं जैकलीन ?

हालांकि इन सब चुनौतियों के बाद भी एक्ट्रेस वर्क फ्रंट पर सामंजस्य बनाने की कोशिश कर रही हैं. एक्ट्रेस की पिछली फिल्म हाउसफुल 5 थी. वहीं साल 2025 में वे अब तक रेड 2 और फतेह जैसी फिल्मों का हिस्सा बन चुकी हैं. फिलहाल वे वेल्कम टू द जंगल फिल्म का हिस्सा हैं.

यहां दाल नहीं गलने वाली...

तेजस्वी प्रकाश

संग रिश्ते को 'नकली' कहने वालों पर भड़के करण कुंद्रा

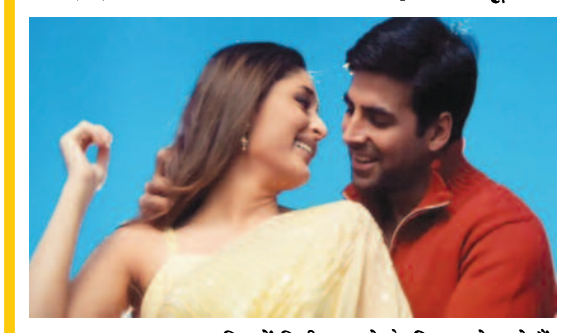

टीवी के पॉपुलर एक्टर करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश का रिश्ता साल 2021 से लगातार सुर्खियों में है. 4 साल पहले 'बिग बॉस 15' के घर में शुरू हुई इनकी लव स्टोरी घर के बाहर भी टिकी हुई है और फैंस इन्हें प्यार से 'तेजरन' कहकर बुलाते हैं. लेकिन हाल ही में कुछ सोशल मीडिया हैंडल और यूट्यूब चैनलों ने उनके रिश्ते को 'फर्जी' बताकर करण पर अपनी एक्स गर्लफ्रेंड अनुषा दांडेकर को धोखा देने का आरोप लगाया. अक्सर इस तरह की खबरों को इग्नोर करने वाले करण कुंद्रा ने इस बार उनकी निजी जिंदगी को लेकर गलत खबरें फैलाने वालों की जमकर क्लास लगाई है.

करण कुंद्रा ने बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कई यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया हैंडल के थंबनेल के स्क्रीनशॉट शेयर किए. इन थंबनेल में तेजस्वी प्रकाश के साथ उनके रिश्ते को 'फेक और नकली दिखाया जा रहा था और साथ ही इनमें से कुछ वीडियो में करण कुंद्रा पर ये आरोप भी लगाए गए थे कि उन्होंने अतीत में बिग बॉस में अपने एक को-स्टार को गाली दी थी और थप्पड़ भी मारा था. इन ट्रोल्स को करारा जवाब देते हुए करण ने लिखा, 'थोड़ा और पैसा लगाओ तुम लोगज्यहां तो दाल गल नहीं रही है तुम्हारी.'

गॉसिप फैलाने वालों पर फूटा करण का गुस्सा

करण ने एक्स (पहले ट्विटर) पर अपने कई फैंस को जवाब देते हुए ये भी साफ किया कि उनके बारे में गलत खबरें फैलाने वाले कोई मीडिया न्यूज पेज या चैनल नहीं हैं, बल्कि सिर्फ पैसे के लिए झूठी खबरें लोगों में फैलाने वाले गॉसिप मॉन्गर्स हैं. उन्होंने लिखा, 'करेक्शन .. ये कोई मीडिया पेज नहीं हैंज्ये पेज पैसे के लिए ऐसा करते रहते हैं.' उन्होंने आगे कहा, 'दरअसल मैं इन लोगों के लिए एक गो-फंड-मी शुरू करने के बारे में सोच रहा हूं, क्योंकि ये सभी बेचारे बहुत कम बजट वाले पेजों को ही इस तरह की खबरें फैलाने के लिए पे (भुगतान) कर रहे हैं.. बहुत ही दुखद है'

शादी की झूठी खबरों पर भी तोड़ी थी चुप्पी

ये पहली बार नहीं है जब सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले करण ने अपने रिश्ते को लेकर उड़ रही अफवाहों पर बात की हो. 3 महीने पहले अप्रैल में करण ने उनके और तेजस्वी के नेटफ्लिक्स के 'दुबई ब्लिंग' के आने वाले सीजन में शादी करने की खबर का खंडन किया था. उन्होंने कहा था कि 'मैं अब इन बातों से तंग आ गया हूं', मैं सभी टैबलॉयड से कहना चाहता हूं कि आप इस साल या फिर अगले साल मेरी शादी करवा देंगे, फिर आप में से कुछ लोग एक रियलिटी शो में मेरी सगाई का ऐलान भी कर देंगे, सिर्फ इसलिए क्योंकि हम इस समय दुबई में हैं. मैं ये भी समझता हूं कि इस तरह की खबरों से आपको बहुत सारे नंबर मिल जाते हैं.

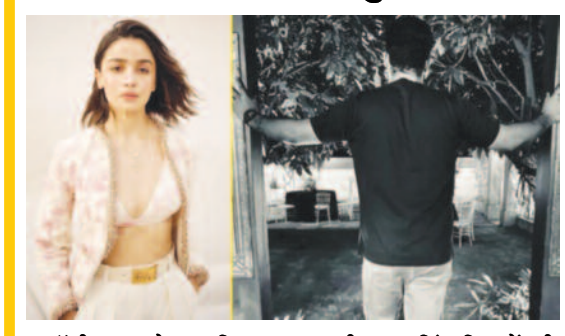

22 साल पुरानी वो फिल्म, जिसमें अक्षय कुमार की जिद पर हुई करीना कपूर की एंट्री, मेकर्स को लगा करोड़ों का चूना

अक्षय कुमार सालभर फिल्में रिलीज करने के लिए जाने जाते हैं. हर साल उनकी 3-4 फिल्में आसानी से रिलीज हो ही जाती हैं. हाल ही में पूर्व सीबीएफसी प्रमुख और फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी ने अक्षय कुमार की 22 साल पुरानी एक फ्लॉप फिल्म की कास्टिंग को लेकर खुलासा किया. उन्होंने बताया की कैसे अक्षय के जोर देने पर उस फिल्म में यंग करीना कपूर को साइन किया गया था. फिल्ममेकर ने बॉलीवुड कास्टिंग को लेकर भी खुलकर बात की.पूर्व सीबीएफसी प्रमुख पहलाज निहलानी ने बॉलीवुड कास्टिंग के बदलते तौर-तरीकों और बढ़ते बजट के बारे में अपने विचार शेयर किए. यूट्यूब चैनल लर्न फ्रॉम द लीजेंड पर बात करते हुए उन्होंने 2003 की फिल्म तलाश- द हंट बिगिन्स के निर्माण के दौरान के एक पल को याद किया, जब अक्षय कुमार ने जोर देकर कहा था कि करीना कपूर को लीड रोल में लिया जाए.

अक्षय ने मेकर्स के सामने रखी थी ये शर्त

पहलाज निहलानी ने बताया कि कैसे कास्टिंग का फैसला पूरी तरह से डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स के अधिकार क्षेत्र में होता था, जिसमें एक्टर्स शायद ही कभी शामिल होते थे. उन्होंने कहा, पहले, निर्माता और निर्देशक कास्टिंग करते थे और हीरो कास्टिंग में नहीं बोला करते थे. मेरे साथ कास्टिंग में इंटरफेयर करने वाले पहले एक्टर अक्षय कुमार थे और फिल्म 2002 में 'तलाश' थी. उन्होंने मुझसे कहा कि हम कल फिल्म शुरू कर सकते हैं, और आप मुझे जो भी अमाउंट देना चाहें दे सकते हैं, लेकिन इस फिल्म की हीरोइन करीना कपूर होंगी.

साल की सबसे महंगी फिल्म थी 'तलाश'

फिल्ममेकर ने बताया कि यह 'तलाश' उस समय की सबसे महंगी फिल्मों में से एक थी, इसे 22 करोड़ रुपये में बनाया गया था. यह उनके करियर में पहली बार था जब किसी एक्टर ने एक फिक्स एक्ट्रेस की मांग की थी.

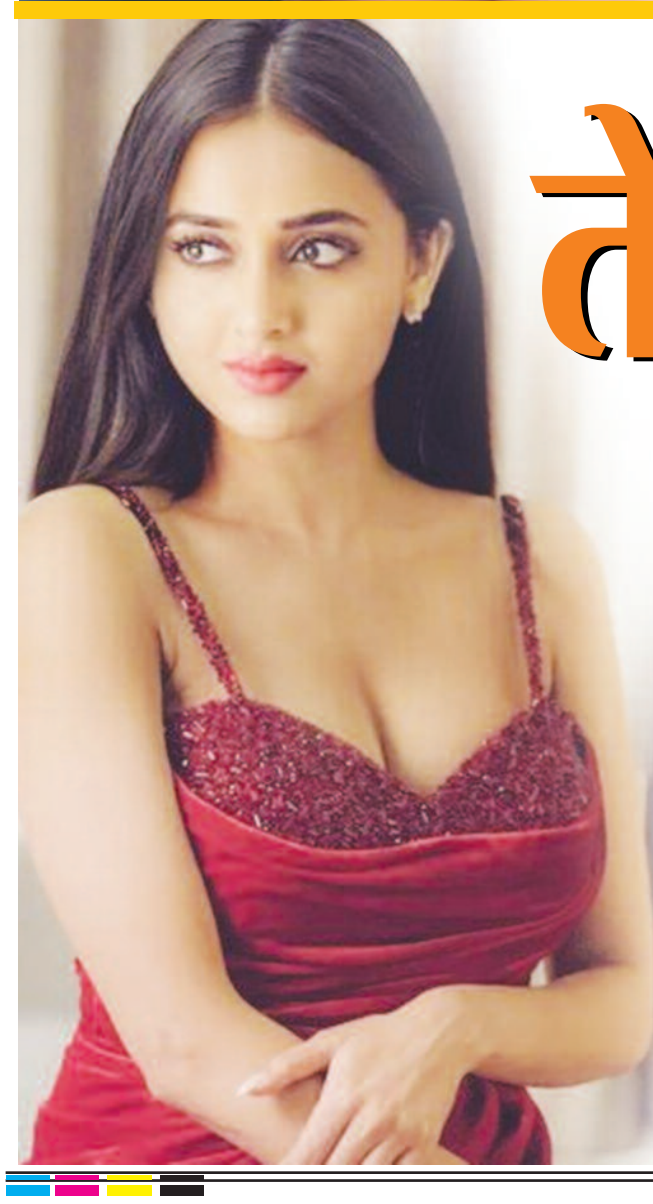

पहलाज निहलानी ने बताया कि अक्षय का वो फैसला इमेज को लेकर था. उन्होंने अपनी बात पूरी करते हुए बताया, कभी-कभी, जैसे-जैसे एक्टर्स बूढ़े होते जाते हैं, वे यंग एक्ट्रेसेस के साथ एक्टिंग करना चाहते हैं ताकि उनकी खुद की उम्र कम दिखे. यह पहली बार था जब मैंने ऐसा सुना, लेकिन इन दिनों एक्टर्स ही सब कुछ तय करते हैं और निर्माता कूरियर सेवा के रूप में काम करते हैं. बता दें, 'तलाश' पर फ्लॉप साबित हुई थी.

1200 करोड़ छापने वाला सुपरस्टार, जिसे आलिया भट्ट ने एक नहीं, तीन बार ठुकरा दिया!

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी अपकमिंग फिल्मों की तैयारियों में बिजी हैं. यूं तो अपनी एक्टिंग और सफलता के चलते काफी डिमांड में हैं. पर एक्ट्रेस का पूरा फोकस इस समय आने वाली फिल्मों पर हैं. जल्द YRF स्पाई यूनिवर्स की ALPHA में दिखेंगी. जिसके लिए फैन्स भी काफी एक्साइटेड हैं. वैसे तो आलिया भट्ट ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं. इसी बीच आलिया साउथ के एक बड़े एक्टर को लेकर चर्चा में हैं. कहा जा रहा है कि उन्होंने तीन बार उनके अपोजिट ऑफर हुई फिल्म को ठुकराया दिया.आलिया भट्ट को साल 2022 में एसएस राजामौली की फिल्म में देखा गया था. RRR में एक्ट्रेस का कैमियो था, जहां वो राम चरण के साथ दिखी थीं. हालांकि, फिर ऐसे चर्चे हैं कि वो फहाद फाजिल के साथ काम करती नजर आएंगी.

आलिया ने 1200 करोड़ी एक्टर को ठुकराया ?

हाल ही में cinejosh पर एक रिपोर्ट छपी. इसके मुताबिक, आलिया भट्ट ने जूनियर NTR को एक बार नहीं, बल्कि तीन बार रिजेक्ट किया है. ऐसी चर्चा है कि एक्ट्रेस को उनके अपोजिट तीन बार काम करने का ऑफर मिला था. पर वो मना करती चली गई. हालांकि, इसके पीछे वजह पर्सनल नहीं, प्रोफेशनल है. कभी रोल पसंद न आना, तो कभी सेकंड हीरोइन का रोल ऑफर होने पर उन्होंने न कह दिया. कहा जा रहा है कि कहानी पसंद न आने की वजह से भी एक्ट्रेस ने मना किया था.

हालांकि, जूनियर एनटीआर को तीन बार ठुकराना बड़ी बात है. जिसने सभी फैन्स को हैरान कर दिया है. लोग चाहते हैं कि आलिया भट्ट भी जल्द जूनियर एनटीआर के अपोजिट दिखे. दरअसल जूनियर एनटीआर और राम चरण काफी अच्छे दोस्त हैं. और राम चरण की आलिया से भी अच्छी बॉन्डिंग है, लेकिन देखना होगा कि यह हो पाता है या नहीं.

इन फिल्मों से धूम मचाएंगे

जूनियर एनटीआर की पिछली फिल्म 'देवरा' थी, जो कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी. अब बारी है 'वॉर 2' की, जो 14 अगस्त को रिलीज होगी. ऋतिक रोशन की फिल्म में वो विलेन बनने वाले हैं. वहीं इसके बाद प्रशांत नील के साथ एक पिक्चर में धमाल मचाते नजर आएंगे. हालांकि, आगे भी कई और डायरेक्टर्स से उनकी बातचीत चल रही है. हालांकि, देवरा से पहले ऋक्रक्र में दिखे थे, जिसने दुनियाभर से 1200 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया– जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ–साथ
अब
बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा
से
प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर–1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

“ जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ–सफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली लेकर धीरे–धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप–प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए ! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था ! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे ! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए ! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़–पौधा लगन ! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान–जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com
8084674042
6202611859
8084674042